जागरूक टाइम्स
YOUTUBE चैनल को सब्सक्राइब करने के लिए स्कैन करें

जागरूक टाइम्स

jagruktimes.co.in

जयपुर, बुधवार, 7 मई, 2025 ▸▸ वर्ष 17 ▸▸ अंक 7 ▸▸ पृष्ठ 12 ▸▸ मूल्य 1.50 रु.

न्यूज़ ब्रीफ

पोप का चुनाव आज से शुरू, 71 देशों के 133 कार्डिनल लेंगे भाग

वेटिकन सिटी। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। ऐसा कोई नियम नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता या क्षेत्र के हिसाब से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। यही कारण है कि दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से ऐतिहासिक होगा। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं, जिनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के चलते मतदान से इन्कार कर दिया है। यानी अब 133 कार्डिनल चुनाव में पहुंचेंगे और बहुमत के लिए 89 वोट की जरूरत होगी।

यमन में हूती विद्रोहियों के बंदरगाह पर इजराइली एयरस्ट्राइक

सना। इजराइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह शहर हुदैदाह पर सोमवार रात भीषण बमबारी की। सेना के मुताबिक हमले में 20 इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। इसके लिए विमानों ने 2000 किमी की दूरी तय की। हमले में हुदैदाह पोर्ट और बाजिल कंक्रीट फैक्ट्री को निशाना बनाया गया। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक फाइटर जेट्स ने कम से कम 50 टारगेट पर बम गिराए।

500 से ज्यादा बांग्लादेशियों को दिया गया फर्जी पासपोर्ट

कोलकाता। बंगाल में फर्जी पासपोर्ट मामले की जांच में कई सनसनीखेज तथ्य सामने आए हैं। ईडी को मामले में गिरफ्तार पाक नागरिक आजाद मल्लिक के अपने देश की गुप्तचर संस्था आईएसआई के संपर्क होने के सुबूत मिले हैं। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि आजाद बंगाल में स्लीपर सेल तैयार कर रहा था। उसने 500 से अधिक पाक व बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी पासपोर्ट बनाकर दिए थे।

भारत की 'वाटर स्ट्राइक' से पाकिस्तान में खलबली

कबूली जल संकट की बात, भारत ने दो बांध बंद किए

पाक के 24 शहरों में 3 करोड़ लोगों पर असर

इस्लामाबाद। भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद कर दिए हैं। इसके चलते पाकिस्तान जाने वाला चिनाब का पानी रुक गया है और वाटर लेवल घटकर 15 फीट रह गया है। पाकिस्तान में चिनाब का पानी 22 फीट था जो 24 घंटे में 7 फीट घट गया। चिनाब के लगातार सिकुड़ने से 4 दिन बाद पंजाब के 24 अहम शहरों में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। पाकिस्तान के फैसलाबाद और हाफिजाबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों की 8 0 प्रतिशत आबादी पेयजल के लिए चिनाब के सतही पानी पर निर्भर है। सिंधु जल प्राधिकरण ने आशंका जताई कि भारत के इस कदम से खरीफ की फसलों के लिए पानी में 21 प्रतिशत की कमी आएगी। पाकिस्तानी संसद ने इसे युद्ध छेड़ने की कार्रवाई बताया है।

बूंद बूंद को तरसेगा पाकिस्तान

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की सबसे बड़ी वाटर सप्लाई को रोकना शुरू कर दिया है। सिंधु जल समझौते के स्थगित होने के बाद भारत ने चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। अब सिंधु की और सहयोगी नदी झेलम का पानी रोकने की भी तैयारी हो रही है। चिनाब नदी का पानी रोकन के लिए बगलिहार डैम के गेट बंद किए हैं। वहीं, अगले कुछ दिनों में झेलम का पानी भी किशनगंगा बांध पर रोकने की योजना है। भारत के इस कदम के बाद से चिनाब का बहाव 90 प्रतिशत तक कम हुआ है यानी पाकिस्तानी इलाके में जाने वाली चिनाब सूखन लगी है। अगर झेलम के साथ ये हुआ तो सिंधु नदी का जलसंकट पाकिस्तान को प्यासा मार देगा।

पाकिस्तानी नेताओं के बयान

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने 25 अप्रैल को कहा था पानी रोका तो खून बहेगा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल समझौता रोकने पर भारत को धमकी दी है। बिलावल ने 25 अप्रैल को एक रैली में कहा कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा।

ख्वाजा आसिफ : पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 4 मई को धमकी देते हुए कहा है कि अगर भारत ने सिंधु नदी पर डैम बनाया तो, पाकिस्तान उस पर हमला करेगा।

शहबाज शरीफ: शहबाज शरीफ ने 1 मई को कहा कि भारत ने युद्ध भड़काने वाले फैसले किए और पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमक रुख अपनाया।

भारत ने 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोका

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रोक दिया है। 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों का पानी बांटने को लेकर सिंधु जल समझौता हुआ था। समझौते के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) का अधिकार मिला, जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) का इस्तेमाल करने की परमिशन दी गई।

तीनों नदियों पर है कितनी निर्भरता

पाकिस्तान की 80 प्रतिशत खेती सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी पर निर्भर है। अब भारत की तरफ से इन नदियों का पानी रोक देने से पाकिस्तान में जल संकट गहराएगा। वहां की आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी। इसके अलावा पाकिस्तान कई डैम और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स से बिजली बनाता है। पानी की कमी से बिजली उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों पर असर पड़ेगा।

पीएम मोदी बोले भारत का पानी भारत के हक में बहेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारत मंडपम में एबीपी न्यूज के समिट में कहा, दशकों तक हमारी नदियों का पानी झगड़े का मुद्दा रहा। हमारी सरकार ने नदियों को जोड़ने का बड़ा फैसला किया है। आजकल मीडिया में पानी को लेकर बहुत बातें चल रही हैं। उन्होंने कहा, पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा, हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा। पीएम ने यह बात सिंधु जल समझौता के संदर्भ में कही। दरअसल पहलगाम हमला के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। भारत ने सिंधु जल समझौता को खत्म करने के अलावा कई सख्त फैसले लिए हैं।

बैंकिंग सिस्टम मजबूत किया, एअर इंडिया को बचाया

2014 से पहले हमारे बैंक बर्बाद होने की कगार पर थे। आज भारत का बैंकिंग सेक्टर दुनिया के सबसे मजूबत सिस्टम में एक है। रिकॉर्ड फायदे में है। जमा करने वालों का इसका फायदा है। हमारी सरकार ने बैंकिंग में रिफॉर्म किए। छोटी बैंक को मर्जर किया। एअर इंडिया डूब रही थी। देश के हजारों करोड़ रुपए डूब रहे थे। हमारी सरकारी ने एअर इंडिया को बचाया। हमारे लिए देश सर्वोपरी है।

आपका पैसा बचाया

हमारे पूर्व पीएम ने माना था अगर सरकार 1 रुपया गरीब को भेजती है, तो 85 पैसा लुट जाता है। सरकारें बदलती रहीं लेकिन गरीब की दिशा में ठोस काम नहीं हुआ। हमारी सरकार ने तय किया कि 1 रुपया पूरा गरीबों को मिले। इसके लिए डायरेक्टर अकाउंट में भेजा। 10 करोड़

फर्जी लाभार्थी ऐसे थे जिनका कभी जन्म तक नहीं हुआ था। पहले वाले यही सिस्टम बना कर गए थे। हमारी सरकार ने इन 10 करोड़ फर्जी नामों को हटाया। डीबीटी के जरिए पूरा पैसा गरीबों के बैंक खातों में भेजा। इससे साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा गलत हाथों में जाने से बचा है। मतलब आपका पैसा बचाया है।

वन रैंक वन पेंशन दी

वन रैंक वन पेंशन का मामला दशकों से लटका हुआ था। तर्क था कि इससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ेगा। हमारी सरकार ने जीवन खपाने वालों के हित को सर्वोपरी रखा। अबतक हमारी सरकार सवा लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वन रैंक वन पेंशन में दे चुकी है।

ट्रिपल तलाक और वक्फ का कानून बनाया

ट्रिपल तलाक का मामले पर बात नहीं की जाता थी। मुस्लिम परिवारों, महिलाओं के हित में ट्रिपल तलाक का कानून बनाया। वक्फ कानून में बदलाब की मांग दशकों से की जा रही थी। इसमें जरूरी बदलाव किए गए। इससे गरीब मुस्लिमों, परमांदा मुस्लिमों को फायदा मिलेगा।

डिजिटल इंडिया का भी किया जिक्र

पीएम नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि आप याद कीजिए 10 साल पहले जब मैं डिजिटल इंडिया की बात करता था, तब कई लोग बहुत सारी आशंकाए जताते थे, लेकिन आज डिजिटल इंडिया हमारे जीवन का एक सहज हिस्सा बन गया है। सस्ते डेटा और सस्ते मेड इन इंडिया स्मार्टफोन ने नई क्रांति को जन्म दिया है। इससे इज ऑफ लिविंग बढ़ी है। इसने कंटेंट का एक नया संसार बना दिया है। आज गांव में एक अच्छा खाना बनाने वाली महिला मिलियन सब्सक्राइबर्स क्लब में शामिल है।

...और इधर भारत के खिलाफ यूएनएससी पहुंचे पाक की हो गई बोलती बंद

फजीहत हुई अलग से पहलगाम हमले पर पूछे गए कठिन सवाल

नई दिल्ली। अस्थाई सदस्य होने के नाते पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में बैठक बुला तो ली लेकिन इसका नतीजा कुछ ऐसा नहीं हुआ जैसा पाकिस्तान की सरकार चाहती थी। असलियत में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि से ही कुछ तीखे सवाल किये गये। चीन को छोड़ कर यूएनएससी के स्थाई अन्य चारों सदस्यों (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस) ने यहीं कहा कि आतंकवाद का मुद्दा बहुत ही गंभीर है। इस संदर्भ में आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने को लेकर भी पाकिस्तान से सवाल पूछे गये। बैठक के बाद यूएनएससी ने दोनों पक्षों को आपस में बातचीत कर मौजूदा तनाव दूर करने का सुझाव दिया। हालांकि, बैठक के बाद पाकिस्तान के आसीम इख्तियार अहमद ने प्रेस कांफ्रेंस करके भारत के खिलाफ खूब भड़ास निकाली है। कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने बैठक में भारत के साथ अभी जो तनावपूर्ण स्थिति है उसके लिए पूरी तरह से भारत को जिम्मेदार ठहराया। यह भी बताया गया कि भारत इस घटना की आड़ में युद्ध भड़काने की तैयारी में है। इस तर्क को कई स्थाई व अस्थाई सदस्यों ने स्वीकार करने से इन्कार कर दिया। कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या के दोषियों को जिम्मेदार ठहराना और उन पर न्यायोचित कार्रवाई करना बेहद जरूरी है। कुछ सदस्यों ने पहलगाम में धार्मिक पहचान के आधार पर हत्या करने पर अपना रोष जताया।

मॉक ड्रिल से पहले ही छूटे पाक के पसीने! आईएसआई हेडक्वार्टर पहुंचे शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खिलाफ भारत निर्णायक कदम उठाने के लिए तैयार है। देशभर में बुधवार को 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। वहीं, युद्ध के डर से पाकिस्तान छटपटा उठा है। पाकिस्तान सेना के हेडक्वार्टर में हलचल तेज है।

भारतीय सेना के खौफ से शहबाज सरकार की नींद उड़ चुकी है। इस्लामाबाद से लेकर कराची तक, पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने मंगलवार को खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के मुख्यालय का दौरा किया। शहबाज सरकार को डर है कि भारत की सेना कभी भी उस पर हमला कर सकती है। बैठक में

उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी उनके साथ मौजूद थे। बयान में कहा गया है, 'इस दौरे में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य की विस्तृत जानकारी दी गई, विशेषकर पूर्वी सीमा पर भारत की आक्रामक और उकसावे वाली गतिविधियों के मद्देनजर पारंपरिक सैन्य खतरे को लेकर तैयारियों पर जोर दिया गया।'

पाकिस्तान की ओर से गीदड़ भभकी दी जा रही है कि भारत के हर हमले का जवाब दिया जाएगा। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पूरी तरह से अलग-थलग पड़ चुका है।

करीब 300 जगहों पर की जाएगी मॉक ड्रिल

बताते चलें कि भारत सरकार ने फैसला किया है कि 7 मई यानी बुधवार को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की जाएगी। युद्ध तथा आपातकाल की स्थिति में इस तरह की ड्रिल की जाती है। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए जाते हैं। ब्लैकआउट प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की ट्रेनिंग दी जाती है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षितिज पर चमकता राजस्थान का सूरज

कुसुम योजना में 1 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का बनाया नया कीर्तिमान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा क्रांति का साक्षी बनता राजस्थान

1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में मिलने लगी बिजली

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। सूरज भले ही हर दिन पूरब से उदित होता हो लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा का सूर्य निश्चित तौर पर देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान में चमक रहा है। सूर्य भगवान की विशेष कृपा से प्रदेश की सुनहरी रेतीली धरती में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिनके दोहन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही निरंतर प्रयासरत हैं। राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से एक बड़ी कामयाबी मिली है तथा राजस्थान ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है जहां इस योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत सौर ऊर्जा उत्पादन 1 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है।

सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की दिशा में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है जिससे आज प्रदेश में 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के तहत ही 560 ग्रिड

कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर 70 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली दी जा रही है। वहीं इस योजना के कम्पोनेंट-बी में लगभग 1 लाख किसानों के कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। राज्य द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुसुम-ए में

▸▸ शेष पृष्ठ 5 पर

हर दिन ग्रिड से जुड़ रहा एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र

पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम तीन सालों में जहां केवल 92 प्लांट ही स्थापित किए जा सके थे। वहीं आज प्रदेश में कम्पोनेंट-सी में लगभग हर दिन औसतन एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रिड से जुड़ रहा है। बीते 6 माह में प्लांटों के क्रियाशील होने की गति में और तेजी आई है। इस अवधि में कम्पोनेंट-ए में 183 मेगावाट क्षमता के 134 तथा कम्पोनेंट-सी में 514 मेगावाट क्षमता के 196 प्लांट स्थापित हुए हैं। यह प्रगति इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि जबसे यह योजना प्रारंभ हुई उसके बाद से ऊर्जा उत्पादन में प्रतिदिन औसतन चार से पांच मेगावाट क्षमता की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो रही है।

प्रदेश में युद्ध जैसी स्थिति से निपटने की व्यापक तैयारी

28 शहरों में मॉक ड्रिल

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। गृह मंत्रालय के निर्देश पर राजस्थान के 28 शहरों में युद्ध जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए 7 मई को मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। जयपुर में इस ड्रिल के दौरान 8 प्रमुख स्थानों पर सायरन बजाए जाएंगे। इसके साथ ही पूरे शहर में ब्लैकआउट का अभ्यास किया जाएगा। जयपुर जिला प्रशासन, सिविल डिफेंस और एनडीआरएफ को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। ड्रिल के दौरान नागरिकों को सिखाया जाएगा कि सायरन सुनने के बाद उन्हें क्या करना है। ब्लैकआउट के समय किसी भी तरह की रोशनी जलाना मना होगा। इसमें घरेलू इनवर्टर, मोबाइल फ्लैशलाइट और मोमबत्ती भी शामिल हैं।

कहां है सायरन

राजभवन, डीएसओ ऑफिस, कलेक्टरेट, शासन सचिवालय, बीएसएनएल ऑफिस, गवर्नमेंट हॉस्टल, चांदपोल, शास्त्री नगर, चौगान स्टेडियम और सांगानेरी गेट पर लगे हुए हैं।

▸▸ शेष पृष्ठ 5 पर

हीट वेव प्रबंधन को लेकर जिला प्रभारी डॉ. खंडेलवाल ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

जागरूक टाइम्स संवाददाता

धौलपुर। प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू तापघात से आमजन के बचाव तथा उपचार की तैयारियों को लेकर जमीनी हाल जानने हेतु निदेशालय जयपुर से जिले के प्रभारी डॉ अनमोल खंडेलवाल सोमवार से धौलपुर दौरे पर है। डॉ. खंडेलवाल ने विगत दो दिन में जिले के करीब एक दर्जन से अधिक चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर लू ताप घात से बचाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा भी उनके साथ रहे। निरीक्षण के क्रम में डॉ. खंडेलवाल ने सोमवार को जिला अस्पताल बाड़ी, सीएचसी सरमथुरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव का निरीक्षण किया। साथ ही मंगलवार को जिला अस्पताल धौलपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनियां, ट्रॉमा सेंटर मनियां, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बदरिका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी चिकित्सा संस्थानों पर हीटवेव से बचाव एवं उपचार की व्यवस्थाओ की समीक्षा की गई। अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, पीने का पानी, वाटर कूलर आदि क्रियाशील मिले। चिकित्सा संस्थानों पर सभी व्यवस्थाएं माकूल पाई गई। लू ताप घात के अतिरिक्त उन्होंने चिकित्सा संस्थानों पर प्रत्येक वार्ड, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष , जांच कक्ष तथा उपलब्ध संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मिल रही सेवाओं को लेकर मरीजों तथा उनके परिजनों से फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पतालों के बायोमेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मौके पर ही चिकित्सा संस्थानों से रोजाना बायोमेडिकल वेस्ट उठाने हेतु बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी के संचालक को दूरभाष पर निर्देश दिए। उन्होंने अस्पतालों के आरएमएस का लेखा-जोखा देखा और आवश्यकता अनुसार मरीज की सुविधा विस्तार हेतु उपयोग के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की शत प्रतिशत उपलब्धता पर जोर देते हुए हीट वेव से बचाव हेतु सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सघन प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने हीट वेव से बचाव के लिए आम जान में सघन प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ धर्म सिंह मीणा ने बताया कि डॉ खंडेलवाल आगामी 10 मई तक जिले के विभिन्न उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पीएचसी का निरीक्षण कर जिला व राज्य स्तर पर अपना फीडबैक देंगे जिसके अनुसार आगामी सुधार के प्रयास किए जाएंगे। डॉ मीणा द्वारा सभी अस्पतालों को राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन अनुसार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हीट वेव प्रबंधन के निर्देश जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चेतराम मीणा सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक आज

धौलपुर। जिला स्तरीय महिला समाधान समिति बैठक का आयोजन किया जाएगा। सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग जय प्रकाश ने बताया कि जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में 7 मई को प्रात: 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अत्यधिक गर्मी व तापमान से मिर्गी के दौरे पड़ सकते हैं : डॉ. सुरेका

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। पिछले 31 वर्षों से प्रतिमाह के पहले मंगलवार को लगने वाला नि:शुल्क मिर्गी निदान शिविर आज रतननगर जिला चुरू में सम्पन्न हुआ। त्रिवेणी देवी सुरेका चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में यह 369वां कैम्प सम्पन्न हुआ। इस कैम्प में 580 मरीजो के इलाज कर पूरे माह की दवाई नि:शुल्क वितरित की गई। कैम्प के मुख्य न्यूरोफिजिशयन डॉ. आर. के. सुरेका ने बताया कि आजकल गर्मी का प्रकोप है एवं वातावरण का तापमान 50ए से ऊपर चला जाता है। ऐसे समय पर मिर्गी रोगी को धूप से एवं अत्यधिक तापमान से बचना चाहिये। यह देखा गया है कि अत्यधिक तापमान व गर्मी से मिर्गी के दौरे पड़ सकते है या अनियंत्रित हो सकते है। कई मरीज अत्यधिक गर्मी को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उनके नियंत्रित दौरे भी दवाईयो के सेवन के साथ भी पड़ सकते है। मरीज को घबराहट एवं पसीने आ सकते है एवं पानी की कमी के कारण मरीज हिट स्ट्रोक से ग्रसित हो सकता है। जिससे उसे दौरे भी पड़ सकते है। इसके बचाव के लिए डॉ. सुरेका ने बताया कि मरीज को इस मौसम में खूब पानी पीना चाहिए एवं गर्मी से बचाव के लिए ठंडे वातावरण में रहना चाहिए एवं बाहर निकलते वक्त पानी पी कर व छाते का इस्तेमाल करना चाहिए। उसे शराब का सेवन, अत्यधिक चाय व कॉफी एवं ज्यादा शक्कर की मिठाईयों का सेवन करके धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। गर्मी के मौसम में मिर्गी रोगियो को सात्विक भोजन करना चाहिए। छाछ, फल आदि का भरपूर प्रयोग करना चाहिए। बच्चो को विशेषकर गर्मी से बचाना चाहिए। जहां तक हो उन्हें गर्मी में बाहर नही भेजना चाहिए। इस कैम्प में डॉ. रोहित सुरेका, डॉ. रक्षित सुरेका, डॉ. जयसिंह, डॉ. सरीन, डॉ. गौरी, ताजू खान आदि ने सहयोग दिया।

संविधान बचाओ रैली को लेकर ग्रामीण क्षेत्र का दौरा

चूरू। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ संविधान बचाओ, रैली 11 मई को सुबह 10बजे जयपुर रोड पर होगी। रैली को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ओर वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। इसी को लेकर आज प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि रफीक मंडेलिया ने रैली को सफल बनाने के लिए गांव पीथींसर, खींवासर, चंदेल नगर जोड़ी, ढाणी, रामपुरा बास सहजूसर आदि में जनसंपर्क कर रैली में आने का आग्रह किया। दौरों में देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, शहर कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, गोविंद महानसरिया, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आडूराम न्यौल, प्यारेलाल दानोदिया, योगेश ढाका, अमित चौधरी, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, युवा नेता रमजान खान, जिला कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष नारायणन बालान, पूर्व सरपंच जंगशेर खान, आरिफ़ पीथीसर, संजय भाटी, पार्षद विमल शर्मा, श्रवण बसेर, किशनाराम बाबल, नुमान सैय्यद, तौफीक खान, शाहरुख खान, अज़ीज़ खान, समीउल्लाह गोरी, हरीराम पुनिया, जाफर खान, नाजम अली खान, आदि साथ थे।

ईमानदारी की मिसाल बनीं आरपीएफ

महिला यात्री को लौटाया 30 हजार रुपए का कीमती सामान

जागरूक टाइम्स संवाददाता

फुलेरा। आरपीएफ की मुस्तैदी एक बार फिर यात्रियों के लिए संबल बनकर सामने आई। जबलपुर से अजमेर जा रही जबलपुर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही महिला यात्री का छूटा हुआ पर्स आरपीएफ टीम ने न सिर्फ बरामद किया, बल्कि सुरक्षित रूप से उन्हें सौंप कर ईमानदारी की मिसाल पेश की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरपीएफ कंट्रोल रूम जयपुर को सूचना मिली कि सवारी गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर एक्सप्रेस की बी-4 कोच की सीट संख्या 43 पर यात्रा कर रही महिला प्रगति यादव जयपुर स्टेशन पर उतरने के दौरान अपना लेडीज पर्स ट्रेन में भूल गई हैं। सूचना मिलते ही फुलेरा आरपीएफ थाने से सब इंस्पेक्टर विक्रम सिंह एवं कांस्टेबल गजन सिंह की टीम ने फुलेरा स्टेशन पर ट्रेन को अटेंड किया। बी-4 कोच की सीट संख्या 43 की जांच करने पर वहां एक लेडीज पर्स बरामद हुआ, जिसे थाना लाया गया। पर्स की जांच में उसमें 25 हजार रुपए नकद, तीन चांदी की चूड़ियां तथा कुछ आवश्यक दस्तावेज पाए गए। उक्त जानकारी कंट्रोल रूम जयपुर और महिला यात्री को दी गई। इसके बाद प्रगति यादव स्वयं आरपीएफ थाना फुलेरा पहुंचीं और पर्स की सही-सलामत पहचान की। महिला यात्री ने बताया कि पर्स में मौजूद कुल संपत्ति लगभग 30 हजार मूल्य की थी। उन्होंने आरपीएफ फुलेरा की तत्परता, ईमानदारी और सजगता की दिल से सराहना की और टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अधिकाधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर जोर

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। सिधमुख श्री चनानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के लिए विद्यालय के शिक्षक घर-घर जाकर दे रहे दस्तक। घर-घर जाकर बच्चों के अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में मिलने वाले लाभ व सुविधाओं की जानकारी देते हुए बालिकाओं की सूचना के साथ नामांकन वृद्धि के लिए विद्यालय क्षेत्र के अन्य गांवों व ढाणियों में भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है विद्यालय संस्था प्रधान ममता वर्मा ने बच्चों के अभिभावकों को विस्तृत जानकारी देकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की बात कहीं। विद्यालय में इतिहास व जीव विज्ञान विषय शुरू हो चुका है। विद्यालय की गठित टीमों ने घर-घर जाकर अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की अपील के साथ नामांकन वृद्धि के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। इस प्रचार प्रसार में जुगला कुमारी, सुनीता, घमा देवी, मुन्नी देवी, सोना कुमारी, कृष्णा कुमारी, सुभाष चन्द्र, पुरुषोत्तम, अरविन्द कुमार, सुरेश कुमार, समर्थ तथा स्कूल के स्टाफ ने नामांकन अभियान में सहयोग किया

नशा मुक्त युवाशक्ति बने देश का भविष्य : ले. कर्नल सुनील कुमार

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। द्वितीय राज. बरालियन एनसीसी के तत्वावधान में चल रहे दूसरे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैम्प कमांडेंट लैफ्टिनेंट कर्नल सुनील कुमार ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कैडेट्स को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट बीएल मेहरा ने नशे के विभिन्न प्रकारों और इसके दुष्प्रभावों से कैडेट्स को अवगत करवाया । उन्होने बताया कि कैडेट्स एनसीसी में सीख लेकर सामाजिक सरोकार के तहत परिवार, मित्र व अपने परिचित आदि को नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करना है। मेहरा ने बताया कि जो व्यक्ति नशा कर रहे है। उनको नशे की लत छुड़वाने में मदद का भी प्रावधान है और सरकार द्वारा राजकीय महाविद्यालयों में नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र के नाम से केन्द्र खोले गए है जो इसे मदद के लिए है। इस अवसर पर सुबेदार मेजर प्रेम तमांग ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट अंजू कुमारी, सीटीओ राजेन्द्र कस्वा, सीटीओ अभिमन्यु सिंह, सीटीओ सुनील काजला, सीटीओ कृष्ण कुमार शर्मा, कमला जाट, सुबेदार रणधीर सिंह, सुबेदार मोहन, सुबेदार अमित, सुबेदार संजीव, एएओ शांतिलाल रक्षक, मुश्ताक, महेन्द्र सिंह व किशनलाल आदि उपस्थित रहे।

कॉलोनीवासियों ने आरओबी निर्माण को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चूरू। पूनिया कॉलोनी मार्ग पर बन रहे निर्माणाधीन आरओबी (रेल ओवर ब्रिज) को लेकर रविवार को पूनिया कॉलोनी, शर्मा कॉलोनी, गांधीनगर कॉलोनी आदि क्षेत्रों के सैंकड़ों निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आरओबी निर्माण के चलते कॉलोनियों में आने-जाने के सभी रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे स्थानीय निवासी राजपाल दहिया ने बताया कि पिछले दस दिनों से कॉलोनीवासियों को सड़क मार्ग पूरी तरह बंद होने से दुपहिया और चौपहिया वाहनों की आवाजाही में कठिनाई हो रही है। स्कूल बस, एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाएं भी बंद रास्तों के कारण कॉलोनी में नहीं पहुंच पा रही हैं। निर्माणाधीन मकानों के लिए सामग्री की ढुलाई में दिक्कत आ रही है और स्थानीय व्यापारियों व उद्योग संचालकों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी नागरिकों की मांग है कि आरओबी के दोनों ओर कम से कम 16-16 फीट चौड़े रास्ते छोड़े जाएं ताकि कॉलोनियों की आवाजाही बहाल की जा सके। हालांकि निर्माण एजेंसी का कहना है कि कार्य स्वीकृत नक्शे के अनुसार ही किया जा रहा है, जिसमें 60 फीट चौड़े मार्ग में से 28 फीट क्षेत्र में आरओबी बन रहा है। नक्शे में कहीं 12 फीट तो कहीं 7-8 फीट के रास्ते ही दिखाए गए हैं, जिससे नाराज कॉलोनीवासियों ने विरोध दर्ज कराया। मौके पर पहुंचे विधायक हरलाल सहारण ने स्थिति का जायज़ा लिया और एसडीएम बिजेन्द्र सिंह व पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉलोनियों की ओर जाने वाले रास्तों को सुचारू रखने के लिए दोनों ओर कम से कम 16 फीट के मार्ग सुनिश्चित किए जाएं। विधायक ने कहा कि आमजन की सुविधा सर्वोपरि है और निर्माण एजेंसी को जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए। विधायक के आश्वासन के बाद कॉलोनीवासियों ने प्रदर्शन को फिलहाल स्थगित कर दिया।

प्रवेशोत्सव नामांकन वृद्धि अभियान में शिक्षकों का घर-घर संपर्क

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। राजगढ़ क्षेत्र के शहीद हरफूल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जसवंतपुरा के प्राचार्य सुनिता भार्गव के नेतृत्व व अगुवाई में विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा दल बनाकर विद्यालय में प्रवेश के लिए नियमित घर घर संपर्क किया जा रहा है प्राचार्य सुनिता भार्गव ने बताया कि गांव व ढाणियों में विद्यालय कार्मिकों के दल बनाकर संपर्क किया जा रहा है। वहीं विद्यालय में विद्यार्थियों को सरकार द्वारा मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के साथ शिक्षक गुणवत्ता के बारे में अवगत करवाया जा रहा है। पीईईओ अधीन विद्यालय जनाऊ मिट्ठी व खाती बास के विद्यालयों में भी नामांकन वृद्धि के लिए अभिभावकों को प्रोत्साहित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

गांव भाकरा में ग्रामीणों ने एसडीएम व तहसीलदार को ज्ञापन दिया

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। राजगढ़ उपखण्ड कार्यालय में गांव भाकरां के ग्रामीण ने गोचर भूमि पर हो रहे अतिक्रमण व पेड़ों की कटाई को लेकर मंगलवार को ग्रामीण जन उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार से मिले। ग्रामीण जनों ने कहा कि गोचर भूमि का सीमांकन व पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोका जायें। ग्रामीणजनों तहसीलदार के सामने कहा कि जितने भी पेड़ों की कटाई हुए हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम पर जो अभियान की शुरुआत की है उसी ही तर्ज पर भाकरा ग्रामीण जन पौधारोपण करेंगे। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश खिचड़, भाजपा किसान मोर्चा जिला महामंत्री कृष्ण भाकर, सरपंच राधा बड़ी रामनिवास मितड़, पूर्व सरपंच रतन सिंह मितड़, सुबेदार गोपीराम मितड़, साधुराम नागर, मनीराम सांगवान, एडवोकेट विजय मितड़ ,नेतराम भाकर,कृष्ण कुमार भाकर, सुरेन्द्र भाकर, ओमप्रकाश भाकर, अनिल झूरिया, धर्मबीर कादियान सहित ग्रामीण जन मौजूद रहे।

तारानगर में कम्प्यूटर कर्मचारी संघ ने विकास अधिकारी को ज्ञापन दिया

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। तारानगर में पंचायती राज विभाग में आईटी संवर्ग के पद सृजन को लेकर तारानगर के कम्प्यूटर कर्मचारी संघ ने विकास अधिकारी विनोद कुमार धायल को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से संघ के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ द्वारा पंचायती राज विभाग में ई-गवर्नेन्स/सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की कार्यात्मक औचित्य आधारित तत्थ्यात्मक रिपोर्ट तैयार की है। इन विभागों में ई-गवर्नेन्स आधारित कार्यो के बेहतर संचालन हेतु आईटी संवर्ग के पदों के सृजन की नितान्त आवश्यकता है। पंचायतीराज विभाग में जिला परिषद से लेकर पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत तक संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रक्रिया में सूचना प्रौद्योगिकी का बहुलता से प्रयोग किया जा रहा है। डिजिटलाईजेशन तथा आई.टी. से संबंधित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रगति में आ रही समस्याओं हेतु तकनीकी कार्मिकों की अत्यन्त कमी के कारण उक्त कार्य को करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर आवश्यक आई.टी. सपोर्ट के लिये आई.टी. कैडर के अधिकारी एवं कार्मिकों के पदों का सृजन नितान्त आवश्यक है। डिजीटल राजस्थान के लक्ष्य को धरातल पर प्राप्त करने के लिये राजस्थान की प्रत्येक ग्राम पंचायत पर एक आई.टी. कार्मिक यथा सूचना सहायक/सहायक प्रोग्रामर का पद सृजित किया जाना प्रस्तावित है तथा उसी अनुपात में पंचायत समिति, जिला परिषद् एवं मुख्यालय तक नवीन आई.टी. केडर सृजित किया जाना प्रस्तावित है। ज्ञापन देने वालों में महेन्द्र प्रजापत, हरफुल, तरुण, राकेश, धर्मपाल सहित कंप्यूटर कर्मचारी संघ के लोग मौजूद थे।

श्री पंचमुखी बालाजी धाम गौशाला में चारा रखने के लिए गोदाम का भूमि पूजन का कार्य संपन्न

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। तारानगर रोड पर स्थित श्री पंचमुखी बालाजी धाम गौशाला में चारा रखने के लिए गोदाम निर्माण का कार्य आरंभ कर दिया गया है जिसके लिए भूमि पूजन का कार्य तो संपन्न हो गया है। अब जैसे-जैसे जन सहयोग मिलेगा वैसे-वैसे निर्माण काम चलता रहेगा। यहां के पंडित विमल कांत शास्त्री ने पूजन अनुष्ठान के साथ शिलान्यास करवाया। गौशाला संचालक एवं पंचमुखी बालाजी धाम मंदिर पुजारी महंत गिरवर सिंह ने आवश्यक रस्में सम्पन्न करवाई। उन्होंने यही विश्वास व्यक्त किया कि असहाय गौ माता की सेवार्थ लोगों का यथोचित सहयोग मिलेगा और चारा गोदाम का निर्माण पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि चारा तो काफी मिल जाता है मगर उसके रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश व आंधी में कुछ चारा खराब भी हो जाता है इसलिए सभी बातों को मध्य नजर रखते हुए गोदाम निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस शुभ मौके पर फरीदाबाद रहने वाले राजगढ़ के एक सेवाभावी द्वारा दुर्घटनाग्रस्त बीमार गायों की दवाओं के लिए 6000-00 रुपए प्रदान किए हैं। इसी प्रकार राजगढ़ की ही श्रीमती माया यादव ने 2100-00 बैंक खाते में भिजवाए हैं। राजगढ़ निवासी श्री अशोक-प्रभा श्यामसुखा द्वारा भी 1100-00 रुपए भेंट किए गए हैं। टिकमाणी संस्कृत पाठशाला के पास रहने वाले दिनेश सैनी ने अपनी माताजी मंजूदेवी (धर्मपत्नी नन्दलाल सैनी की चौथी पुण्यतिथि (4 मई) पर 1100-00 गौशाला के लिए भिजवाए हैं। इन सभी सहयोगी जनों का आभार धन्यवाद के साथ यह विश्वास है कि जन सहयोग से प्रस्तावित 80 बाई 40 फुट का 20-22 फूट ऊंचा चारा गोदाम भी शीघ्र निर्मित हो जाएगा।

विद्युत संबधित समस्याओं के लिए जन-सुनवाई आज

झुंझुनूं। जिले के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबधित समस्याओं व शिकायतों (विद्युत सप्लाई, विद्युत कनेक्शन, विद्युत मीटर, विद्युत बिल में त्रुटि सुधार, विद्युत ट्रांसफार्मर व लाईन, गलत वीसीआर से सम्बन्धी) के समाधान के लिए जन-सुनवाई का आयोजन किया जायेगा।

अग्रवाल समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारी को लेकर हुई सभा

जागरुक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। श्री अग्रसेन महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 वां अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 जून को अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में आयोजित होगा। इस विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक ट्रस्ट कार्यालय देश भूषण धर्मशाला में हुई।

बैठक में काफी संख्या में समाज की महिला व युवा संगठनों के पदाधिकारी जुटे और आयोजन को सफल कैसे बनाया जाए, इस पर चर्चा की।,

ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन लश्करी व महासचिव गिरजा शंकर तुरकाशवाला ने बताया कि अब तक पांच जोड़ों का पंजीयन हो चुका है स करीब 8 से 10 जोड़ों के पंजीयन प्रगति पर चल रहे हैं। बैठक में अरविंद अग्रवाल 'सुरेश ग्रुप', गिरधारी लाल कागदी, लालचंद मावा वाले, गोपाल कृष्ण सीपरिया,, राजेंद्र कुमार नारनोली, रेखा लोडका, दीपिका जैन तुरकाशवाला व दीपक गुप्ता आदि सम्मिलित हुए स मुख्य संयोजक सतीश कुमार मजूमवाले ने बताया कि उपस्थितजनों ने सम्मेलन की सफलता के लिए अपने सुझाव दिए स सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' के साथ साथ दहेज उन्मूलन को भी बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज से दोपहर में भगवान सूर्य की साक्षी में संपादित कराए जाएंगे।

अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे : बागडे

राज्यपाल बागडे ने ली कोटपूतली-बहरोड़ जिले की विभागीय समीक्षा बैठक

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ें।

बागडे मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस नीमराना में कोटपूतली-बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की

समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। बागडे ने मनरेगा के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाते हुए सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता से कार्य करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन, जोहड़ आदि का निर्माण करते हुए विकास को गति देने को कहा। उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक घर तक नल द्वारा जल पहुंचाने, कम भू- जल स्तर वाले क्षेत्रों में पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने सहित पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। बागडे ने कृषि अधिकारी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभों के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए स्वयं किसानों द्वारा मृदा की जांच करवाने हेतु लैब में सैंपल भिजवाने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनन विभाग, उद्योग विभाग सहित डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ कार्य करने को कहा। बैठक के दौरान जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी प्रदान की।

त्रिलोकानी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, विधायक बालमुकुन्दाचार्य एवं भाजपा नेता रवि नैय्यर ने सिंधी समाज के समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में जलमहल मंडल अध्यक्ष अमित पारीक, भाजपा उपाध्यक्ष करन अलवानी, बूथ अध्यक्ष सुरेश मीण शेट्टी आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

लू-तापघात प्रबंधन के लिए आरएमएससीएल का सघन निरीक्षण अभियान, दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन

हर जिले में दवा आपूर्ति एवं उपकरणों की क्रियाशीलता का होगा निरीक्षण

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर । राज्य में लू-तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में लू-तापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।

इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू-तापघात से बचाव एवं उपचार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे। इसके लिए दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निरीक्षण कर जिले में औषधियों, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर 30 मई, 2025 तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगी। समस्त टीमों द्वारा न्यूनतम एक भण्डार गृह, एक जिला चिकित्सालय एवं एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया जाएगा। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आवंटित जिलों में न्यूनतम 2 दिवस तक गहन परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण में सम्भाग स्तर पर कार्यरत बायोमेडिकल इंजीनियर, संबंधित प्रभारी अधिकारी एवं फार्मासिस्ट भी सहयोग प्रदान करेंगे।

स्थानान्तरण बैन अवधि में एपीओ और अन्य तकनीक से रिक्त पद पर लगाने पर होगी कार्रवाई

जयपुर। राज्य सरकार के कार्मिकों के स्थानान्तरण पर 15 जनवरी,2023 से पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस सम्बंध में प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की शासन सचिव उर्मिला राजोरिया ने बताया कि इस सम्बंध में स्पष्ट किया जाता है कि स्थानान्तरण प्रतिबंध अवधि में कार्मिकों को आदेशों की प्रतीक्षा (ए.पी.ओं.) अथवा अन्य माध्यम से इच्छित जगह रिक्त पद पर पदस्थापन आदेश जारी करने को राज्य सरकार के आदेश की अवज्ञा समझा जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई होगी।

जेडीए ने दो स्थानों पर सैट बैक में अवैध निर्माण करने पर किया सील

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-09 में सैण्ट्रल स्पाईन, जगतपुरा के भूखण्ड संख्या 33 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। साथ ही श्रीनाथ नगर के भूखण्ड संख्या 13 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सैण्ट्रल स्पाईन,जगतपुरा के भूखण्ड संख्या 33 में

सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बेसमेन्ट 3 मंजिला 2 अवैध बिल्डिंग का निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर 6 मई को उक्त व्यवसायिक अवैध बिल्डिंग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से शटर पर ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जेडीए द्वारा जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित श्रीनाथ नगर के भूखण्ड संख्या 13 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज दिनांक 06.05.2025 को उक्त व्यवसायिक अवैध निर्माण के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईटों की दीवारों से चुनवाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-09 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

4 केन्टर सामान किया जब्त

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अर्जुन फाटक के पास, लता सर्किल से कांटा चौराहा, कल्याण कुन्ज खिरणी फाटक रोड, प्रताप डेयरी, निवारू रोड, मुरलीपुरा 1 नं. के पास अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 4 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में अर्जुन फाटक के पास, लता सर्किल से कांटा चौराहा, कल्याण कुन्ज खिरणी फाटक रोड, प्रताप डेयरी, निवारू रोड, मुरलीपुरा 1 नं. के पास तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया। दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

एसएमएस हॉस्पिटल अधीक्षक ने वीआरएस के लिए लिखा पत्र

निजी कारणों का दिया हवाला, नए अधीक्षक के नाम की चर्चा शुरू

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने वॉलंटरी रिटायरमेंट (वीआरएस) के लिए पत्र लिखा है। 6 0 साल की सर्विस के बाद डॉ. भाटी ने एसएमएस प्रिसिंपल को पत्र लिखकर अब आगे सर्विस जारी नहीं रखने की इच्छा जताई है। उन्होंने इसके पीछे निजी कारण का हवाला दिया है।

करीब एक साल पहले मई में ही सरकार ने डॉ. भाटी को हॉस्पिटल में कार्यवाहक अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया था। इस बीच कई बार अव्यवस्थाओं को लेकर डॉ. भाटी चर्चा में रहे। पिछले दिनों जनरल सर्जरी वार्ड में हुई छत गिरने की घटना के बाद से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली से काफी नाखुश दिखे थे। उनके दखल के बाद इस प्रकरण में सरकार के स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इससे पहले भी मुख्यमंत्री हॉस्पिटल की अव्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जता चुके हैं।

भाटी बोले, 6 0 साल हो गए अब रिटायरमेंट का समय: इस मामले पर डॉक्टर भाटी का कहना है कि जब वे सर्विस पर लगे थे तक नियम 6 0 साल की उम्र तक नौकरी का था। मेरी उम्र 6 0 साल हो गई और अब समय आ गया है रिटायरमेंट का। भले ही सरकार ने डॉक्टरों के रिटायरमेंट की उम्र को 6 5 साल कर दिया हो।

डॉक्टर अग्रवाल के अधीक्षक बनने की चर्चाएं: डॉ. भाटी का अगर वीआरएस पत्र सरकार स्वीकार करती तो अगला अधीक्षक कौन होगा, इसको लेकर अभी से चर्चा तेज हो गई। हालांकि सरकार ने इस पद पर इंटरव्यू के लिए करीब 7 माह पहले आवेदन पत्र भी ले लिए है, लेकिन अब तक इंटरव्यू नहीं करवाए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के गलियारों में चर्चा है कि न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. मनीष अग्रवाल को अधीक्षक पद का चार्ज दिया जा सकता है। इससे पहले जब डॉ. भाटी एक माह की छुट्टियों पर गए थे, तब डॉ. अग्रवाल को भी अधीक्षक का अतिरिक्त चार्ज सौंपा गया था।

अलवर-अजमेर के बाद अब जयपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा में चूक !

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के जेलों की सुरक्षा में सेंध में मामले लगातार हैरान कर रहे हैं। अलवर और अजमेर के बाद अब जयपुर की सेंट्रल जेल में मोबाइल फोन मिलने से हड़कंप मच गया है। यह जेल राजस्थान की सबसे सुरक्षित जेलों में से एक मानी जाती है। जेल में मोबाइल के साथ चार्जिंग केबल, चार्जर और ईयर फोन भी मिले हैं। इन सभी चीजों को जब्त कर लिया गया है। जेल प्रशासन ने इस मामले में जयपुर के लालकोठी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लालकोठी थाने में दर्ज कराया केस

पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद लालकोठी थाने में जेल प्रहरी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज हुआ है। थानाधिकारी बन्नालाल ने बताया कि जेल प्रहरी की रिपोर्ट पर प्रिजनर्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। एएसआई सूरजमल इस मामले की जांच कर रहे है। थानाधिकारी बन्नालाल के अनुसार, जेल प्रहरी राजवीर सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 5 मई की रात को गश्त के दौरान मोबाइल, चार्जर, चार्जिंग केबल और ईयर फोन मिले हैं। इन सभी चीजों को जब्त कर लिया गया।

जेल की सुरक्षा पर उठे सवाल

राजवीर सिंह ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जेल कर्मचारियों को गश्त के दौरान चार सफेद रंग की डाटा केबल, एक काले रंग की डाटा केबल, दो ईयर फोन, तीन सफेद रंग के चार्जर और एक मोबाइल (बैटरी के साथ) मिला है। उन्होंने बताया कि इन सभी चीजों को कब्जे में ले लिया गया है। जेल में मोबाइल फोन मिलने से एक बार फिर जेल की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं।

खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन शुरु : टी.रविकान्त

राज्य के 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंसधारक होंगे लाभान्वित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर । राज्य के खान विभाग ने खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं के ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। प्रमुख सचिव माइन्स, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी.रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार ने माइनिंग सेक्टर में सरलीकरण और पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए पिछले दिनों एक मई से माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन का निर्णय किया था।

उन्होंने बताया कि ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है और जयपुर, ब्यावर, सिरोही, बारां, बांसवाड़ा, और चुरु में लाइमस्टोन बर्निंग, मेसेनरी स्टोन, ग्रेनाइट, लाइमस्टोन क्रशर और क्वार्टज-फेल्सपार के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाएं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की गई है। टी. रविकान्त ने बताया कि नई व्यवस्था से करीब 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंसधारक लाभान्वित हो सकेंगे।

अब उन्हें योजनाओं के अनुमोदन के लिए खनिज विभाग के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

अप्रधान खनिजों के माइनिंग लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को माइनिंग प्लान व माइनिंग स्कीम का अनुमोदन करवाना होता है। नियमानुसार विभाग द्वारा 90 दिवस में अनुमोदन की कार्रवाई पूरी करनी होती है पर अनुमोदन में इससे अधिक समय भी लग जाता है। निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि लीजधारक द्वारा माइनिंग प्लान व माइनिंग योजना के अनुमोदन के लिए ऑनलाईन आवेदन किया जाएगा। अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाईन होने से कार्य में पारदर्शिता, समयवद्धता के साथ ही लीजधारक के समय की बचत व अनावश्यक असुविधा से राहत मिल सकेगी। ऑनलाईन व्यवस्था होने से लीजधारक अनुमोदन प्रक्रिया की प्रगति से भी अवगत हो सकेंगे और तय समयसीमा में ही अनुमोदन कार्रवाई पूरी हो सकेगी। अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस व प्रभारी पीआर आमेटा ने बताया कि एसीपी जयेश द्वारा विभाग के सभी फील्ड अधिकारियों को पूरी प्रक्रिया के संबंध में वर्चुअली प्रशिक्षण दिया गया है। माइनिंग इंजीनियर मनीष वर्मा द्वारा अधिकारियों को और अधिक जानकारी दी जाएगी ताकि कि ऑनलाईन आवेदन से लेकर अनुमोदन तक का कार्य सुव्यवस्थित तरीके से निष्पादित कर सके।

जागरूक टाइम्स
संपर्क करें
विज्ञापन देने के लिए
+91-9819170710
+91-9587022840
+91-8696111716
प्रति के लिए
9057203837
कार्यालय :- 0141-2743001
Email :- jtjaipur@gmail.com

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बाली (राज.)

निविदा सूचना संख्या: 02 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। अन्य विभागों में पंजीकृत केवल 'ए' एवं 'एए' श्रेणी संवेदक ही निविदा में भाग लेने के पात्र होंगें।

निविदा के NIB Code है :- **PWD2526A0274**
निविदा के UBN No. है :-
UBN NO-
1- **PWD2526WSOB00850**

(सवाईसिंह राठौड़)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि., खण्ड-बाली

DIPR/C/5869/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड फालना

Email : eephedfalna@yahoo.com Ph:-02938-233684

-: ई-निविदा सूचना 13-14/2025-26 :-

राजस्थान के सरकार के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 09.05.2025 को मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक ऑनलाईन बेची जाकर, उसी दिनांक को मध्यान्ह पश्चात् 2.00 तक ऑनलाईन प्राप्त की जाकर उसी दिन मध्यान्ह पश्चात 3.30 बजे तक उपस्थित ठेकेदारो या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाईन खोली जाने की कार्यवाही की जायेगी। धरोहर राशि फालना में देय किसी भी बैंक के Demand Draft/ ई-ग्रास चालान के रूप में स्वीकार्य होगी। उक्त निविदा की नियम व शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

शर्त- 1.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास होगा।
2. निविदा बेचने एवं प्राप्ति के दिन राजकीय अवकाश होगा तो निविदा दूसरे दिन बेची व प्राप्त की जायेगी।

NIT No.	UBN No.	NIT No.	UBN No.
13	PHE2526WSOB01651	14	PHE2526WSOB01652

(महेन्द्र सिंह राठौड़)
अधिशाषी अभियंता
जन.स्वा.अभि. विभाग, खण्ड-फालना

DIPR/C/5820/2025

रास्ता खोलो अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक में 50-50 रास्ते एक माह में खुलवाने का दिया लक्ष्य

जागरुक टाइम्स संवाददाता

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले में संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कराने एवं विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि नियमित रूप से कार्यालय में आमजन की परिवेदनाओं को सुने। साथ ही जनसुनवाई एवं विभिन्न माध्यमों से आने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सुचारू पेयजल आपूर्ति कराने के निर्देश दिये।

रास्ते खुलवाकर ग्रामीणों को राहत पहुंचाए : जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्र में बाधित रास्तों को समन्वय स्थापित कर आमजन की सहमति से खुलवाना सुनिश्चित करें। रास्ते खुलने से आवागमन सुगम होने के साथ कृषि आदि कार्य में भी सहूलियत होगी। उन्होंने तहसीलवार एक माह में 50-50 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य देकर विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन रास्तों में ग्रेवल सड़क की आवश्यकता है वहां ग्रेवल सडक बनाने के प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं।

पीएम सूर्यघर योजना पर करें विशेष फोकस : उन्होंने विद्युत विभाग की समीक्षा कर अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि उपखण्ड अधिकारी से समन्वय स्थापित कर जिले में ब्लॉकवार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के शिविर आयोजित करें। इस योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी, घर के जीरो बिल होने तथा अतिरिक्त विद्युत उत्पादन से अतिरिक्त आय होने के लाभ के बारे में आमजन में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करावे। इस योजना के क्रियान्वयन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लें।

50 और आंगनबाडी बनेगी चाइल्ड फ्रेंडली : जिला कलक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक को निर्देश दिये कि उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय कर सरकारी व सीएसआर मद से प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 आंगनबाडी चिन्हित कर चाइल्ड फ्रेंडली आंगनबाडी के रूप में विकसित करावे। इन आंगनबाडियों की मरम्मत, चाइल्ड फ्रेंडली रंगरोगन व फर्नीचर की व्यवस्था कराने के साथ यह सुनिश्चित करें कि इनमें अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं अच्छी गुणवत्ता की रहे।

मनरेगा व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन के कार्यों में लाए प्रगति : उन्होंने जिला परिषद के सीईओ को निर्देशित किया कि मानसून से पूर्व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना व मनरेगा योजना में स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करावे। साथ ही उन्होंने एमजेएसए के प्रगतिरत कार्यों में आगामी दस दिवस में 50 फीसदी प्रगति लाने के निर्देश दिये तथा इसी प्रकार मनरेगा योजना में प्रगतिरत कार्यों को 25 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा पूर्ण कार्यों को जेएसजेबी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में संचालित मेवात विकास योजना एवं सांसद व विधायक निधि कोष के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति आदि कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराकर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे। उन्होंने हीट स्ट्रोक की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आपदा प्रबंधन विभाग की गाइड लाइन के अनुरूप पुख्ता तैयारियां रखे। उन्होंने ई-विद्या अभियान के तहत जिले के सरकारी स्कूलों में बनाई जा रही ई-लाइब्रेरी की समीक्षा कर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शेष रही ई-लाइब्रेरियों को भी समयबद्ध रूप से पूर्ण करावे। उन्होंने ऑनलाइन म्यूटेशन, ई-फाइल व भूमि आवंटन आदि के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जालिमपुरा ग्राम को यथावत भीमसर पंचायत में रखने के लिए सौंपा ज्ञापन

जागरुक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन, पुनर्सीमांकन, नवसृजन में मंडावा पंचायत समिति के भीमसर पंचायत के राजस्व ग्राम जालिमपुरा उर्फ ढाणी चारण को भीमसर से हटाकर शेखसर ग्राम पंचायत में जोड़ने का जालिमपुरा ग्रामवासियों ने कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन कर जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। वकील विजयहिंद जालिमपुरा ने बताया कि यह निर्णय जनभावना के विरुद्ध, मूलभूत सुविधाओं का असंतुलन, अन्यायपूर्ण और प्रगति बाधक है। जिसका हम समस्त ग्रामवासी भर्त्सना करते हैं और पुरजोर विरोध करते हैं। इससे हमारी आर्थिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, शिक्षा, चिकित्सा और सुरक्षा की सेवाएं और अधिकार बाधित हुए हैं और हमारी भावी पीढ़ी पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही गांव की विघटन की संभावना है जो कि हमें कतई स्वीकार नहीं है। जिसके फलस्वरूप ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पर विरोध दर्ज करवाते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर पूर्व की यथावत स्थिति बनाए रखने की अपील की है।

न्यूज़ ब्रीफ

जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने ली बैठक

रास्ता खोलो अभियान की प्रगति जांची

जागरुक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जिले के सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलक्टर ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे महत्वपूर्ण अभियान 'रास्ता खोलो अभियान' की प्रगति जांची। जिला कलक्टर मीणा ने जिले में अनुपयोगी भवनों की भी जानकारी लेते हुए इनके जीर्णोद्धार व सदुपयोग की बात कही। कलक्टर मीणा ने स्थानीय निकाय तथा पंचायत परिसीमन के भी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में एसपी शरद चौधरी, एडीएम अजय कुमार आर्य, एसडीएम हवाई सिंह यादव, तहसीलदार महेंद्र मूंड समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्श समिति की तिमाही बैठक आज

जागरुक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। जिला स्तरीय समीक्षा एवं परामर्श समिति झुंझुनूं की तिमाही बैठक 7 मई को प्रातः 11:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। अग्रणी जिला प्रबन्धक गोपाल प्रसाद ने बताया कि समीक्षा बैठक में वार्षिक साख योजना 2024-25 के आधारभूत आंकड़ो की समीक्षा, प्रगति रिपोर्ट एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक साख योजना के बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में वार्षिक साख योजना 2024-25 के अंतर्गत क्षेत्रानुसार प्रगति की समीक्षा एवं वार्षिक साख योजना के अनुसार लक्ष्य प्राप्ति, 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही पर जिले में कार्यरत समस्त बैंकों के ऋण जमा अनुपात, भारत सरकार एंव राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रायोजित ऋण योजनाओं की समीक्षा, जन सुरक्षा योजनाएँ PMJJBY एवं PMSBY योजनाओं, द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये नाबार्ड द्वारा प्रस्तावित प्री-PLP योजना सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन सख्त, पांचवें दिन भी कार्रवाई जारी

जागरुक टाइम्स संवाददाता

कुचामनसिटी। शहर में अतिक्रमण पर लगाम लगाने के लिए नगर परिषद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार पांचवे दिन भी अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। शहर में कई स्थानों पर ठेले रास्तों पर खड़े रहते हैं, जिससे आमजन को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, विशेषकर बड़े वाहनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न होती है। इसी समस्या को देखते हुए आज नगर परिषद आयुक्त देवीलाल चौधरी के निर्देश पर नगर परिषद एएसआई राजेंद्र गोयर के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान में नगर परिषद एएसआई राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में जमादार रमेश, जमादार गोविंद, अनिल, विकास, विक्रम, अजय, मुंशी राम, बंटी, रविंद्र, रवि आदि कर्मचारियों ने भाग लिया। टीम ने शहर के मुख्य रोड, पुराना बस स्टैंड, सदर बाजार, गोल प्याऊ ,पार्क के पीछे, आथुरणा दरवाजा और बालाजी बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया। सब्जी मण्डी में फल-सब्जी विक्रेताओं और अन्य अस्थायी दुकानदारों को समझाइश दी गई, चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण रहा तो सामान जब्त कर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर परिषद की टीम के साथ पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे, ताकि पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की जा सके और किसी प्रकार की अव्यवस्था या हिंसा की आशंका को रोका जा सके। नगर परिषद आयुक्त देवीलाल चौधरी ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों के बाहर रखा सामान स्वयं हटा लें और शहर में अतिक्रमण न करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोनिका दड़िया को पीएचडी की उपाधि

जागरुक टाइम्स संवाददाता

सूरजगढ़। स्थानीय टैगोर पब्लिक स्कूल की अकेडमिक कोर्डिनेटर मोनिका दड़िया को यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। मोनिका ने अपना शोध कार्य अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. स्नेहलता ढाका के मार्गदर्शन में किया। जिसका शीर्षक कम्युनल एंड ह्युमनिटेरियन इशुज इन सेलेक्टेड पार्टिशन फिक्शंस एंड फिल्म्स था। मोनिका ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने स्वर्गीय ससुर कैप्टन सुमेरसिंह भालोठिया, पति राकेश भालोठिया, पिता महावीरसिंह दड़िया एवं डॉ. कुलदीप ढाका के मार्गदर्शन को दिया है। टैगोर ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुरेंद्र अहलावत ने मोनिका की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई है।

चिड़ावा एडीजे कोर्ट में मनोज बजाज बने लोक अभियोजक

जागरुक टाइम्स संवाददाता

चिड़ावा। राज्य सरकार ने चिड़ावा के एडीजे कोर्ट में अधिवक्ता मनोज बजाज को लोक अभियोजक (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) नियुक्त कर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस नियुक्ति के साथ ही मनोज बजाज को सरकारी पक्ष की पैरवी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोज बजाज लंबे समय से विधि क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और उनकी निष्ठा, कानूनी ज्ञान और समर्पण ने उन्हें इस प्रतिष्ठित पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाया। उनकी नियुक्ति को लेकर चिड़ावा और सूरजगढ़ क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। लोक अभियोजक के रूप में नियुक्ति के बाद मनोज बजाज ने कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाऊंगा। मनोज बजाज की इस उपलब्धि पर स्थानीय वकील समुदाय, सामाजिक संगठनों, परिवारजनों और मित्र चिड़ावा बार अध्यक्ष एडवोकेट शीशराम बोला, भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, समाजसेवी ललित भगोरिया, सांवरमल बिजनेवाला, पंकज शर्मा, सोनू छापड़िया, बुधराम छापड़िया, पूर्व पार्षद योगेश सोनी, सुरेश छापड़िया, नरेश विष्णु दत्त शर्मा, विमल छापड़िया, पिंटू छापड़िया, एडवोकेट प्रभुदयाल वर्मा, एडवोकेट रमेश डैला, एडवोकेट मुकेश अरडावतिया ने बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं।

झेरली स्कूल में होगा कक्षा-कक्षों का निर्माण, स्टाफ ने दी एक लाख रूपए की सहायता

जागरुक टाइम्स संवाददाता

पिलानी। झेरली गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जल्द ही दो नए कक्षा कक्षों का निर्माण होगा। इसके लिए स्टाफ के सदस्यों ने मिलकर एक लाख रूपए की सहायता सबसे पहले एसडीएमसी में दी है। इसके बाद शेष राशि ग्रामीणों के सहयोग से इकट्ठा की जाएगी। संस्था प्रधान सुशीला शर्मा ने बताया कि स्कूल में कक्षा कक्षों की महत्ती आवश्यकता है। वाइस प्रिंसिपल मैना द्वारा सभी स्टाफ सदस्यों से एकत्रित एक लाख की राशि का चैक संस्था प्रधानाचार्य सुशीला शर्मा को दिया। शेष राशि ग्रामीणों के सहयोग से इकट्ठा की जाएगी। संस्था प्रधान सुशीला शर्मा ने बताया कि इससे पहले भी कई बार ग्रामीणों और स्टाफ सदस्यों ने स्कूल की भौतिक सुख-सुविधाओं के विस्तार में अपना आर्थिक सहयोग दिया है। इस मौके पर संस्था प्रधान सुशीला शर्मा ने सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा इस कार्य के लिए किए गए सहयोग का आभार जताया गया है। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल मैना, संजीव कुमार, मंजू झाझड़िया, अशोक सैनी, अमरसिंह, इंदिरा, सुनिल शर्मा, सुमन जांगिड़, प्रकाश नेहल, विजयश्री, शकुंतला, अनुसुईया, मांगेलाल, पूनम, सुनिता शर्मा, प्रदीप सैनी, कविता, करणीसिंह व रवि शर्मा आदि मौजूद थे।

टू-व्हीलर से नहीं जा सकेंगे पांडूपोल मंदिर

रणथंभौर में टाइगर उठा ले गया था बच्चे को, उसके बाद लगी पाबंदी

जागरुक टाइम्स संवाददाता

अलवर। सरिस्का के जंगल में स्थित पांडूपोल मंदिर में अब मंगलवार और शनिवार के दिन टू व्हीलर से नहीं जा सकेंगे। यदि मंगलवार के दिन आप भी बाइक से पांडूपोल मंदिर जाने की सोच रहे हैं तो रुक जाइए। दुपहिया वाहनों को पांडूपोल जाने वाले मुख्य सदर गेट से आगे नहीं दिया जा रहा। इससे आगे टू व्हीलर से जाने पर पाबंदी लगा दी है। यह पाबंदी रणथम्भौर में टाइगर द्वारा एक बालक को उठाकर ले जाने के बाद की है। पिछले मंगलवार से ही सरिस्का में रोक लगा दी थी। अभी यह अस्थाई तौर पर किया गया है। सरिस्का डीएफओ अभिमन्यु साहरण ने बताया कि मंगलवार को सदर गेट से करबी 200 बाइक व टहला गेट से करीब 100 बाइक पांडूपोल मंदिर पहुंचती थी। अब बाइक अंदर नहीं जा रही। आने वाले भक्तों के लिए रोडवेज बस का इंतजाम किया गया है। बस का सदर गेट से निकलने का समय सुबह 11 बजे हैं। इसी तरह टहला गेट से भी बस लगाई है ताकि भक्तों को मंदिर लाया ले जाया जा सकें। सरिस्का के अंदर बसे गांव वालों को आने-जाने की छूट रहेगी। असल में अंदर बसे ग्रामीणों को सरिस्का प्रशासन पहचानता है। इस कारण उनके आने जाने पर रोक नहीं है। लेकिन बाहर से आने वालों को रोका गया है। असल में प्रशासन का मानना है कि बाहर से आने वालों को जंगल के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। इस कारण उनके साथ कोई भी घटना हो सकता डर रहता है। लेकिन जंगल में रहने वाले लोग तो सब जानते हैं।

गिरिजा व्यास को श्रद्धांजलि अर्पित

झुंझुनूं। हमीरी रोड स्थित पुजारी फार्म हाउस में ब्राह्मण समाज द्वारा पूर्व केंद्र मंत्री व महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. गिरिजा व्यास को ब्राह्मण समाज ने उनके निधन पर दो मिनट का मौन रखकर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस इस अवसर पर संयोजक पवन पुजारी ने बताया कि कुछ दिन पहले गणगौर त्यौहार पर दीपक की लोह लपटों से झुलस गई थी। उसके बाद उपचार के बाद उनका निधन हो गया। उनके निधन से ब्राह्मण समाज को बड़ी क्षति हुई है व राजनीति में समाज की कद्दावर नेता थी। झुंझुनूं में स्वर्गीय काशीनाथ पांडे की धर्म बहन बनी हुई थी। इसलिए उनका झुंझुनूं से विशेष लगाव था। समय-समय पर आती रहती थी। कवियत्री से राजनीति का लंबा सफर करते हुए केंद्र में दो बार मंत्री, चार-बार सांसद, कांग्रेस राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष व पांचवीं महिला आयोग की अध्यक्ष पद पर रह चुकी है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पवन शर्मा देरवाला, विप्र फाउंडेशन संगठन जिला महामंत्री रामगोपाल महमिया, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा अलसीसर, विप्र फाउंडेशन जिला मंत्री रमाकांत पारीक, जिला मंत्री सुरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर की अपील, मॉकड्रिल के दौरान घबराएं नहीं, सक्रिय भागीदारी निभाएं

मुख्य सचिव ने नागरिक सुरक्षा, पूर्वाभ्यास के लिए निर्देश दिए

जागरुक टाइम्स संवाददाता

धौलपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सभी जिलों के कलक्टर एवं अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में भारत सरकार की ओर से बुधवार, 7 मई को प्रस्तावित मॉक ड्रिल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वीसी में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि भारत सरकार ने इस मॉक ड्रिल को ऑपरेशन अभ्यास नाम दिया है, जो प्रशासनिक, पुलिस, नागरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य कार्मिकों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार सीखने का महत्वपूर्ण अवसर है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने प्रस्तावित पूर्व अभ्यास के क्रम में मुख्य सचिव की ओर से दिए गए निर्देशों और मॉक ड्रिल के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे 7 मई 2025 (बुधवार) को केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशन में आयोजित हो रही सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल से घबराएं नहीं। उन्होंने कहा है कि सभी लोग इस अभ्यास का किसी भी आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा से संबंधित सबक सीखने के अवसर के रूप में उपयोग करें। जिला कलेक्टर ने कहा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर 'हवाई हमले की स्थिति' से निपटने का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस क्रम में रात के समय ब्लैक आउट का भी पूर्वाभ्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और विभागीय समन्वय की कसौटी पर खरा उतरने का पूर्वाभ्यास है, जिसमें गांव स्तर तक सभी लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सायरन बजने पर ब्लैकआउट के समय सभी नागरिक अपने घर के बिजली के उपकरण लाइट्स इत्यादि बंद रखें। उन्होंने एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से विशेष रूप से इस गतिविधि में भाग लेने का आग्रह किया है ताकि आपदा की स्थिति में वे समाज के लिए मजबूत सहयोगी बन सकें।

तहसील मुख्यालय का घेराव किया, तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

सिधमुख में रेलवे अंडरब्रिज की मांग को लेकर किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली

जागरुक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। सिधमुख व क्षेत्र वासियों की ओर से रेलवे अंडर ब्रिज की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना 147वे दिन भी जारी रहा, सिधमुख से चुबकियाताल कटनी रास्ते पर रेलवे अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर किसानों ने भारी संख्या में धरना स्थल से लेकर तहसील मुख्यालय तक ट्रैक्टर रैली निकाली। तहसील मुख्यालय का घेराव किया। किसान लोग तहसील के आगे डटे रहे। अपनी मांग को लेकर किसानों ने नारेबाजी की। किसानों ने रेलवे डिविजन उत्तर पश्चिम रेलवे के रेल प्रबंधक, राजगढ़ एसडीएम, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग व तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने मांग रखी है कि जब तक अण्डर पास पुल की व्यवस्था नहीं होती तब तक हमें अस्थाई रूप से रास्ते की व्यवस्था की जाए। जिससे किसान उचित समय रहते अपनी फसल की बुआई खेतों में जाकर कर सके। अपनी मांग को लेकर किसानों ने 16 दिसंबर को अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया था। किसानों ने बताया कि रेलवे ट्रैक के उसे पार सिधमुख के दो सौ से अधिक किसानों की चार हजार बीघा कृषि भूमि है। बारिश होने के बावजूद भी किसान लोग रास्ते के अभाव में काश्त करने खेतों में नहीं जा सकते क्योंकि किसनो खेत में जाने के लिए 5 फीट ऊंची रेल पटरियो को पार करना पड़ता है। रेलवे ट्रैक पार करने के बाद यह रास्ता 3 दिशाओं में बंट जाता है, जो किसानों के खेतों और गांव चुबकिया ताल में जाता है। 5 फीट ऊंचे रेलवे ट्रैक से किसान अपने कृषि उपकरण नहीं ले जा सकते हैं तथा वाहनों का आवागमन भी नहीं होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खेतों का मुख्य रास्ता रेलवे द्वारा मुख्य तौर पर बिल्कुल बंद कर दिया गया है दोनों तरफ खाई खोद दी गई है। जिससे किसान टाइम पर अपने खेत में कास्त करने के लिए नहीं जा सकते है। किसानों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है किसानों में भारी आक्रोश है। किसानों ने भूख हड़ताल की भी चेतावनी। इसमें प्रभु राम महला, गौरी शंकर प्रजापत, मुकेश भाम्मी, मनोज बेनीवाल, महेंद्र, रोहतास, नानूराम, शेर सिंह, गोवर्धन, राजेश दहिया, हरिराम मेघवाल, बलवान, रामकुमार,बेगराज राजपुरोहित, सदा सुख, जय सिंह, मनीराम, प्रेम राज, शिव कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान लोग मौजूद रहे।

जरूरतमंदों के बीच मनाया जन्मदिन

जागरुक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। श्री श्याम सेवक परिवार संस्था के अध्यक्ष कुलदीप भार्गव ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा रूपी कार्य किए। उन्होंने ना केवल जन्मदिन होटल, रेस्टोरेंट में जाकर मनाया बल्कि जरूरतमंद लोगों के बीच पहुंच अपने जन्म के उत्सव को सेवा भाव में जोड़कर आनंद लिया। समाजसेवी कुलदीप भार्गव के द्वारा के मूकबधिर, मंदबुद्धि बालक, विशेष विद्यालय, आशा का झरना, मां सेवा संस्था इत्यादि सेवा रूपी संस्थाओं में जाकर जरूरतमंद बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस दौरान भार्गव ने मिठाई व फल भी वितरित किए। कुलदीप भार्गव बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ अभियान के सदस्य, भृगुवंशी श्री श्याम प्रेमी मित्र मंडल ट्रस्ट के महामंत्री व आर्यावर्त सर्व ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश के पद पर सुशोभित है। इस अवसर पर अशोक सैनी रविंद्र तोलियासर, अमन, ललित, अमित सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा व्यापारी से लूट की घटना में लिप्त एक महिला को किया गिरफ्तार

आरोपित महिला ने छिपाए थे लूट के गहने, महिला को भेजा जेल

जागरूक टाइम्स संवाददाता

बाड़ी। धौलपुर जिले के बाड़ी कोतवाली थाना क्षेत्र में 28 अप्रैल को शहर में हुई लूट की वारदात की घटना के मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कोर्ट से पीसी रिमांड पर लिया था। जिनसे पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के बाद पुलिस ने आरोपी रामनाथ गुर्जर की पत्नी उर्मिला को गिरफ्तार किया है। जिसने लूट के गहनों को छुपाने में अपने पति की मदद की थी साथ में साक्ष्य भी मिटाये थे। बाड़ी कोतवाली थाना प्रभारी अमित कुमार शर्मा पुलिस निरीक्षक ने बताया कि– लूट की घटना को लेकर पुलिस लगातार सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। व्यापारी अनिल बंसल के साथ रेलवे फाटक पर 28 अप्रैल की रात 8 बजे लूट की घटना हुई थी। जिसमें तीन आरोपी पूर्व में गिरफ्तार किये जा चुके हैं। आरोपी रामनाथ गुर्जर की पत्नी उर्मिला का उक्त लूट की घटना में सहयोग रहा है। आरोपी की पत्नी ने लूट के गहनों को छुपाया था। पूछताछ के दौरान रामनाथ ने जब यह जानकारी दी तो घर जाकर आरोपित महिला उर्मिला से कड़ाई से पूछताछ करने के दौरान उसके द्वारा छुपाए गए लूट के गहनों को बरामद किया है साथ में महिला को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। अब उक्त मामले में मुख्य आरोपी एवं मास्टरमाइंड हंसा उर्फ और हंसराम गुर्जर की तलाश की जा रही है।

विद्युत श्रमिक संघ ने कर्मचारियों की मांगों के लिए क्रमिक धरना शुरू किया

जागरूक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। अजमेर विद्युत वितरण श्रमिक संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले पर अजमेर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय बगड़ रोड स्थित प्रांगण में बिजली कर्मचारियों द्वारा क्रमिक धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। धरना उपखंड के अध्यक्ष राजेंद्र योगी की अध्यक्षता में दिया गया। धरने में बिजली कर्मचारियों की मुख्यत: मांगें बिजली कर्मचारियों में रीडिंग कार्य उपभोक्ताओं का आवंटन अनुपात के अनुसार में करने में तथा सभी कार्मिकों में समान करने, कार्यालय में सहायक कार्मिकों को बिना प्रशिक्षण के तथा बिना किसी तकनीकी डिग्री होने पर फील्ड में कार्य करवाने के विरोध में तथा स्थानांतरित किए गए कार्मिकों को पुन: वापस लगाने के संबंध में धरना शुरू किया गया। धरने में श्रमिक संघ के जिला महामंत्री सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की वाजिब मांगों के लिए धरना शुरू किया गया। लेकिन निगम प्रशासन के एक भी अधिकारी ने मौके पर मौके पर नहीं पहुंचे। जिसमें कर्मचारियों में आक्रोश है। अगर निगम प्रशासन मांगे नहीं मानता है तो बुधवार से विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद वृत कार्यालय मे प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। धरने के दौरान कर्मचारियों ने रैली के माध्यम से सहायक अभियंता अरविंद कुमार को ज्ञापन देकर मांगों के निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपा गया। धरने के दौरान जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, द्वारकाप्रसाद, जिला संयुक्त महामंत्री राजीव सामरिया, सत्यप्रकाश शर्मा, जिला संगठन मंत्री राजेश जांगिड़, जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण, मीडिया प्रभारी अजय जांगिड़, उपखंड झुंझुनूं सचिव सोमेश स्वामी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम योगी, अनिल सैनी, उपाध्यक्ष वसीम अली, कोषाध्यक्ष विशाल कर्णावत, दिलीप सैनी, कृष्ण कुमार, विजय डाबला, संदीप शर्मा, सुरेंद्र लोहार, हसन अली, सुशील पांडे, उपखंड ग्रामीण के सचिव नवीन डांगी, नितेश सैनी, उपखंड बगड़ के अध्यक्ष अनवर अली, सचिव रजनीश वैष्णव, सत्यजीत, विकास नेहरा, जितेंद्र, निरंजन सैनी व राजपाल सहित अनेक कार्मिक धरने में शामिल हुए।

छात्रों को अध्ययन सामग्री एवं मिठाई वितरित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

गुढ़ागौड़जी। शहीद सुल्तान सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक पाठशाला केसरीपुरा में अध्ययनरत छात्रों को भामाशाह एडवोकेट चंद्रभान के परिवार की तरफ से उनको 54वीं शादी की सालगिरह पर अध्ययन सामग्री एवं मिठाई बांटी गई। शाला प्रधान उम्मेदसिंह ने बताया कि भामाशाह चंद्रभान द्वारा कुछ वर्ष पूर्व एक कमरा मय बरामदा स्कूल को बनाकर दिया था। यह परिवार हर वर्ष की भांति बच्चों को अध्ययन सामग्री वितरित की जाती हैं। कार्यक्रम में शिक्षिका शीला कुमारी व रोहिताश ढकरवाल, महिपाल खरबास व चौधरी महताबसिंह भी उपस्थित थे।

ज्योति मिर्धा आज झुंझुनूं दौरे पर रहेगी

जागरूक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष और नागौर जिले की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा बुधवार को झुंझुनूं जिले में उदयपुरवाटी और खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र में रहेगी। भाजपा जिला महामंत्री और वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के जिला संयोजक एडवोकेट सरजीत चौधरी ने बताया कि इस अभियान के तहत मिर्धा बुधवार सुबह 11 बजे उदयपुरवाटी विधानसभा के गुढ़ा में अभिनंदन मैरिज गार्डन में पहुंच कर वक्फ सुधार जनजागरण अभियान में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेगी। साथ ही पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी विधानसभा के जन प्रतिनिधि और अल्प संख्यक समुदाय के लोग उपस्थित रहेंगे। उसके बाद दोपहर दो बजे खेतड़ी विधानसभा के कॉपर में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेगी।

एसएफआई की मलसीसर तहसील कमेटी का सम्मेलन संपन्न

सोयब खान अध्यक्ष, अमित पूनियां महासचिव निर्वाचित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। एसएफआई की मलसीसर तहसील कमेटी का तहसील सम्मेलन हुआ। पहलगाम हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देकर सम्मेलन की शुरुआत की गई। एसएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अनीश धायल ने अध्यक्षता करते हुए झंडारोहण किया। जिलाध्यक्ष आशीष पचार मुख्य अतिथि रहे। आशीष पचार ने संगठन के संघर्षों का व्याख्यान करते हुए संगठन की विस्तारित चर्चा करते हुए एक-एक विद्यार्थी तक स्वाधीनता जनवाद समाजवाद के झंडे को ले जाने की बात करते हुए कहा कि गांव ढाणी में पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचकर उसे एसएफआई की सदस्यता ग्रहण करने की जिम्मेदारी प्रत्येक कार्यकर्ता की है और कॉलेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर संघर्ष करने की जरूरत है। पूर्व जिलाध्यक्ष अनिश धायल ने कहा कि आज सरकार सार्वजनिक शिक्षा को खत्म करने पर आमदा है। सरकार 2014 शिक्षा पर बजट पर 10 प्रतिशत खर्च के वादे के साथ आई थी। लेकिन आज शिक्षा पर केंद्रीय बजट का खर्चा डेढ़ प्रतिशत से भी कम रह गया है। सरकार जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को खत्म करने पर आमदा है। विश्वविद्यालय में पढ़े लिखे छात्र सरकार से तर्कपूर्ण सवाल पूछते है और यही सरकार को मंजूर नहीं। एसएफआई एक मात्र छात्र संगठन है। जो सार्वजनिक शिक्षा को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहा है। सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि लोकतंत्र की पहनी सीढ़ी छात्रसंघ चुनाव तुरंत बहाल करें। अन्यथा लाखों विद्यार्थी जून माह से सड़कों पर आकर सरकार से संघर्ष करने को तैयार हैं। झुंझुनूं तहसील महासचिव अमित शेखावत पर्वेक्षक रहे। सम्मेलन के अंतिम चरण में तहसील कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ। जिसमें शोएब खान अध्यक्ष और अमित पूनियां महासचिव, आसिफ और अंकित उपाध्यक्ष, रेहान को संयुक्त सचिव निर्वाचित हुए। अमन सोलंकी, इस्तपाक, जतिन और अंकित कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए।

जिले में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल तैयारियों को लेकर जिला स्तर पर समन्वय बैठक आयोजित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

धौलपुर। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार बुधवार को जिले में सिविल डिफेंस अभ्यास (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपातकालीन परिस्थितियों में सिविल डिफेंस सहित प्रशासनिक विभागों की प्रतिक्रिया, क्षमता और आपसी समन्वय के आकलन के लिए यह अभ्यास गांव स्तर तक विस्तारित होगा। इस मॉक ड्रिल का एक प्रमुख उद्देश्य आम जनता, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं में आपदा प्रबंधन की समझ विकसित करना भी है। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी विभाग भारत सरकार के निर्देशानुसार हो रहे इस अभ्यास के लिए बेहतर समन्वय कर आपातकालीन स्थिति से निपटने का पूर्वाभ्यास करें।

मॉक ड्रिल के उद्देश्य : जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि पूर्व अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली की प्रभावशीलता का परीक्षण, भारतीय वायुसेना के साथ हॉटलाइन/रेडियो लिंक की कार्यशीलता की जाँच, नियंत्रण कक्षों की तत्परता और प्रशासनिक समन्वय क्षमताओं का मूल्यांकन, आम नागरिकों एवं छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में व्यवहार हेतु प्रशिक्षित करना, ब्लैकआउट जैसे रणनीतिक उपायों की तैयारी सुनिश्चित करना है।

अस्पतालों में जरूरी चिकित्सा व्यवस्था के निर्देश– जिला कलक्टर ने मॉक ड्रिल के समय और उसके बाद आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के क्रम में अस्पतालों में जरूरी दवाओं की व्यवस्था करने तथा मेडिकल स्टाफ को समुचित प्रशिक्षण देने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही रसद विभाग को आवश्यकतानुसार भोजन प्रबंधन, स्थानीय स्वशासन को अग्निशमन वाले वाहनों सहित अन्य उपकरणों के समुचित संचालन आदि के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को जिले की सुरक्षा योजना का गहन अध्ययन करने और उसके अनुसार आपात परिस्थिति के लिए जरूरी संसाधन तैयार करने के भी निर्देश दिए।

एनसीसी और स्काउट गाइड विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण : जिला कलक्टर ने एनसीसी और स्काउट गाइड विद्यार्थियों के आपात योजना से संबंधित प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यह लोग अपने आस-पड़ोस और आमजन को विशेष परिस्थिति से निपटने में मदद करने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। उन्होंने इसके लिए एनसीसी एवं स्काउट अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि बुधवार को होने वाले पूर्व अभ्यास के लिए पुलिस विभाग को अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय करना होगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, एसडीएम धौलपुर साधना शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पंचायत समिति व उप तहसील बनाओ संघर्ष समिति का गठन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। सुलताना पंचायत समिति व उप तहसील बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक कामरेड सुरेश महला के नेतृत्व में संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर झुंझुनूं को ज्ञापन देकर सुलताना में नए पंचायत परिसीमन में पंचायत समिति कार्यालय स्वीकृत करने तथा उप तहसील कार्यालय भी सृजित करने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि सुलताना शहर आसपास के चालीस ग्रामों की जनता के लिए रोजमर्रा का सामान खरीदने के लिए मुख्य बाजार है। चनाना तक की सभी ग्राम पंचायतें चिड़ावा से ज्यादा दूर पड़ती हैं। नए पंचायत परिसीमन में पंचायत समिति चिड़ावा, पंचायत समिति उदयपुरवाटी, प्रस्तावित पंचायत समिति गुढ़ागौड़जी, पंचायत समिति झुंझुनूं व पंचायत समिति खेतड़ी कई ग्राम पंचायत प्रस्तावित की गई हैं। सुलताना नगरपालिका की आस—पास की ग्राम पंचायतों तथा खेतड़ी, झुंझुनूं पंचायत समिति व गुढ़ागौड़जी प्रस्तावित पंचायत समिति की चिड़ावा पंचायत समिति क्षेत्र से सटी हुई नजदीकी ग्राम पंचायतों को मिलाकर सुलताना में नई पंचायत समिति मंजूर करने तथा जनता की सुविधा को देखते हुए तहसील चिड़ावा का मध्य क्षेत्र मानते हुए सुलताना में नई उप तहसील सृजित करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में कामरेड सुरेश महला के अलावा विजेंद्र धनखड़, हसन अली लोहार, मुश्ताक अली तेली व दिनेश शर्मा आदि शामिल थे। मांग नहीं माने जाने पर सुलताना में संघर्ष शुरू किया जाएगा।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

जलापूर्ति, विद्युत व चिकित्सा व्यवस्था सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कुचामन सिटी। जिला स्तरीय एवं उपखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर पुखराज सेन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट वीसी कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने जिले में जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, लू – तापघात के मध्यनजर चिकित्सा व्यवस्था एवं फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों व सभी उपखंड अधिकारियों को नियमित रूप पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति एवं चिकित्सा व्यवस्था भी सुचारु बनाये रखने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर फॉलोअप शिविर के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री से शेष रहे कृषकों का रजिस्ट्रेशन करने, रास्ता खोलो अभियान के तहत आवश्यक प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने विभागवार व उपखंडवार सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा कर 30 दिवस से अधिक के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर महेंद्र मीणा,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, उपखंड अधिकारी विकास मोहन भाटी, नगर परिषद आयुक्त भगवान सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता एफ आर मीणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता सुनील मानवतल, तहसीलदार सुमेर सिंह सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे, तथा सभी उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

किसानों की पहली पसंद वेस्टर्न बायो के खरीफ फसलों के बीज की पहली खेप पहुंची चिड़ावा

जागरूक टाइम्स संवाददाता

चिड़ावा। आगामी खरीफ फसल बुवाई के लिए क्षेत्र में खाद बीज विक्रेताओं की दुकानों पर खाद बीज की आवक होने लगी है। इसी क्रम में चिड़ावा खेतड़ी रोड रेलवे फाटक स्थित रतेरवाल सीड्स पर सोमवार को वेस्टर्न बायो सीड्स के विभिन्न खरीफ फसलों की उत्तम किस्मों जिनमे मूंगफली किंग-666, मूंगफली नीर-20, बाजरा किंग-888, मूंग किंग नवजीवन, मूंग किंग पावर, मूंग किंग सुपर, ग्वार किंग नंबर वन प्लस इत्यादि की खेप से भरे ट्रक के चिड़ावा खेतड़ी रोड स्थित रतेरवाल सीड्स गोदाम पहुंचने पर विधिवत पूजन किया गया। संचालक कृष्णकुमार शर्मा ने बताया की वेस्टर्न बायो कंपनी के बीज अपनी गुणवत्ता के कारण क्षेत्र के किसानो की पहली पसंद बने हुए है। जिनमें किसान मूंगफली बीज किंग-666 का सर्वाधिक इस्तेमाल करते है। जो कि 105 दिन में पककर तैयार होने वाली उत्तम किस्म है। इसके उपरांत अशोक शर्मा ने सभी किस्मों मूंगफली किंग-666 बीज 3000 प्रति 20 किलोग्राम बैग, बाजरा किंग-888 बीज 600 रूपए प्रति 1.5 किग्रा, मूंग किंग नवजीवन 250 प्रति एक किग्रा, मूंग किंग पावर 270 प्रति एक किग्रा, मूंग किंग सुपर 300 प्रति एक किग्रा, मूंगफली 441 3200 प्रति 20 किग्रा, मूंगफली किंग चेतक 3000 प्रति 20 किग्रा, मूंगफली टीजी-37ए 2600 प्रति 20 किग्रा, मूंगफली किंग नीर 20 बीज 2500 प्रति 20 किग्रा, ग्वार किंग नंबर वन प्लस 360 रूपए प्रति दो किग्रा इत्यादि के मूल्य बताते हुए उपस्थित किसानों को सभी किस्मों के मूल्यों से अवगत करवाया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दस मई को

बाड़ी। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखंड पर शहर में आगामी दस मई को विधिक जागरूकता के तहत राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन एडीजे कोर्ट किला परिसर में किया जाएगा। कोर्ट के माध्यम से आपसी समझौते के तहत पुराने मामलों का निस्तारण किया जाएगा। ऐसे में लोक अदालत के तहत जयपुर विद्युत वितरण निगम के अधिकारी भी अपने उपभोक्ताओं के साथ चल रहे बिजली चोरी, बिल विवाद,पुराने बकाया एवं अन्य मामलों के समाधान को लेकर प्रयास कर रहे हैं। जिसके तहत करीब 12.47 करोड़ की बकाया को लेकर 3257 उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए हैं। लोक अदालत में आकर अपने मामले का आपसी समझौते के तहत निस्तारण कराए।

थाने के रसोइये की बहन की शादी में पुलिस ने भरा मायरा

जागरूक टाइम्स संवाददाता

बाड़ी। धौलपुर जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा के नेतृत्व में धौलपुर पुलिस अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ तो सख्ती से कार्रवाई कर ही रही है साथ में सामाजिक सरोकार निभाने में भी पीछे नहीं है। सोमवार को बाडी कोतवाली थाने में रसोइये का काम करने वाले महेंद्र सिंह निवासी उमरेह की दो बहनों की शादी होनी थी। समारोह में बाडी कोतवाली थाना पुलिस को आमंत्रित किया गया था। जिस पर थाना स्टाफ को प्रतिदिन थाने पर खाना बनाकर खिलाने वाले रसोइये की बहनों की शादी में पुलिसकर्मियों ने सहयोग करने का बीड़ा उठाया और थानाधिकारी अमित शर्मा की पहल पर पुलिसकर्मियों ने आपस में मिलकर मायरा भरने के लिये रुपये एकत्र और अन्य सामान एकत्रित किया और बाड़ी थाने के उपनिरीक्षक हरवीर सिंह के साथ पुलिस की टीम ने उमरेह गांव में रसोईए महेंद्र के घर पहुंचकर मायरा भरा। जिसमें दोनों बहनों की शादी के लिए 41 हजार रुपये की नगदी और शादी के कपड़ों के साथ अन्य उपहार भेंट किये। उपनिरीक्षक हरवीर सिंह एवं स्टाफ पुलिसकर्मियों का कहना है कि रसोइया महेंद्र सिंह उनके परिवार का सदस्य है। वह कई वर्षों से थाने पर भोजन बनाकर आत्मीयता के साथ पुलिस अधिकारियों और जवानों को भोजन कराता है।

वक्फ सुधार जन जागरण अभियान को लेकर नावां में विधानसभा सम्मेलन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

कुचामन सिटी। नावां में वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत मंगलवार को नावां विधानसभा स्तरीय सम्मेलन भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता रांदड़ ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में सूरजगढ़ के पूर्व विधायक सुभाष पूनिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री गोविंद कुमावत, मंत्री पवन टाक, जन जागरण अभियान के जिला संयोजक एवं पार्षद अयूब शेख, नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, मारोठ मंडल अध्यक्ष चुन्नीलाल माली, जिला संयोजक तस्लीम आरिफ सहित अनेक गणमान्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व विधायक सुभाष पूनिया ने अपने वक्तव्य में वक्फ बिल में प्रस्तावित संशोधनों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन सच्चर कमेटी की 2006 की रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वक्फ बोर्ड कोई धार्मिक संस्था नहीं है, बल्कि वक्फ की गई संपत्तियों के रख-रखाव की जिम्मेदारी निभाने वाला एक प्रशासकीय ढांचा है। पूनिया ने आरोप लगाया कि देशभर में वक्फ की लगभग 80त्न संपत्तियां धार्मिक नेताओं और राजनेताओं द्वारा कब्जे में ली जा चुकी हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक में 22,000 एकड़ वक्फ भूमि को करीब 2 लाख करोड़ रुपये में बेच दिया गया, जबकि पुणे में एक किसान परिवार की जमीन को बिना सूचना के वक्फ घोषित कर दिया गया। लखनऊ में वक्फ बोर्ड ने मुस्लिम दुकानदारों की दुकानों को पुनर्विकास के नाम पर बिना मुआवजा दिए जब्त कर लिया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन की सराहना करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का सही उपयोग करते हुए गरीब मुसलमानों को शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और अन्य सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी वक्फ संपत्ति को सरकार अपने कब्जे में नहीं ले रही है, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए यह संशोधन आवश्यक है। इस मौके पर पार्षद विक्रम राजोरिया, खेताराम सिसोदिया, सुरेश सिखवाल, नरसीलाल कुमावत, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह, भंवर खटीक, रामेश्वर लाल, सद्दाम हुसैन, सलीम शेख आदि मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेष...कुसुम योजना में...

दो बार में कुल 6 हजार मेगावाट क्षमता के संयंत्रों के अतिरिक्त आवंटन को स्वीकृति दी है तथा कम्पोनेंट-सी में 2 लाख सोलर पम्पों का अतिरिक्त आवंटन किया है। इस प्रकार इस योजना में प्रदेश में लगभग 12 हजार मेगावाट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य रख कार्य किया जा रहा है।

अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे किसान-योजना के तहत यह प्लांट मुख्यत: राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हो रहे हैं जहां कृषि कनेक्शन अधिक संख्या में हैं। खेत के समीप भूमि पर लग रहे अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से किसानों को खेती से जुड़े कार्यों के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के एक नए युग की शुरूआत हुई है। अपनी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं जिससे उन्हें आमदनी का एक अतिरिक्त जरिया भी मिला है। योजना में फीडर लेवल सोलराइजेशन के अन्तर्गत 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेंट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट क्षमता तक तथा कंपोनेंट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। कंपोनेंट-सी में सौर संयंत्र की स्थापना पर भारत सरकार लागत का अधिकतम 30 प्रतिषत (अधिकतम 1 करोड़ 5 लाख रूपए प्रति मेगावाट) तक अनुदान देती है।

साकार हो रहा किसानों को दिन में बिजली का संकल्प-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष-2027 तक किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया है। इस संकल्प को साकार करने की दिषा में यह योजना महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा इसे फ्लैगशिप योजना के रूप में भी सम्मिलित किया गया है। डिस्कॉम्स द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर सौर संयंत्रों की स्थापना में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया। अवॉर्ड जारी होने के बाद पावर परचेज एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने, सौर संयंत्र को 11 केवी एवं 33 केवी प्रसारण लाइनों के माध्यम से ग्रिड से जोड़ने, ट्रांसफार्मर तथा मीटर से संबंधित स्वीकृतियों के कार्यों, सोलर प्लांट्स के निरीक्षण तथा साइट विजिट्स को विद्युत वितरण निगमों द्वारा निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जा रहा है। साथ ही जिला कलक्टरों को विद्युत लाइन बिछाने की राह में आ रही बाधाओं को दूर करने के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

छीजत में कमी, कार्बन फुटप्रिंट भी घट रहा-योजना के फलीभूत होने का फायदा विद्युत वितरण निगमों को लगभग 3 रूपए प्रति यूनिट की सस्ती बिजली की उपलब्धता के रूप में मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाली बिजली का उपयोग स्थानीय स्तर पर ही होने से प्रसारण में होने वाली छीजत भी कम हुई है। साथ ही, कृषि की बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए विद्युत निगमों को अतिरिक्त विद्युत तंत्र विकसित करने की आवश्यकता में भी कमी आई है। डिस्कॉम्स को अब कृषि कार्य के लिए एक्सचेंज से महंगे दाम पर बिजली खरीदने की आवश्यकता नहीं होती। सबसे बड़ी बात यह है कि लगभग 1 हजार मेगावाट बिजली अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित करने में राज्य सरकार के बजट पर कोई अलग से भार नहीं आया है एवं साथ ही, कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आ रही है।

सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र की स्थापना में भी राजस्थान प्रथम तीन राज्यों में शामिल-योजना के कम्पोनेंट-बी का क्रियान्वयन उद्यानिकी विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत वर्तमान राज्य सरकार द्वारा 39 हजार से अधिक सौर ऊर्जा पम्प संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है एवं इस दृष्टि से राजस्थान देश में प्रथम तीन राज्यों में है। कम्पोनेंट-बी में किसानों को 3 से 7.5 हॉर्स पावर क्षमता के सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र स्थापित करने पर 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

प्रदेश में युद्ध....

सायरनों से खतरों की सूचना देंगी। जिला कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि ड्रिल के दौरान घर से बाहर होने पर वाहन की लाइट भी बंद रखें। 1971 के युद्ध के बाद यह पहली बार है जब इतनी व्यापक मॉक ड्रिल की जा रही है।

सुविचार

जो पवित्र तथा साहसी है, वही जगत में सब कुछ कर सकता है। माया-मोह से प्रभु सदा तुम्हारी रक्षा करे।

- अज्ञात

जागरूक संपादकीय

फिर घिरा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। सोमवार को बंद दरवाजे के पीछे हुई यूएनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने सोचा था कि वह अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाकर भारत पर दबाव बना लेगा, लेकिन यूएनएससी में पाकिस्तान उल्टा फंस गया और सदस्यों ने उसे जमकर खरी खोटी सुनाई। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ हर पैंतरा उस पर ही भारी पड़ रहा है। ताजा मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक का है, जहां पाकिस्तान मदद मांगने गया था, लेकिन सुरक्षा परिषद ने उल्टे पाकिस्तान को ही लताड़ दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने पाकिस्तान से ही मुश्किल सवाल पूछे और पहलगाम आतंकी हमले पर जवाबदेही तय करने को कहा। यूएनएससी की बैठक में सदस्यों ने पाकिस्तान से पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है या नहीं। दरअसल पाकिस्तान ये दिखाने की कोशिश कर रहा है कि भारत पहलगाम आतंकी हमले की आड़ में उस पर हमला करना चाहता है। हालांकि सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान के इस तर्क को खारिज कर दिया और उल्टे हमले में लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका पर ही सवाल पूछ लिए। संयुक्त राष्ट्र परिषद की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई और इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की गई। कुछ सदस्यों ने खासकर इस बात पर सवाल उठाए कि पहलगाम में पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर निशाना बनाया गया। इसकी भी सदस्यों ने कड़ी निंदा की। पाकिस्तान द्वारा हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया गया है। सुरक्षा परिषद के कई सदस्यों ने इस पर भी नाराजगी जताई और इसे पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई बताया। पाकिस्तान की कोशिश थी कि मामले को सुरक्षा परिषद में उठाकर इसका अंतरराष्ट्रीयकरण किया जाए और भारत पर दबाव बनाया जाए कि वह सैन्य कार्रवाई न करे, लेकिन उसकी यह कोशिश धरी की धरी रह गई। उल्टे सुरक्षा परिषद ने ही पाकिस्तान को सलाह दी कि वे भारत के साथ मिलकर द्विपक्षीय तरीके से मुद्दे को सुलझाए। गौरतलब है कि पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर स्थायी सदस्य है। भारत फिलहाल सुरक्षा परिषद का हिस्सा नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान ने सोचा कि वह भारत की गैर मौजूदगी में सुरक्षा परिषद में अपना एजेंडा चलाने में सफल रहेगा क्योंकि उसके आरोपों पर जवाब देने के लिए भारत यूएनएससी का हिस्सा नहीं है, लेकिन ये भारत की बढ़ती कूटनीतिक अहमियत का उदाहरण है कि भारत की गैर मौजूदगी में भी पाकिस्तान का एजेंडा नहीं चला और बाकी सदस्य देशों ने पाकिस्तान को ही घेर लिया।

भारत-पाकिस्तान

अगर युद्ध हुआ तो क्या होगा?

संजय श्रीवास्तव

ये आशंकाएं बलवती हो रही हैं कि जल्द ही भारत और पाकिस्तान में युद्ध होने की आशंका है, यदि दोनों देश युद्ध छेड़ते हैं, तो पाकिस्तान के साथ इस्लामिक देशों के संगठन और चीन के आने की कितनी आशंका है? अमेरिका, रूस, यूरोप, चीन, तुर्की, सऊदी अरब इत्यादि की इसमें क्या भूमिका होगी? क्या नाभिकीय युद्ध का भी खतरा है? इसका परिणाम क्या होगा? इसमें भारत के लिए क्या नुकसान और फायदे हैं और पाकिस्तान के लिए यह कितना घातक होगा? भारत-पाक के बीच जल्द ही युद्ध आरंभ हो, ऐसी आशंका नहीं है। पाकिस्तान भयभीत है और उसे अपनी कमजोरी का अहसास है। वह आत्मघाती कदम नहीं उठाएगा। भारत भी पाकिस्तान को दूसरे अहिंसक विकल्पों से पर्याप्त परेशान करेगा, लेकिन पूर्ण युद्ध की खुली पहल से बचेगा। सो बयानों में 'एस्केलेशन लैडर' यानी तनाव को धीरे-धीरे बढ़ाने की नीति के तहत आक्रामकता बढ़ेगी पर आक्रमण और व्यापक युद्ध से दूरी बनी रहेगी।

इमेज

पाकिस्तान सरकार को युद्ध से घरेलू समर्थन भले मिले लेकिन बाद में यह उसके लिए घाटे का सौदा होगा। भारत में सरकार के पास पर्याप्त घरेलू समर्थन मौजूद है, उसको इसकी जरूरत नहीं। वैसे भी वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय परिस्थितियां दक्षिण एशिया में बड़े युद्ध की इजाजत नहीं देतीं। ऐसे में कुछ प्रतीकात्मक कार्रवाई से अधिक कुछ संभव नहीं दिखता। निस्संदेह वह कार्यवाही पाकिस्तान को भारी पड़ सकती है। यदि पाकिस्तान की सरकार और सेना अदूरदर्शितापूर्ण फैसला लेते हुए चीन के बहकावे में भारत को युद्ध का उत्तरदायी ठहराते हुए कोई सैन्य प्रतिक्रिया की पहल करते हैं, तो निसंदेह भारत उसका जवाब देगा। क्योंकि आतंकवाद को जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। महज नाभिकीय हथियारों की बराबरी के अलावा सभी दूसरे सैन्य क्षेत्रों में पिछड़े पाकिस्तान के लिए यह बहुत विकट स्थिति होगी; क्योंकि पाकिस्तान की तुलना में लगभग नौ गुना अधिक रक्षा पर खर्च करने वाले भारत के खिलाफ जंग में चीन का समर्थन उसे खुलकर नहीं, परोक्षतः ही होगा। इस्लामिक देशों में तुर्की के अलावा शायद ही कोई खुलकर उसके साथ आए। कुछ इस्लामिक देश समर्थन देंगे तो नैतिक ही। रूस, अमेरिका, यूरोप इस युद्ध में उत्सुक दर्शक की भूमिका में होंगे, जो यह देख रहे होंगे कि उनकी रक्षा प्रणालियां, हथियार, कितने गुणवत्तापूर्ण हैं। चीनी हार्डवेयर कैसे काम कर रहे हैं। उनकी निगाह युद्धरत देशों की सैन्य रणनीतियां, उनके योजनाकारों और सैनिकों का हथियारों को संभालने का कौशल तथा हथियार बेचने की जुगत पर होगी। सेना को वैधता दिलाने के चक्कर में गंभीर राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह युद्ध बर्बादी की ओर धकेलने वाला होगा। निसंदेह यह जंग भारत में भी आर्थिक मंदी और अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ाने वाला होगा। हां, विजयी भारत को आतंकवाद पर सख्त कार्रवाई करने वाले देश की छवि बनेगी साथ ही क्षेत्रीय रुतबा और बढ़ेगा। हालांकि माहौल गवाह है कि भारत और पाकिस्तान 2016 और 2019 के बाद एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर हैं। टीवी, सोशल मीडिया तथा दूसरे संचार माध्यमों ने पहलगाम की घटना के बाद अत्यधिक जनाक्रोश को संबोधित करते हुए उससे पैदा गम और गुस्से का शमन करने, धैर्य देने की बजाय कुछ ऐसी भूमिका निभाई है कि यह महसूस होने लगा है कि अधिकांश देशवासियों की मुट्ठियां भिंची हुई हैं। युद्ध अवश्यंभावी है, अपरिहार्य है। इस बीच प्रधानमंत्री से मुलाकात के ठीक बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना कि, "जनता जो चाहती है, वह होकर रहेगा।" खुद प्रधानमंत्री इस मामले में ऐसे कई बयान दे चुके हैं, जिसके निहितार्थ यही निकलते हैं कि वे पहलगाम की आतंकी घटना को पाकिस्तान समर्थित हमला तथा इसके प्रतिकार स्वरूप युद्ध को न्यायोचित मानते हैं तथा पाकिस्तान के दुस्साहस का प्रत्युत्तर देने का पक्का इरादा रखते हैं। इसके अलावा देश के तमाम राजनेता, लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जो आमजन में पाकिस्तान को जल्द से जल्द दंड देने की भावना भर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार है, जो बताती हैं कि किस देश ने अपने ऊपर हुई आतंकी हिंसा का कितने दिनों बाद और कैसा भयानक बदला लिया। बेशक हमारे प्रधानमंत्री उनसे भी भीषण प्रतिशोध लेंगे, बस समय को देखकर दुश्मन का पतन सुनिश्चित करने के बाद, राष्ट्र गौरव बढ़ाने वाला युद्ध अत्यंत नजदीक है। सरकार ने आयात रोकने, सीमा पार आवाजाही, वीजा सेवा निरस्त करने, सिंधु समझौता निलंबित करने, पाकिस्तानी विमानों के लिये हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधित लगाने जैसे दसियों कदम उठाने के अलावा चिनाव का पानी रोक दिया, तो पाकिस्तान ने अपने बंकर दुरुस्त करने, सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वालों को सचेत किया। अबाबील और अब्दाली जैसी मिसाइलों का परीक्षण किया। सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी बढ़ा दी। साथ ही वह दुनिया को यह दिखाने लगा है कि पहलगाम घटना की निष्पक्ष जांच में सहयोग को वह प्रस्तुत है फिर भी भारत उसके ऊपर युद्ध थोपने पर उतारू है। उधर प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को साफ संकेत दिया कि देश पाकिस्तान की इस बेजा भड़काऊ हरकत की सशक्त सैन्य प्रतिक्रिया की तैयारी में है। उनके अनुसार युद्ध के लिए शांतिकामी भारत को विवश किया गया है, इसके लिए देश तैयार है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री को रणनीतिक, कूटनीतिक, राजनीतिक स्तर पर युद्ध अनिवार्य लगे और रक्षा मंत्री को यह जनता की चाहत महसूस हो, साथ ही संचार माध्यमों, प्रचारों में युद्धोन्माद का वातावरण बनाया जा रहा हो फिर अपनी कठोर छवि, निर्भीक निर्णयों के उदाहरणों और हालिया वादों, बयानों के चलते प्रधानमंत्री पर इसका जोरदार जवाब देने का भारी दबाव हो तो ऐसी जनभावना की निर्मिति स्वाभाविक है कि वर्तमान में युद्ध आवश्यक है। वैसे भी 2001 में संसद हमले, 2008 में मुंबई पर आतंकी आक्रमण तथा 2016 में उरी और 2019 में पुलवामा के बाद तीखी प्रतिक्रियाओं एवं सांकेतिक कार्रवाई के बाद युद्ध की नौबत नहीं आई, तो इस बार ऐसा क्या अलग है कि भारत-पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध शुरू करेगा। क्या आधुनिक युग में जहां यूक्रेन जैसे देश भी महाशक्ति रूस के खिलाफ बरसों लंबा युद्ध खींच पाने की क्षमता दिखाते हों या फिर गाजा में भीषण नरसंहार देखने के अलावा युद्ध से उपजने वाली मानवीय त्रासदियों को टीवी पर जीवंत देखने के बाद भी दोनों देश की सरकारें और उनकी जनता विनाशकारी युद्ध के लिए तैयार होंगी और इससे सरकारों को दूरगामी सियासी फायदा होगा? बेशक, युद्ध खुद में एक समस्या है, मसले का हल नहीं। यह दोनों देशों को दूरगामी नुकसान पहुंचाने वाला है, पर यह सब जानने के बावजूद बड़ी संख्या ऐसी सोच रखने वालों की है, जो आतंकी देश को सबक सिखाने का सर्वोत्तम विकल्प युद्ध को मानते हैं। पहलगाम घटना को पखवाड़ा बीत चुका है, भले ही अब तक कुछ बातों, बयानों सांकेतिक कारगुजारियों, प्रचारों के जरिये इस तरह का माहौल बना हो कि देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए जल्द ही युद्ध के मैदान में उतर जाएगा।

पंचांग

बुधवार, 7 मई 2025

- विक्रम संवत् - 2082
- शक संवत् - 1947
- ऋतु - ग्रीष्म
- माह - वैशाख
- पक्ष - शुक्ल
- तिथि - दशमी 10.20 तक
- वार - बुधवार
- नक्षत्र - पूर्वा फाल्गुनी 18.17 तक
- योग - व्याघात 25.05 तक
- करण - वणिज 23.22 तक
- सूर्योदय - 06.09 (मुंबई)
- सूर्यास्त - 07.00 (मुंबई)
- सूर्योदय - 06.01 (भीनमाल)
- सूर्यास्त - 07.13 (भीनमाल)
- चंद्र राशि - सिंह 24.59 तक
- अभिजित् मुहूर्त - नहीं
- राहु काल - 12.35 से 14.12
- व्रत, त्यौहार - रवियोग 18.17 तक, भद्रा 23.22 प्रारंभ, रविन्द्रनाथ ट्रैगोर जयंती
- दिशा शूल - उत्तर

• शास्त्री प्रवीण त्रिवेदी, भीनमाल

वास्तु टिप्स

झाड़ू की जगह तय करेगी घर की तिजोरी की हालत

भारतीय घरों में झाड़ू सिर्फ सफाई का उपकरण नहीं है, बल्कि यह वास्तु शास्त्र और परंपराओं से भी जुड़ा हुआ है। यह न केवल घर की स्वच्छता का प्रतीक है, बल्कि आर्थिक स्थिति और ऊर्जा के प्रवाह पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। अक्सर लोग झाड़ू को कहीं भी रख देते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि झाड़ू को सही जगह पर न रखने से नकारात्मक ऊर्जा या दुर्भाग्य घर में प्रवेश कर सकता है?

उत्तराखंड के ऋषिकेश में स्थित गृह स्थानम के ज्योतिषी अखिलेश पांडेय ने कहा कि वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू को हमेशा ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां यह आसानी से न दिखे और किसी के पैरों के नीचे न आए। झाड़ू को बेड के नीचे रखने की परंपरा कुछ घरों में देखने को मिलती है, खासकर तब जब घर छोटा हो और स्टोरेज की कमी हो। हालांकि, यह तभी ठीक माना जाता है, जब झाड़ू को ढककर रखा गया हो और वह धूल-मिट्टी से गंदा न हो। खुला झाड़ू बेड के नीचे रखना आर्थिक नुकसान और अशांति का कारण बन सकता है।

किचन में नहीं रखें झाड़ू

किचन में झाड़ू रखने से बचें। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर को मां लक्ष्मी का स्थान माना जाता है। यहां झाड़ू या कोई भी गंदगी से जुड़ी वस्तु रखना अत्यंत अशुभ माना गया है। इससे घर की समृद्धि पर बुरा असर पड़ सकता है। झाड़ू को कभी भी गैस स्टोव या राशन के पास नहीं रखना चाहिए। इससे खाने की पवित्रता भंग होती है और नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसे रखें घर में झाड़ू

बालकनी में झाड़ू रखना एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है, खासकर यदि बालकनी खुली हो और वहां धूप व हवा आती हो। लेकिन यहां भी ध्यान देना जरूरी है कि झाड़ू को ऐसे न रखें कि वह बाहर से दिखे या किसी के आने-जाने में बाधा डाले। गंदा झाड़ू घर की सकारात्मकता को प्रभावित कर सकता है, इसलिए इसे ढककर रखना चाहिए।साथ ही, झाड़ू को जमीन पर सीधा खड़ा रखने की बजाय दीवार से टिकाकर या नीचे लिटाकर रखना बेहतर होता है।

चार बातों का रखें ध्यान

झाड़ू को सूर्यास्त के बाद नहीं निकालना चाहिए। रात के समय झाड़ू लगाना धन के बहाव को रोक सकता है। इसके अलावा पुराने और टूटे झाड़ू को समय पर बदल देना चाहिए।

तारीख विशेष

रवींद्रनाथ टैगोर

रवींद्रनाथ टैगोर एक ऐसे शख्स थे, जिनकी विशेषज्ञता कई विषय क्षेत्रों तक फैली हुई थी। उन्होंने एक कवि, लेखक, नाटककार, संगीतकार, दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार के रूप में काम किया। उन्होंने 20वीं सदी की शुरुआत में बंगाली साहित्य और संगीत के साथ भारतीय कला को फिर जिंदा करने का काम किया। उन्हें 1913 में गीतांजलि के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे इसे हासिल करने वाले पहले गैर-यूरोपीय और पहले गीतकार थे। टैगोर को गुरुदेव, कोबीगुरु, बिस्वकोबी जैसे उपनामों से भी जाना जाता था। टैगोर की रचनाएं दो देशों का राष्ट्रगान बनीं। जिसमें 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान बना, तो दूसरी ओर 'आमार सोनार बांग्ला' बांग्लादेश का राष्ट्रगान बना। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता में हुआ था। टैगोर अपने माता-पिता की 13वीं और आखिरी संतान थे। उनके घर में बचपन में उन्हें प्यार से 'रबी' बुलाया जाता था। उन्होंने बेहद कम उम्र में अपनी मां को खो दिया था। उनके पिता एक यात्री थे इसलिए उनका पालन-पोषण घर की देखभाल करने वाले लोगों ने ही किया। एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में जन्मे टैगोर ने महज 8 साल की उम्र में ही पहली कविता लिख डाली थी। उनका पहला कविता संग्रह सिर्फ 16 साल की उम्र में प्रकाशित हुआ। टैगोर ने कालजयी रचना गीतांजलि लिखी। साल 1913 में वह साहित्य का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय और पहले एशियाई बने। साहित्यकार तो वे थे ही, इसके अलावा चित्रकला और संगीत के क्षेत्र में भी उन्होंने महारत हासिल की। टैगोर की गीतांजलि, चोखेर बाली, गोरा, काबुलीवाला, चार अध्याय और घरे बाइरे सहित ढेरों बेहद चर्चित रचनाएं हैं। उनकी कई रचनाओं पर फिल्में भी बनीं। उन्होंने बचपन में ही कालिदास की शास्त्रीय कविता से बेहद प्रभावित होकर अपनी शास्त्रीय कविताएं लिखना शुरू कीं। उनकी बहन स्वर्णकुमारी भी एक प्रसिद्ध उपन्यासकार थीं। 1873 में उन्होंने अपने पिता के साथ कई महीनों तक भ्रमण किया और कई विषयों में ज्ञान हासिल किया। वे जब अमृतसर गए, तब उन्होंने सिख धर्म के बारे में सीखा और धर्म पर लगभग छह कविताएं और कई लेख लिखे।

विश्व के आदिग्रंथों की धरा है भारत

फिर हम रचनात्मक सुपर पावर क्यों नहीं ?

लोकमित्र गौतम

आप बहुत स्पष्टता से यह सिद्ध नहीं कर सकते कि महाभारत जैसा महाग्रंथ आखिर किस पक्ष में खड़ा है? अगर हम एक तरफ दुर्योधन की तमाम अनैतिकताओं, अनीतियों का प्रतिकार करते हैं, आलोचना करते हैं, तो ठीक उसी समय हम उसी महाभारत में श्रीकृष्ण द्वारा वैसे ही जाल फांस अनैतिकताओं, असत्य और अधर्म का महिमामंडल करते हैं। लेकिन एक आम इंसान बड़ी सहजता से इसे नहीं स्वीकार कर पाता कि अगर धर्म युद्ध में अभिमन्यु को घेरकर मार डालना अधर्म है, तो कमर के नीचे गदावार न करने की स्पष्ट नीति होने के बावजूद हमें भगवान कृष्ण के इशारे पर भीम द्वारा दुर्योधन की जंघा तोड़ देने की हरकत क्यों अधर्म युद्ध का हिस्सा नहीं लगती? दरअसल ज्यादातर भारतीय कथाएं इतनी सूक्ष्म और गोलाकार हैं कि भारतीय कथाएं अंत में सत्य और असत्य के धुंधलके में पहुंच जाती हैं।

इमेज

भारत में पहली बार 1 से 4 मई 2025 तक हुए वेव्स (वर्ल्ड आर्डियो/विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट) सम्मेलन में 90 से अधिक देशों के 10 हजार से अधिक प्रतिनिधियों, एक हजार से ज्यादा कलाकारों, 300 से अधिक कंपनियों और 350 से ज्यादा स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने बार-बार एक ही विषय पर 42 मुख्य सत्रों, 39 विशेष सत्रों और 32 मास्टर क्लासेज के दौरान एक ही बात पर बार-बार विमर्श हुआ कि आदिग्रंथों की धरा होने के बावजूद भारत आखिरकार रचनात्मक महाशक्ति या क्रिएटिव सुपर पावर क्यों नहीं है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि भारत के पास कहानियों का खजाना है और इसमें कोई दो राय नहीं है कि हम वाकई कहानियों के मामले में दुनिया के कथा हब हैं। बावजूद आखिर क्या ऐसी बात है कि भारत में लिखी गई कहानियां, उपन्यास या हमारे यहां बनी फिल्में दुनिया को उस तरह से क्यों नहीं झकझोर पाती, जैसे कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की कई कहानियों, उपन्यासों, फिल्मों और टीवी धारावाहिकों ने किया है? प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ए. आर. रहमान और राजामौली की तारीफ करते हुए और राजकूपर का जिक्र किया, जिनकी फिल्में जापान से लेकर रूस तक आज भी याद की जाती है। लेकिन हम यह भले हिचक के साथ कहें, पर यह तो तय ही है कि आखिरकार क्या ऐसी बात है कि हम इतनी प्राचीन सभ्यता और विराट संस्कृति के स्वामी होने के बावजूद आखिर ऐसी फिल्में, ऐसे धारावाहिक और ऐसी वेबसीरीज क्यों नहीं बना पाते, जिनकी दुनिया के हर भाषा में रियल टाइम पर तारीफ हो, अनुवाद हो और दुनिया उन कथाओं पर अपने-अपने समाज और समय की धड़कनों को महसूस करे? कहीं ऐसा तो नहीं है कि हमारी क्रिएटिविटी या हमारी रचनात्मकता की अपनी सांस्कृतिक जटिलताएं हों, हमारे अनुभव और हमारी कल्पनाएं असाधारण रचनात्मक होते हुए भी सांस्कृतिक रूप से सम्प्रेषित न हो पा रही हों? कहीं हम कल्चरल ट्रांसलेबिलिटी के शिकार तो नहीं हैं? कहीं हमारा कथात्मक ढांचा यानी नेरेटिव स्ट्रक्चर इतना अलग तो नहीं है कि दुनिया को समझ न आता हो? अगर गहराई से सोचा जाए तो कुछ-कुछ ऐसा ही है। दरअसल भारतीय जीवन दृष्टि या जीवनशैली कुछ ऐसी है कि जिसमें सच और झूठ, अच्छा और बुरा जैसे श्याम श्वेत विभाजन नहीं है। भारत के सबसे महान और तथात्मकता से भरपूर ग्रंथ महाभारत को ही लें, तो महाभारत में एक साथ नैतिकता-अनैतिकता, सत्य और असत्य, धर्म और अधर्म की कथा गंगाएं बहती हैं। आप बहुत स्पष्टता से यह सिद्ध नहीं कर सकते कि महाभारत जैसा महाग्रंथ आखिर किस पक्ष में खड़ा है? अगर हम एक तरफ दुर्योधन की तमाम अनैतिकताओं, अनीतियों का प्रतिकार करते हैं, आलोचना करते हैं, तो ठीक उसी समय हम उसी महाभारत में श्रीकृष्ण द्वारा वैसे ही जाल फांस अनैतिकताओं, असत्य और अधर्म का महिमामंडल करते हैं। हालांकि इसके पीछे बहुत सूक्ष्म तर्क और पक्षधरता मौजूद है। लेकिन एक आम इंसान बड़ी सहजता से इसे नहीं स्वीकार कर पाता कि अगर धर्म युद्ध में अभिमन्यु को घेरकर मार डालना अधर्म है, तो कमर के नीचे गदावार न करने की स्पष्ट नीति होने के बावजूद हमें भगवान कृष्ण के इशारे पर भीम द्वारा दुर्योधन की जंघा तोड़ देने की हरकत क्यों अधर्म युद्ध का हिस्सा नहीं लगती? दरअसल ज्यादातर भारतीय कथाएं इतनी सूक्ष्म और गोलाकार हैं कि भारतीय कथाएं अंत में सत्य और असत्य के धुंधलके में पहुंच जाती हैं। कथा सम्राट प्रेमचंद की कहानी 'कफन' में अंततः आप स्पष्ट ढंग से यह तय नहीं कर सकते कि कहानी में नायक कौन है? आखिर कथा किसके प्रति सहानुभूति पैदा करती है? क्या उन बाप-बेटों के प्रति जो अपनी पुत्रवधु को बेरहमी से तड़प-तड़पकर मरते देखना इसलिए स्वीकार करते हैं कि कहीं एक के वहां से उठ जाने पर दूसर भुना हुआ आलू न गरक कर लें। यह एक नजर से अमानवीय की पराकाष्ठा है और दूसरी तरफ हम इसी पराकाष्ठा से चरम संवेदना के हाहाकार का स्रोत तलाशते हैं। पश्चिमी समाज को यह जटिल कथाबोध समझ में नहीं आता। पश्चिमी लोग कभी नहीं तय कर पाते कि अगर रावण इतना ही महान ज्ञानी, परमसुविज्ञ, तपस्वी और महानभक्त था, तो फिर वह जानबूझकर ऐसी गिरी हुई हरकतें क्यों करता है कि अपनी हरकतों के चलते समूचे कुल का नाश करवा लेता है। एक भी व्यक्ति कुल का दीया जलाने के लिए नहीं बचता। क्या ये हमारे रचनाकारों की परमप्रज्ञा स्थिति में पहुंच जाने का नतीजा है कि वे अच्छाई और बुराई को बहुत स्थूल रूप में नहीं देख पाते। क्या यह महान बौद्धिकता की अपनी जटिलताएं हैं? पश्चिम का समाज सीधे सपाट कथा क्रम पर भरोसा करता है, वही उसे पसंद आता है। इसलिए पश्चिम की महान कथाएं स्पष्ट रूप से एक सीधी यानी लाइनर कथाएं होती हैं।

गीता सार

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति ।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति ॥

भावार्थ :

जो मनुष्य सभी प्राणियों में मुझ परमात्मा को ही देखता है और सभी प्राणियों को मुझ परमात्मा में ही देखता है, उसके लिए मैं कभी अदृश्य नहीं होता हूं और वह मेरे लिए कभी अदृश्य नहीं होता है। (३०)

पाठक पाती

भारत-कनाडा संबंध नए दौर में

भारत-कनाडा में नीतिगत मुद्दों को लेकर अक्सर तनाव देखने में आया है। खालिस्तान मुद्दा एक इसकी बड़ी वजह है। निवर्तमान प्रधानमंत्री ट्रूडो ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, इसकी वजह से भी रिश्तों में खटास आई। अब मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने से भारत-कनाडा संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है। ट्रंप सरकार की टैरिफ नीतियों और धमकियों से कनाडाई मतदाताओं का रुख लिबरल पार्टी के पक्ष में हो जाने से उसे बहुमत मिला। हालांकि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार की आलोचना भी हो रही थी। ट्रूडो सरकार के दौरान खालिस्तान समर्थक गतिविधियों और निज्जर हत्या मामले में भारत पर लगाए आरोपों ने दोनों देशों के संबंधों को बिगाड़ा। लेकिन इस चुनाव में जगमीत सिंह की हार से कट्टरपंथ पर लगाम की उम्मीद बढ़ी है। कार्नी न सिर्फ उदार विचारों के नेता हैं, बल्कि अर्थशास्त्री भी हैं और भारत के साथ मजबूत आर्थिक साझेदारी की आवश्यकता को समझते हैं। हालांकि रिश्तों में सुधार के लिए चरमपंथ और अभिव्यक्ति की आज़ादी के बीच संतुलन बनाना जरूरी होगा। आने वाला समय इन संबंधों की दिशा तय करेगा।

- अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

पाठकनामा के लिए आप भी हमें अपने विचार ई-मेल या फैक्स द्वारा भेज सकते हैं।
ई-मेल jagruktimes@gmail.com

बोले तो...

जनगणना में प्रश्नावली का डिजाइन बहुत महत्वपूर्ण है। जाति संबंधी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण को इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया था।

- मल्लिकार्जुन खरगे

आज भारत के पास सिर्फ टैलेंट नहीं है, बल्कि उसे पूरी दुनिया में भेजने की क्षमता भी है। आज अमेरिका में भारतीय टेक प्रोफेशनल्स और उद्यमी हैं, यूरोप व नॉर्थ अमेरिका में ब्लू कॉलर वर्कर्स और स्वरोजगार करने वाले लोग हैं, तो दुनिया के कई देशों में भारतीय वैज्ञानिक और शोधकर्ता भी योगदान दे रहे हैं।

- एस. जयशंकर

तीर्थ स्थलों की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। कुछ लोग तीर्थ स्थलों पर अमर्यादित व्यवहार करते हैं, जिससे धामों की महत्ता के साथ श्रद्धालुओं की आस्था पर ठेस पहुंचती है। तीर्थाटन व पर्यटन में अंतर को समझना जरूरी है। देवभूमि आने वाले हर श्रद्धालु के लिए दर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए।

- अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

कुछ अलग | अजब गजब

बेगम लाने घोड़ी पर बैठा दूल्हा, देखते ही हंस पड़ीं सालियां, जीजाजी को देख हुईं बेहोश!

शादी-ब्याह में हर कोई अपनी जिंदगी में सबसे खूबसूरत दिखना चाहता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ लकड़ियां ही अपनी शादी में मेकअप से लेकर गेटअप का ध्यान रखती है तो आप गलत हैं। हर दूल्हा भी इस दिन निखर कर दिखना चाहता है। इसके लिए अपनी शेरवानी से लेकर सेहरे तक पर उनका ख़ास ध्यान रहता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एक फूलवाले ने भी अपनी दुकान खोल दी है। इसका काम है दूल्हों के लिए सेहरा बनाना। नासिक के एक फूलवाले ने दूल्हों के लिए खास सेहरा बनाने का काम शुरू किया है। उनके काम की एक झलक सोशल मीडिया पर दिखाई गई। इसे देखने के बाद लोगों की हंसी छूट गई। दरअसल, सेहरा बांधने की जगह दूल्हे को चलता-फिरता गुलदस्ता ही बना दिया गया। ऊपर से नीचे तक दूल्हे राजा को फूलों से लाद दिया गया। जब उसका फाइनल लुक दिखाया गया, तो सबके होश ही उड़ गए। वायरल हो रहा ये वीडियो लोगों को जमकर गुदगुदा रहा है। इसमें एक शख्स को निकाह से पहले तैयार होते देखा गया। सबसे पहले दूल्हे के बाजुओं पर फूलों की एक बड़ी लरी बांधी गई। इसके बाद उसके सिर पर फूल सजाए गए। अगर आपको लग रहा है कि मामला यहीं आकर खत्म हो गया तो जरा ठहरिए। काजी साहब ने इसके बाद एक बड़े से फूलों के लबादे को दूल्हे के चारों तरफ लपेट दिया। जब इससे भी मन नहीं भरा तो उसके मुंह पर फूलों से बना मास्क लगा दिया।

हंसते-हंसते लोटपोट हुए लोग

वीडियो को नासिक का बताया जा रहा है। यहां अयाज भाई फूलवाले ने दूल्हों के लिए स्पेशल सेहरा बनाना शुरू किया है। अपने इंस्टाग्राम पर इस फूलवाले ने और भी सेहरा बांधे दूल्हों का वीडियो शेयर किया है। इसे देखने के बाद लोगों की हंसी छूट गई। दूल्हे को फूलों की दुकान से लेकर चलता-फिरता गुलदस्ता तक बताया गया। वहीं कई ने लिखा कि ऐसे दूल्हे को देखकर दुल्हन के साथ-साथ सालियां भी बेहोश हो जाएंगी। बता दें कि अपने इस अनोखे सेहरे की वजह से ये फूलवाला सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हो रहा है।

युवक के आत्महत्या करने से उपजा विवाद

परिजनों ने पुलिसकर्मी पर लगाया बदसलूकी का आरोप

शहर थाने में जमकर किया विरोध प्रदर्शन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

आबूरोड। गांधीनगर में सोमवार शाम को एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने शहर कोतवाली के हेड कांस्टेबल पर युवक के साथ बदसलूकी करने, उसका चालान काटने, बाइक जब्त करने का आरोप लगाते हुए सभी कोतवाली पहुंचे। इसके बाद प्रभावी कार्रवाई का भरोसा दिलाने पर आक्रोश के स्वर शांत हुए।

पुलिस के अनुसार गांधीनगर के भाटवास निवासी सुनील कुमार पुत्र मीठालाल बंजारा रिपोर्ट देकर बताया कि सोमवार शाम को करीब 6 बजे वह घर पर बैठा था। तभी उसका भाई अशोक पुत्र मीठालाल बंजारा रोता हुआ घर आया और पूछने पर उसने ने बताया कि वह आकराभट्टा से बाइक से घर आ रहा था। गांधीनगर पुलिया के पास शहर पुलिस थाने की गाडी खड़ी हुई थी। उसे पुलिस कर्मी दिलीप मीणा ने रोका उसकी गाडी जब्त कर चालान बनाया। हाथा जोड़ी करने पर लोगों के बीच में उसके तीन-चार थपपड मारकर लोगों के सामने इज्जत खराब की। इतना कहकर जोर जोर से रोने लगा। इस पर उसे समझा बुझाकर घर भेज दिया। वह उसके घर पर जाकर काम कर रहा था। इसी दौरान उसका छोटा लकड़ा वीर चिल्लाता हुआ भागकर आया और उसने बताया कि बडे बा ने फांसी खा ली है। वह भागकर गया और अशोक को नीचे उतारकर अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। रिपोर्ट में पुलिसकर्मी द्वारा सार्वजनिक रूप से मारपीट कर इज्जत खराब करने से आत्महत्या करने का हवाला दिया।

इस कारण से भड़के परिजन

अशोक को निजी अस्पताल में चिकित्सक ने उसे मृत घोषित करने के बाद परिजनों द्वारा मृतक का श्मशान में अंतिम संस्कार किया जा रहा था। मामले की भनक लगते ही शहर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया। इसी दौरान परिजन भड़क गए और सभी लोग शहर थाने पहुंचे। जहां उन्होंने जमकर आक्रोश व्यक्त कर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। शहर कोतवाली के हेड कांस्टेबल दिलीप मीणा पर गांधीनगर पुलिया के पास मृतक के साथ बदसलूकी, मारपीट करने, उसकी बाइक जब्त कर चालान बनाने व इसी से परेशान होकर युवक के आत्महत्या करने का हवाला दिया। आक्रोशित लोगों ने हेड कांस्टेबल के खिलाफ कार्रवाई करने, उसे सेवा से बर्खास्त करने, पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। मौके पर मौजूद पालिकाध्यक्ष मगनदान चारण, उपखंड अधिकारी शंकरलाल मीणा, पुलिस उपाधीक्षक गोमाराम चौधरी ने आक्रोशित लोगों को समझने का प्रयास किया. काफी देर तक दोनों पक्षों में तर्क-वितर्क चला रहा। काफी देर तक चली समझाइश व प्रभावी कार्रवाई करने के आश्वासन के बाद लोगों के आक्रोश के स्वर शांत हुए।

यह की मांग

परिजनों को समाज बंधुओं ने पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई कर बर्खास्त करने, पीड़ित परिवार को 50 लाख की सहायता, मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने, मृतक के बच्चों के लिए पालनहार साहित समस्त सरकारी योजनाओं का तुरंत लाम दिलाने, बच्चों की शिक्षा के लिए आरटीई में तुरंत एडमीशन दिलाने की मांग की।

कुंडियां और परिंदे किए वितरित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। भीषण गर्मी को लेकर वॉइस ऑफ एनिमल्स ग्रुप की ओर से जल सेवा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत शहर समेत आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क पानी की कुंडियां वितरित की जा रही है। ध्यान में रखते हुए जल सेवा अभियान चलाया जा रहा है। गोपालसिंह राव ने बताया कि मंगलवार को सरजावाव गेट के बाहर परिंडे का वितरण किया गया, ताकि लोग अपने घरों और छतों पर उन्हें रखकर पशु.पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था कर सकें। तृप्ति जैन ने बताया कि गर्मी में हर साल बहुत से पशु और पक्षियों की जान प्यास से चली जाती है, और इसी को रोकने के लिए हमने यह जल सेवा मुहिम शुरू की है। अशोक विश्नोई ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि अपने घरों और दुकानों पर पशु.पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था अवश्य करें। जगदीश विश्नोई, दुर्गेश कुमार, तनुजा रावल, तरुण सोलंकी, प्रसन्न टांक सुरजीतसिंह और स्वयं रावत का सहयोग रहा।

घोड़ी स्थापना महोत्सव सम्पन्न

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जावाल। बरलूट कस्बे के गोरिया स्थित धोनारी वीर व सोनगरा मामाजी मन्दिर में देवासी समाज की ओर से शुभमुहूर्त में घोड़ी स्थापना महोत्सव संतों के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। पहले दिन सोमवार रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया। दूसरे दिन घोड़ी स्थापना के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया गया। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अमराराम प्रजापत ने संबोधित किया। मंदिर को रंग बिरंगी रोशनियों से सजाया गया। मेले के सफल आयोजन को लेकर युवा ने विशेष सहयोग किया ।

सारणेश्वर में झरनों के बहाव क्षेत्र एवं खेत की सीमा पर किए अतिक्रमण को हटाने की मांग

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। सारणेश्वर के ग्रामीणों ने मंगलवार को जिला कलक्टर अल्पा चौधरी को ज्ञापन देकर सारणेश्वर में झरनों के बहाव क्षेत्र एवं खेत की सीमा पर किए अतिं मण को हटाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि सारणेश्वर गांव की सैकड़ों बीघा भूमि पर बाहरी लोगों ने अतिं मण कर दिया है। जिससे गोचर समाप्त हो रही है। इसके अलावा इन्होंने पहाड़ी से निकलने वाले बरसाती झरनों के आवक क्षेत्र में कच्चे झोपड़े बनाए है। ज्यादा अतिं मण पहाड़ी के भाग वाले क्षेत्र में किए है। आए दिन अतिं मण बढने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। ये अतिं मी उदयपुर जिले के है। ये लोग स्थानीय कृषि फार्म एवं खेती बाड़ी करने वालों के साथ मारपीट करते है। आए दिन खेतों में बाड़ को तोडक़र मवेशी डाल रहे है। इनको मना करने पर झगड़ा करने पर उतारु हो रहे है। ये लोग आए दिन झोपड़े बनाकर बाहरी लोगों को पचास-पचास हजार में बेच रहे है। इससे दिन ब दिन बाहरी लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

चोरियों के राज खुलने की संभावनाएं

जिला कलक्टर के अलावा पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार को ज्ञापन देकर अतिं मियों के झोपड़ों की जांच की मांग की है। ताकि आए दिन होने वाली चोरियों के राज भी खुलने की संभावनाएं बनेगी। बाहरी लोगों का भी सत्यापन किया जाए ताकि स्थानीय काश्तकारों के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं से राहत मिले।

बोलेरो-जीप की भिड़ंत, 12 घायल

जागरूक टाइम्स संवाददाता

आबूरोड। अंबाजी मार्ग पर सोमवार देर रात को दो जीपों की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें एक जीप में दस तथा दूसरी में दो लोग घायल हो गए। सूचना पर रीको पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय ले जाया गया। पुलिस के अनुसारअंबाजी मार्ग पर सियावा में बस स्टैंड के पास रविवार दिन रात को दो जीपों की भिड़ंत हो गई। हादसे के चलते चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। साथ ही रीको पुलिस व 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची रीको पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला तथा 108 एंबुलेंस से आकराभट्टा स्थित उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

ये लोग हुए घायल

दुर्घटना में भमरिया निवासी मुकेश पुत्र भीखा, उपलाखेजड़ा निवासी नरसा पुत्र भीमा, उपला खेजड़ा निवासी कनकी पत्नी र।ा, उपला खेजड़ा निवासी किकी पत्नी नाना, उपलाखेजड़ा निवासी सकुरी पत्नी वैराराम, उपलाखेजड़ा निवासी कांता पत्नी शंकर, उपलाखेजड़ा निवासी गोवाराम पुत्र उदा, उपलाखेजड़ा निवासी समा पुत्र केसर, उपलाखेजड़ा निवासी रामाराम पुत्र हुसा, उपलाखेजड़ा निवासी सेवरी पत्नी काला, उपलाखेजड़ा निवासी काला पुत्र भूरा, आवल निवासी रमिला पत्नी विरमा का प्राथमिक उपचार किया गया। वही नरसा, कनकी, किकी, गोमाराम, सोमा, रामाराम, सवेरी, काला को उपचार के लिए अन्यत्र रेफर किया गया।

महात्मा गांधी विद्यालय में मांगे नर्सरी से दसवीं की सीटों के लिए आवेदन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पोसालिया। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में नर्सरी से दसवीं तक रिक्त सीटों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रीमती कविता ने बताया कि रिक्त सीटों के लिए 7 जून से 15 जून तक आवेदन लिए जाएंगे। 16 को नाम चस्पा किया जाएंगे। 17 को लॉटरी निकाली जाएगी। 18 को चयनित विद्यार्थियों की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड चस्पा कर सूचित किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया को 19 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उधर, उथमण गांव में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में सत्र 2025 -2026 में कक्षा एक से सात तक नवीन प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है। प्रधानाचार्य प्रताप सिंह राठौड़ ने बताया कि 7 मई से 15 जून तक प्रवेश के लिए आवेदन लिए जाएंगे 16 को प्रवेश आवेदन पत्रों की सूची व कक्षावार रिक्ति यों की सूचना चस्पा की जाएगी 17 को लाटरी 18 को लाटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों की सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी 19 को प्रवेश कार्य पूर्ण कर 1 जुलाई से शिक्षण कार्य आरंभ होगा।

पिण्डवाड़ा। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अग्रेजी माध्यम) में कक्षा 1 से 5वीं तक के लिए बुधवार से 15 जून तक आवेदन मांगे है। 16 को आवेदन पत्रों की सूची व कक्षा वार रिक्ति यों की सूचना नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। 17 को लॉटरी निकाली जाएगी। 18 को लॉटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियो की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी तथा 19 को प्रवेश कार्य तथा एक जुलाई से शिक्षक कार्य प्रारंभ होगा।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में कार्यकर्ता निभाएंगे अहम भूमिका

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अभ्यास के तहत प्रस्तावित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। इस अभ्यास में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से सक्रिय भागीदारी निभाई जाएगी। इस संबंध में जिला संयोजक छत्रासिंह देवड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ दिनेशराय सापेला को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया कि जम्मू.कश्मीर जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में देश को हर स्तर पर तैयार रहने की आवश्यकता है। यह मॉक ड्रिल 244 जिलों में आयोजित की जा रही है। जिसमें युवाओं को आपदा प्रबंधन, सुरक्षा, और त्वरित सहायता के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। संगठन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर जिले में युवाओं को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए मानसिक व शारीरिक रूप से तैयार किया जाए। सिरोही शिवगंज भाग संयोजक प्रथम खत्री, प्रांत जनजाति संयोजक प्रकाश राणा, महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष रोहित मीणा, प्रांत खेलो भारत सह संयोजक वनेपालसिंह मौजूद रहे ।

जीप की टक्कर से दो बाइक सवार की मौत

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सरुपगंज। फोरलेन पर उडवारिया टोल प्लाजा के पास सोमवार रात एक जीप चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार काछोली निवासी असलम शेख पुत्र यासीन खान ने रिपोर्ट देकर बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। उसका भाई काछोली निवासी अविनाश खान पुत्र यासीन खान भी अन्य मोटरसाइकिल से उससे आगे चल रहा था। तभी एक जीप चालक ने ओवरटेक करते हुए ने उसके भाई की मोटरसाइकिल एवं एक अन्य मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इसके बाद जीप बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में पिकअप व बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। अविनाश खान को देखा तो वह गंभीर रूप से घायल था। दूसरे मोटरसाइकिल पर सवार काछोली निवासी ईश्वर पुत्र वेलाराम मेघवाल भी गंभीर घायल हुआ। सूचना मिलने सहायक उप निरीक्षक नरेंद्रसिंह मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित किया। मंगलवार सवेरे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किए।

अब जिला अस्पताल में अपडेट रहेगी पीडब्ल्यूडी चौकी

रख-रखाव और रोगी सुरक्षा के लिए नई एसओपी जारी

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में रोगियों की सुरक्षा और भवनों के समुचित रखरखाव के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से संयुक्त रूप से नई मानक संचालन प्रिं या (एसओपी) लागू की गई है। इस पहल के तहत सिरोही जिले में भी संबंधित अस्पतालों में पीडब्ल्यूडी चौकी स्थापित की जाएगी।

24 घंटे संचालित होगी हेल्पलाइन

चौकी पर 24 घंटे प्लम्बर और इलेक्ट्रीशियन उपलब्ध रहेंगे। जबकि दिन के समय में कारपेंटर और वेल्डर भी सेवाएं देंगे। इसके अतिरिक्त, रखरखाव से जुड़ी शिकायतों के लिए 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन सुविधा उपलब्ध रहेगी। अस्पताल भवनों के वार्षिक रखरखाव के लिए निर्माण लागत की 2 प्रतिशत राशि आरक्षित की जाएगी। जिसका उपयोग पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाएगा। भवन लागत की गणना 28 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से होगी।

इन कामों का होगा रखरखाव

रखरखाव कार्यों में रिसाव मुक्त प्लंबिंग, जलरोधी छत, विद्युत मरम्मत, प्लास्टर सुधार, खिड़की-दरवाजे, लाइट-फैन की मरम्मत तथा अन्य संरचनात्मक सुधार प्रमुख रूप से शामिल होंगे। एसी, डीजी सेट, ऑक्सीजन पाइपलाइन, लिफ्ट, सीसीटीवी जैसे उपकरणों का वार्षिक और व्यापक रखरखाव अनुबंध भी अब पीडब्ल्यूडी के माध्यम से किए जाएंगे। शिकायतों का निवारण सत्यापन के उपरांत ही भुगतान योग्य होगा। एसओपी के अनुसार भवनों का वार्षिक सर्वेक्षण कर फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं अभियंताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

जागरूक टाइम्स संवाददाता

आबूरोड़। श्रीमती चन्द्रावल गुप्ता महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में समाजोपयोगी उत्पादक कार्य के तहत् पाठ्य सहगामी गतिविधियों के साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। चौथे दिन मंगलवार को फ्लॉवर एवं पॉट मेकिंग तथा खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़प्रतियोगिता में समस्त छात्राध्यापिकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। मुख्य ट्रस्टी हरीशगुप्ता एवं प्राचार्या डॉ. अलका जैन आदि मौजूद रहे।

बचाव एवं राहत व्यवस्थाए को लेकर बैठक 15 को

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। वर्षा ऋतु में संभावित बाढ़, चक्रवात व अत्यधिक वर्षा की स्थिति के दौरान बचाव एवं राहत व्यवस्थाए सुनिश्चित करने को लेकर 15 मई को जिला कलक्टर अल्पा चौधरी की अध्यक्षता में कृषि के आत्मा सभागार में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी अति. जिला कलक्टर डॉ दिनेश राय सापेला ने दी।

सड़क पर बिखरी कपची, वसूला जुर्माना

जागरूक टाइम्स खबर का असर

जागरूक टाइम्स संवाददाता

मंडार। रेवदर व मगरीवाड़ा की ओर से आने वाले कपची (कंक्रीट) से भरे ओवरलोड डंपर बेरोकटोक गुजरते तथा इनसे हादसे का खतरा बना रहता था। कई बार अचानक ब्रेक लगाने पर कंक्रीट सड़क पर बिखर जाती है। सोमवार को कपची (कंक्रीट) से ओवरलोड एक डंपर चालक ने पीथापुरा चौराहा अस्पताल पुलिया के पास ब्रेक लगाए तो उसमें भरी कंक्रट सड़क पर बिखर थी। जिसको लेकर आसपास के ग्रामीणों ने आक्रोश जताया था। जागरूक टाइम्स मे डंपर चालक ने लगाए ब्रेक, सड़क पर बिखरी कंकरीट के शीर्षक से प्रकाशित समाचार के बाद एएसआई मोहनलाल विश्नोई ने मौके से कंकरीट को श्रमिको से हटवाकर सड़क को साफ करवाया तथा डंपर चालक के खिलाफ कार्रवाई कर जुर्माना वसूलकर पाबंद किया। ग्रामीणों ने जागरूक टाइम्स की सराहना की।

जागरूक टाइम्स

डंपर चालक ने सड़क पर डाली कपची, आवागमन में परेशानी

नकबजनी का 24 घण्टे में पर्दाफाश

चोरी का माल बरामद एक गिरफ्तार

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सरुपगंज। नितोडा गांव में नकबजनी की वारदात का 24 घण्टे में पर्दाफाश कर चोरी का माल बरामद कर एक जने को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी कमलसिंह ने बताया कि नितोडा में घटनास्थल पर पहुंच घटना का निरीक्षण किया गया। प्रार्थी के सामने के कमरे में उसके गांव का ही पिन्टु किराए पर रहता था। पुलिस को इस पर संदेह होने पर उसे दस्तयाब कर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर कनेरा चितोड़ा निवासी पिन्टू चारण पुत्र बालकृष्ण चारण ने नितोडा में घटना करना स्वीकार किया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर उसके पास से माल बरामद किया।

अग्नि को साक्षी मानकर एक--दूजे के हुए पांच जोड़े

वैष्णव वैरागी चस का पहला सामूहिक विवाह

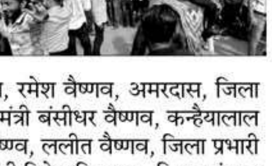

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सिरोही। अनादरा चौराहा स्थित कुम्हार समाज धर्मशाला में मंगलवार को सिरोही जिला वैष्णव वैरागी समाज चस सिरोही के तत्वावधान में पहला आदर्श सामुहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनभर उत्साह व चहल-पहल नजर आई। शुभ मुहूर्त में दूल्हा- दुल्हनों के पांच जोड़ों ने सभी की साक्षी में सात जन्मों तक साथ देने का वचन देते हुए फेरे लिए और अटूट बंधन में बंध गए। समारोह के दौरान विवाह समारोह में सहयोग करने वाले भामाशाहों का सम्माना किया गया। जिला वैष्णव वैरागी समाज चतु सम्प्रदाय सेवा समिति सिरोही के जिलाध्यक्ष सुरेश वैष्णव, सरंक्षण कान्तिलाल वैष्णव, आत्माराम वैष्णव, सचिव प्रवीण वैष्णव, कोषाध्यक्ष अशोक वैष्णव, सह सचिव रामकरण वैष्णव, सह कोषाध्यक्ष जितेन्द्र वैष्णव, उपाध्यक्ष खीमदास, ईश्वरदास, भेरूदास, कालीदास, रमेश वैष्णव, अमरदास, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मणदास वैष्णव, जिलामंत्री बंसीधर वैष्णव, कन्हैयालाल वैष्णव, शंकरदास, हिरादास, मगनदास वैष्णव, ललीत वैष्णव, जिला प्रभारी मंत्री कमलेश वैष्णव, जिला सह प्रभारी मंत्री दिनेश दिवाकर, जिला संगठन मंत्री नारायण दास, माधुदास, जितेन्द्र, कल्याणदास, गोविन्द प्रसाद, प्रचार मंत्री रामचन्द्र वैष्णव, सलाहाकार ओम प्रकाश वैष्णव तथा कार्यकारणी के सदस्यों का सहयोग रहा।

जैसलमेर : कर्रा रोग से 500 गायों की मौत

▪ जागरूक टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। भीषण गर्मी में जैसलमेर जिले में फैलने वाले कर्रा रोग के कारणों की जांच के लिए जयपुर से आई पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों की टीमों ने जिले के अलग-अलग गांवों में पहुंचकर बीमार गाय के ब्लड व यहां के पानी, मिट्टी एवं चारे के सैंपल लिए हैं। इन सैंपलों की जांच जयपुर स्थित पशुपालन विभाग की लैब में की जाएगी। जिले में गायों में फैल रहे कर्रा रोग को लेकर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने संज्ञान लिया। पशुपालन मंत्री के निर्देशों के बाद जयपुर से जांच के लिए टीमें जैसलमेर पहुंची। रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। डा. उमेश वरगंटिवार, संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग का कहना है कि पशुपालन मंत्री के निर्देशों पर जयपुर से टीमें आई थी। टीमों द्वारा प्रभावित इलाकों में गाय के ब्लड, मिट्टी, पानी व चारे के सैंपल लिए गए हैं। अब इनमें पोषक तत्वों की जांच की जाएगी। फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। मौतों में कमी आई है।

▸▸ जयपुर से आई टीम का 20 गांवों का दौरा
▸▸ पानी, मिट्टी, ब्लड व चारे के सैंपल जुटाए

टीम ने 20 गांवों का दौरा किया

जयपुर से आए पशुपालन विभाग के विशेषज्ञ डा. एसके जिरवाल, डा. संदीप शर्मा व डा. विकास गालव ने रिदवा, भागू का गांव, आकल, बडोड़ा गांव, सोनू, मोकला, पारेवर सहित 20 गांवों का दौरा किया। उन्होंने इन सभी गांवों से पानी, ब्लड, चारा व मिट्टी के सैंपल लिए। पशु चिकित्सकों का कहना है कि चारे में फासफोरस तत्व की कमी तथा दुधारु गायों में दुग्ध उत्पादन के कारण उसके शरीर में फासफोरस तथा अन्य पोषक तत्वों की कमी थी।

शव दफनाने से बीमारी का फैलाव कम

कर्रा रोग के प्रभावी रोकथाम को लेकर जयपुर से लेकर जैसलमेर तक अधिकारियों की ओर से प्रयास किए जा रहे है। वहीं कलेक्टर व जिला परिषद सीईओ की ओर से ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि मृत गायों के शवों का वैज्ञानिक विधि से गड्ढा खोदकर शव का निस्तारण किया जाए। वैज्ञानिक विधि से शवों का निस्तारण होने पर गायों की मौतों में भी कमी आई है। स्थिति की बात करें तो ग्रामीणों के अनुसार अब तक 500 से भी ज्यादा गायों की मौत हो चुकी है, वहीं सरकारी रिकॉर्ड में अब तक 190 गोवंश कर्रा रोग की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं।

बाड़मेर : बारिश-आंधी का अलर्ट

▸▸ चार दिन बाद बढ़ेगी गर्मी, तापमान में 16 डिग्री की गिरावट

बाड़मेर। रेतीले तूफान और बारिश के बाद रेगिस्तानी जिले बाड़मेर में लोगों को गर्मी से राहत मिल गई। 24 घंटों से मौसम सुहाना बना हुआ है। अधिकतम पारा नौ डिग्री गिरकर 30.6 सेल्सियस पहुंच गया। इस माह के पांच दिनों में 16 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 10 मई तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। रेत के बवंडर से डिस्कॉम को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सोमवार को जिले के शहर सहित ग्रामीणों इलाकों में अधिकांश जगह लाइट गुल रही।

रेतीले तूफान ने तबाही मचाई

दरअसल, बाड़मेर पश्चिमी राजस्थान में तीसरे दिन भी लगातार रेतीले तूफान ने तबाही मचाई। सोमवार अलसुबह करीब पौने चार बजे 90-100 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से आए रेत के बवंडर ने पूरे बाड़मेर जिले में जमकर तबाही मचाई। इससे सर्वाधिक नुकसान डिस्कॉम को हुआ है। 1800 से ज्यादा बिजली के पोल टूट गए। कई जगह ट्रांसफॉर्मर गिर गए। अंधड़ से करीब 500 से ज्यादा गांवों में 24 घंटे तक ब्लेक आउट रहा।

जैसलमेर : 13 डिग्री गिरा पारा

▪ दिन का तापमान 33 व रात का पारा 21 डिग्री पहुंचा

जैसलमेर। जैसलमेर में पिछले दिनों आंधी व बरसात के कारण मौसम पूरी तरह से बदल गया है। गत एक मई को तापमान जहां 46.7 डिग्री पहुंच गया था। इन चार दिनों में आंधी व बरसात के कारण अधिकतम तापमान में 13 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बात करे तो पिछले 20 सालों में यह तीसरी बार है जब मई महीने में तापमान में गिरावट के साथ 33 डिग्री के पास पहुंच गया है। मौसम विभाग ने भी जिले में आंधी व बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी एक सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहेगा। इसके बाद तापमान में फिर से तेजी होगी। जिससे गर्मी का असर भी बढ़ेगा। गौरतलब है कि आमतौर पर अप्रैल में गर्मी का मौसम शुरू होने के बाद मई में तेज धूप के कारण तापमान व गर्मी में बढ़ोतरी ही होती है। लेकिन इस बार आंधी व बरसात के दौर चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। आंधी व बरसात के कारण आमजन को गर्मी से पूरी तरह से निजात मिल गई है। सोमवार को भी तल्ख धूप नहीं थी। इसके साथ ही बादलों की आवाजाही से उमस का असर जरूर देखने को मिला। लेकिन बीच-बीच में हवाओं के चलने से गर्मी का असर पूरी तरह से गायब हो गया। सोमवार को अधिकतम तापमान 33.9 व न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी एक सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

जोधपुर में मौसम बदला, छाए बादल

जोधपुर। जोधपुर में मौसम में बदलाव का असर मंगलवार को भी देखने को मिला। शहर के कई हिस्सों में दिन में हल्की बारिश भी हुई। सुबह से ही बादल छाए रहने की वजह से आसमान में धूप नहीं निकली। वहीं इसकी वजह से पिछले कई दिनों से गर्मी की वजह से परेशान लोगों को भी राहत मिली है। मंगलवार को जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में दोपहर के समय हुई बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया। हालांकि कई ऐसे इलाके भी रहे, जहां पर बारिश नहीं हुई, लेकिन जोधपुर शहर में बादल छाए हुए होने की वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिली। मौसम विभाग की ओर से भी जोधपुर सहित कई जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया था। पिछले कुछ दिनों से जोधपुर के मौसम में अचानक से बदलाव आया हुआ है। इसके चलते आंधी के साथ ही बारिश का दौर भी शुरू हो गया।

▪ सुबह से नहीं खिली धूप
▪ तापमान में आई गिरावट

मॉक ड्रिल की तैयारियों में जुटी सिविल डिफेंस टीम

जोधपुर। जोधपुर में सिविल डिफेंस टीम ने बुधवार को होने वाली मॉक ड्रिल की तैयारी की। जोधपुर में सिविल डिफेंस के वॉलंटियर्स आपातकालीन स्थितियों में काम आने वाले संसाधनों से पूर्वाभ्यास भी करते नजर आए। जोधपुर में मॉक ड्रिल की तैयारी के तहत मैन्युअल सायरन को चलाकर चेक किया गया। इसकी आवाज डेढ़ किमी तक सुनाई देती है। इसको चलाने के बाद कभी भी नियंत्रित किया जा सकता है। वहीं, इलेक्ट्रिक सायरन को एक बार स्टार्ट करने के बाद 15 मिनट तक रोका नहीं जा सकता और इस की आवाज चार से पांच किलोमीटर तक सुनाई देती है। 400 वॉलेंटियर की टीम तैयार जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि एयर स्ट्राइक से बचने के लिए मॉक ड्रिल होगी। एयर सायरन बजाए जाएंगे। इसके साथ ही सिविल डिफेंस के वॉलेंटियर को शहर में भेजा जाएगा। इसमें वे शहरवासियों को बताएंगे कि सायरन के दौरान हमें कैसे बचना और किन बातों का ध्यान रखना है। इसके अलावा छह से सात तरह की सर्विस, जैसे-फायर, सिविल, मेडिकल, पुलिस और रेस्क्यू इन सभी के ऑर्डिनेशन के लिए ब्रीफ किया गया है। सभी शहरवासियों से अपील करना चाहूंगा कि इसमें पैनिक होने की जरूरत नहीं है। यदि इस तरह के सायरन सुनाई दे तो हमें कैसे अलर्ट रहना है और कैसे हमारी जान बचानी है। कलेक्टर ने बताया कि सिविल डिफेंस के 400 वॉलेंटियर को बता दिया गया है कि उन्हें क्या करना है।

▪ जोधपुर में एयर स्ट्राइक से बचने के लिए वॉलेंटियर बताएंगे तरीके, सायरन चेक किए

जोधपुर : युवती घर से लापता

▪ अभी तक नहीं लगा सुराग

जोधपुर। जोधपुर में 21 साल की युवती के घर से लापता हो जाने का मामला सामने आया है। लड़की परिजनों को बिना बताए घर से चली गए। लड़की के पिता ने इस संबंध पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। लड़की के पिता ने करवड़ थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी 21 साल की लड़की रविवार रात को घर से बिना बताए कहीं चली गई। जो अभी तक वापस घर नहीं लौटी। परिजनों ने की काफी जगह तलाश की। लेकिन लड़की का अभी तक कहीं कोई सुराग नहीं लगा। लड़की के पिता ने एक युवक पर लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने का संदेह जताया है। फिलहाल परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस लड़की की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक मोहनराम कर रहे हैं।

पेट्रोल बम फेंकने वाले दो गिरफ्तार

▪ जागरूक टाइम्स संवाददाता

जोधपुर। जोधपुर के सरदारपुरा थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी को लेकर चल रहे विवाद के बीच प्रॉपर्टी को ही आग लगा देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि 27 अप्रैल को इसको लेकर सरदारपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने जीवराज सिंह सोढा (21) पुत्र तन सिंह राजपूत निवासी सोढा बस्ती आंबे का पार जिला बाड़मेर और कमल सिंह पुत्र हीर सिंह निवासी अभयगढ़ सेतरावा पुलिस थाना देचू को गिरफ्तार किया है। बता दें कि सुभाष सिंह ने सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। बताया था कि सरदारपुरा क्षेत्र में उनका ऑफिस था, जहां पर पेट्रोल बम से प्रॉपर्टी को जलाने की कोशिश की गई। फर्स्ट फ्लोर पर स्थित उनके ऑफिस को आग लगा दी गई, जिसके चलते ऑफिस में रखे दो लाख से ज्यादा नगद और प्रॉपर्टी के कागजात आदि जलकर राख हो गए थे। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया था। इस मामले में फरार आरोपियों को पुलिस ने पकड़ने में सफलता हासिल की है।

▪ आपसी रंजिश का मामला

नुक्कड़ नाटक के जरिए किया जागरूक

▪ जागरूक टाइम्स संवाददाता

▸▸ विधि संकाय के छात्रों ने साइबर अपराध के बारे में बताया

जोधपुर। जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थी सामाजिक जागरूकता को लेकर नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। संकाय के छात्रों की ओर से अलग-अलग जगह पर नुक्कड़ नाटक किया जा रहे हैं। राहुल जमेरिया ने बताय कि कार्यक्रम का उद्देश्य घरेलू हिंसा, लैंगिक समानता एवं साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रोफेसर भव्या तिवारी के मार्गदर्शन में चल रहा है। इसमें टीम के सदस्य जाह्नवी, निरमा, वंदना, करिश्मा, अनन्या, मनीषा, पिंकी, अजीत, विकास, मोहित, खुशाल, धर्मेंद्र, अमित, अभिषेक, अर्जुन, दीपेश शाहिद विधि संकाय के छात्र-छात्राएं शामिल है।

बाड़मेर : स्पा-सेंटरों पर कार्रवाई की सूचना लीक

▪ जागरूक टाइम्स संवाददाता

▸▸ 20 मिनट पहले भागे आरोपी
▸▸ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश

बाड़मेर। बाड़मेर शहर के स्पा सेंटरों पर पुलिस ने दबिश दी, लेकिन सूचना लीक होने से स्पा सेंटरों से लोग गायब हो गए। इससे पुलिस को बैरंग लौटना पड़ा। पुलिस ने कहा है कि हमारी जांच पड़ताल आगे भी जारी रहेगी। पुलिस ने नेशनल हाईवे पर महावीर नगर से चौहटन चौराहा तक सड़क किनारे चल रहे स्पा सेंटरों पर कार्रवाई की। एएसपी जसाराम बोस ने बताया कि शहर में चल रहे स्पा सेंटरों में जिस्म फरोशी का कारोबार चलने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर डिप्टी अरविंद के साथ कोतवाली थाना, बाड़मेर ग्रामीण, सदर थाना, रीको थाना के थानाधिकारी, आरएसी के जवानों के दल ने रीको प्रवेश रोड पर स्थित बिल्डिंग, महावीर नगर स्थित स्पा सेंटर सहित अन्य स्पा सेंटरों पर कार्रवाई की, लेकिन कार्रवाई के दौरान पुलिस को बैरंग ही लौटना पड़ा। स्पा सेंटरों पर कोई नहीं मिला। पुलिस प्रशासन द्वारा सोमवार की दोपहर को शहर के स्पा सेंटरों पर दबिश देने से पहले ही सूचना लीक हो गई। पुलिस के आने से 20 मिनट पहले ही स्पा सेंटर खाली हो गए।

व्यापार जगत

बैंक ऑफ बड़ौदा का होम लोन 0.40% सस्ता

▸▸ 20 साल के लिए 30 लाख के लोन पर बचेंगे 1.80 लाख

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोन की ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो गया है। अब बैंक ऑफ बड़ौदा की होम लोन की ब्याज दर सालाना 8% से शुरू होंगी। आरबीआई ने हाल ही में रेपो रेट को 6.25% से घटाकर 6.00% किया है। जिसके बाद बैंकों ने भी एफडी और लोन की ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। इससे पहले एसबीआई और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने लोन की ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की थी। बैंक समय- समय पर लोन लेने वालों को बेहतर ऑफर्स उपलब्ध कराते रहते हैं। ऐसे में आप लोन लेने से पहले सभी बैंकों के ऑफर्स के बारे में पता कर लें। क्योंकि जल्दबाजी में लोन लेना आपके लिए गलत साबित हो सकता है। लोन लेने से पहले सही से छानबीन कर लें।

Bank of Baroda

अपने सिबिल स्कोर का ध्यान रखें

सिबिल स्कोर से व्यक्ति की क्रेडिट हिस्ट्री का पता चलता है। पर्सनल लोन के मामले में बैंक आवेदक का सिबिल स्कोर जरूर देखते हैं। क्रेडिट स्कोर कई खास क्रेडिट प्रोफाइलिंग कंपनियों की तरफ से तय किया जाता है। इसमें यह देखा जाता है कि आपने पहले लोन लिया है या क्रेडिट कार्ड आदि का इस्तेमाल किस प्रकार किया है।

प्री-पेमेंट पेनल्टी की जानकारी जरूर लें

कई बैंक समय से पहले लोन अदा करने पर पेनल्टी लगाते हैं। ऐसे में बैंकों से इस बारे में पूरी डिटेल ले लें, क्योंकि समय से पहले लोन अदा करने पर बैंकों को उम्मीद के मुताबिक कम ब्याज मिलता है। ऐसे में उनकी ओर से कुछ टर्म एंड कंडीशन लगाए जाते हैं। इसलिए होम लोन लेते वक्त इस बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें।

वेरिटास फाइनेंस को आईपीओ का अप्रूवल मिला

▸▸ इश्यू से 2,800 करोड़ जुटाना चाहती कंपनी
▸▸ इसमें 600 करोड़ का फ्रेश इश्यू भी शामिल

मुंबई। वेरिटास फाइनेंस जल्द ही आईपीओ की ओपन डेट, क्लोज डेट, अलॉटमेंट डिटेल्स और लिस्टिंग टाइमलाइन की घोषणा करेगी। वेरिटास फाइनेंस जल्द ही आईपीओ की ओपन डेट, क्लोज डेट, अलॉटमेंट डिटेल्स और लिस्टिंग टाइमलाइन की घोषणा करेगी। रिटेल फाइनेंस पर फोकस करने वाली नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी वेरिटास फाइनेंस को सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी से आईपीओ के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस आईपीओ से कंपनी 2,800 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। पब्लिक ऑफरिंग में 600 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और 2,200 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों की सेल्स का ऑफर यानी ओएफएस शामिल है, जिनमें से हर एक इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपए है। आईपीओ में एलिजिबल एम्प्लॉइज के लिए शेयरों का रिजर्वेशन भी शामिल है। 2015 में स्थापित वेरिटास फाइनेंस माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज और सेल्फ एम्प्लॉयड इंडिविजुअल की फाइनेंशियल जरूरतों को पूरा करता है। कंपनी स्मॉल बिजनेस लोन्स, होम लोन्स और यूज्ड कॉमर्शियल व्हीकल लोन्स समेत कई फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स प्रोवाइड करती है। वेरिटास फाइनेंस को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'NBFC-मिडिल लेयर' के रूप में क्लासिफाई किया है।

आईपीओ से जुटाए गए फंड का क्या यूज करेगी कंपनी ?

आईपीओ से जुटाए गए फंड का यूज कंपनी का कैपिटल बेस बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा बिजनेस से जुड़ी जरूरतों और लेंडिंग फैसिलिटीज को पूरा करने के लिए भी कंपनी फंड का इस्तेमाल करेगी।

आप का राशिफल 7 मई

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर — भो जा जी खी खू खे खो गा गी
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

एक दिन में सोना 1,479 महंगा

नई दिल्ली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,479 बढ़कर 96,761 पर पहुंचा गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 95,282 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,745 बढ़कर 95,845 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 94,100 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल यानी एक जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,599 रुपए बढ़कर 96,761 रुपए पर पहुंच गया है।

चार महानगरों में सोने की कीमत

▪ **दिल्ली:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,610 रुपए है।

▪ **मुंबई:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

▪ **कोलकाता:** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

▪ **चेन्नई:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

चौथी तिमाही में पेटीएम को 112 करोड़ घाटे का अनुमान

▸▸ 4.50% गिरा शेयर, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में नेट लॉस घटकर 208 करोड़ था

मुंबई। पेटीएम की शुरुआत अगस्त 2009 में हुई थी, अभी देश में इसके 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। पेटीएम की शुरुआत अगस्त 2009 में हुई थी, अभी देश में इसके 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजों से पहले पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस के शेयर में 4.5% से ज्यादा की गिरावट है। ऑनलाइन पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने वाली कंपनी आज यानी छह मई को जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी करने वाली है। शेयर में यह गिरावट कंपनी के नतीजों को लेकर मार्केट एनालिस्ट और ब्रोकरेज फर्म के अलग-अलग अनुमान के चलते है। जेएम फाइनेंशियल और यस सिक्योरिटी के मुताबिक, Q4 में पेटीएम का नेट प्रॉफिट 3.6 करोड़ से 4.5 करोड़ के बीच रह सकता है। हालांकि, मोतिलाल ओसवाल के अनुसार, कंपनी को 112 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। अलग-अलग ब्रोकरेज फर्म को उम्मीद है कि सालाना आधार कंपनी का घाटा कम होगा। Q4FY25 में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 13% गिरकर 1,975 करोड़ रह सकता है। हालांकि, तिमाही आधार पर यह 8% ज्यादा रह सकता है। EBITDA निगेटिव बना रह सकता है। Q4 में इसके माइनस 65 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। हालांकि, सालाना आधार पर इसमें 71% की बढ़ोतरी रहेगी। EBITDA मार्जिन भी निगेटिव 3.3% रह सकता है। जनवरी मार्च तिमाही में पेटीएम 2,098 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट करेगी। सालाना आधार पर इसके 7.5% और तिमाही आधार पर 15% कम रहने की उम्मीद है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि कम डेप्रिसिएशन कॉस्ट के चलते कंपनी की प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार होगा। UPI इनिसिएटिव से रेवेन्यू ग्रोथ में सहायता मिलेगी, और EBITDA के चलते आगे की दिशा तय होगी।

Paytm

बजरी परिवहन शुरु करवाने की मांग

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सुमेरपुर। मारवाड़ निर्माण मजदूर संगठन ठेकेदार संगठन के बेनर तले बजरी को कानूनी रूप से शुरू कराने को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। काफी वर्षों से बजरी बंद होने के कारण श्रमिकों में रोष भरा हुआ है। मारवाड़ निर्माण मजदूर संगठन के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि देश में निर्माण श्रमिकों की संख्या सबसे ज्यादा है व देश के विकास में इनका बड़ा सहयोग हैं। काफी श्रमिकों के आजीविका का मुख्य साधन मजदूरी हैं जो प्रति दिन कार्य करके अपना घर खर्च चला रहे हैं। पर कुछ समय से बजरी को लेकर हाई कोर्ट में स्टे लगा हुआ होने के कारण राजस्थान में बजरी बंद कर रखी हैं। इस कारण मजदूरों को घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया।

हमारी मांग हैं कि सरकार बजरी को कानूनी रूप से शुरू करावें। ठेकेदार संगठन के उपाध्यक्ष भागीरथ खत्री ने बताया कि बजरी बंद होने के कारण काफी ठेकेदारों बहुत बड़ा नुकसान हुआ हैं। कितने ही ठेकेदार हैं जिन्होंने ठेके लेने के बाद बजरी बंद हो गई थी जिससे ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई। कितने ठेकेदारों को मजबूरी में कार्य छोड़ना पड़ा। इस समस्या से आमजन भी बहुत परेशानी में हैं। लोगा का मकान का निर्माण समय पर नहीं हो पा रहा हैं। ठेकेदार संगठन के महामंत्री सुभाषचन्द्र ने बताया कि आज संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर अपेक्षा की हैं कि बजरी को लेकर हाईकोर्ट में लगा स्टे को हटाने के लिए पैरवी कर कानूनी रूप से बजरी को शुरू किया जाए। नदी के किनारे किसी की खातेदारी जमीन हो तो उसको लीज पर देकर बजरी को शुरू की जाए। बजरी आसानी से उपलब्ध कराने के अन्य स्रोतों को उपलब्ध कराने चाहिए। कोषाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि सुमेरपुर राजस्थान के 8 जिलों व अन्य राज्यों से 35 हजार से अधिक लेबर प्रतिदिन कार्य करती हैं पर बजरी बंद होने के कारण सभी का रोजगार खत्म हो गया हैं। अधिवक्ता महिपालसिंह राजपुरोहित, कार्यक्रम समन्वयक मुकेश योगी, भागीरथ कुमावत, मनोज, हरिराम, सूर्यप्रकाश, दानाराम कीर, शंकरलाल, धनाराम मौजूद रहें।

खिंदारा जवाई हैडवर्कस पर बिजली आपूर्ति बंद, आज बंद रहेगी जलापूर्ति

जागरूक टाइम्स संवाददाता

बाली। खिंदारा जवाई हैडवर्क्स पर बिजली आपूर्ति बाधित होने से क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो गई है। पेयजलापूर्ति बंद का असर बुधवार को फालना, बाली और रानी समेत नो गांवों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। फालना गांव, देवतरा, खिमेल, धणी, मोखमपुरा, सरखेजडा, धाणदा, माताजी वाडा और बमणीया गांवों में पानी की आपूर्ति बंद है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग उपखंड फालना के सहायक अभियंता भवरलाल पिण्डेल के अनुसार बिगड़ी विद्युत व्यवस्था के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।

पुटेर वाले बाबा का उर्स 11 को

जागरूक टाइम्स संवाददाता

देसूरी। दरगाह शरीफ अली अलैय पुटेर वाल बाबा के आस्ताने पर रविवार को उर्स आयोजित किया जाएगा। जिसको लेकर उर्स कमेटी की ओर तैयारी की जा रही है। उर्स कमेटी अध्यक्ष इकबाल खा गौरी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी रविवार को पुटेर वाले बाबा की दरगाह पर उर्स भरा जाएगा। जिसमें शाम को दरगाह पर चादर शरीफ तथा रात को कव्वाली का आयोजन होगा। उर्स को लेकर कमेटी के सदस्यों की ओर तैयारी शुरू करते हुए है। व्यवस्थाओ को लेकर जिम्मेदारी दी गई है। वही दूसरी तरफ उर्स के मौके पर दरगाह का रंगरोहन करने के साथ रोशनी से सजाया जा रहा है।

हिंगलाज माता मंदिर का मेला 30 को

जागरूक टाइम्स संवाददाता

देसूरी। दांतीवाड़ा में लारा भाखर की वादियों में स्थित हिंगलाज माता मंदिर प्रांगण में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मेला महोत्सव एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। समाज सेवी दिनेश चौधरी ने बताया कि भजन गायिका नीता नायक, श्रीजी राजपुरोहित,राकेश मंडोरा, सुरेश लौहार एंड पार्टी प्रस्तुतियां देंगे। दो दिवसीय मेला महोत्सव में पारम्परिक वेशभूषा में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। मेले में विशाल भजन संध्या आकर्षक का केंद्र रहेगा। जोधा महाराज की समाधि पर बडी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। संत शिरोमणि छोटू महाराज के सानिध्य में विशाल भजन संध्या, शोभायात्रा एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। सम्पूर्ण मेले के आयोजन कर्ता जीवाराम चौधरी पुत्र गमनाराम चौधरी रहेंगे। मंच संचालक प्रवीण वैष्णव एवं हिरालाल चौधरी करेंगे।

जिला टास्क फॉर्स की बैठक 9 को

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पाली। बेटी बचाओं बेटी पढ़ओ योजना के तहत जिला टास्क फोर्स की बैठक जिला कलक्टर एलएन मंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक भागीरथ ने बताया कि बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के डिस्ट्रीक एक्शन प्लान पर चर्चा, जिला स्तर पर बालिका कार्नर, बेबी फीडिंग रूम स्थापित, वृक्षारोपण कार्य' म, महावारी स्वच्छता प्रबंधन एवं गुड टच बेड टच पर कार्यशाला, किशोरी एवं मेधावी बालिकाओं के शैक्षणिक भ्रमण, पीसीपीएनडीटी पर कार्यशालाओं का आयोजन एवं अन्य बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा।

जुगाली करने वाले पशुओं को ज्यादा मात्रा में खाद्य पदार्थ नहीं दे: बुनकर

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पाली। आमजन की जिंदगी से जुड़े पशु दो प्रकार के होते हैं। एक जुगाली करने वाले रूमन्थ तथा दूसरे जुगाली नहीं करने वाले पशु। रूमन्थ पशुओं के पेट के चार भाग होते हैं। रूमन, रेटीकुलम, एबोमैजम एवं ओमेजम कहते हैं। संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग पाली डॉ ओपी बुनकर ने बताया कि रूमन पेट का प्रथम भाग होता है। जिसमें पशु चरने के समय चारा एकत्रित कर लेता है फिर समय समय पर जुगाली कर बारीक पीस कर पाचन योग्य बनाकर रूमन में वापिस ले लेता है। जुगाली के बाद महीन पीसा हुआ चारा, जब रूमन् में पहुंचता है तो वहां उपस्थित सुक्ष्म जीवाणु किण्वन क्रिया कर कम गुणवत्ता वाले चारे से अधिक पौष्टिकता प्रदान करने वाले पदार्थों का निर्माण करते है। जो कि मनुष्य के पाचन प्रक्रिया की तरह ऊर्जा प्रदान करते हैं। तो होती है पशुओं की मौत जब कभी रूमन्थ पशु को अधिक मात्रा में अनाज, आटा एवं मीठा खिलाया जाता है तो रूमन में उपस्थित सुक्ष्म जीवाणु अवायवीय माध्यम में किण्वन प्रक्रिया द्वारा अधिक मात्रा में लैक्टिक एसिड और पानी बनता है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया बहुत तेज होती है। इस दौरान अधिक मात्रा में गैस का उत्पादन भी होता है। अधिक मात्रा में गैस बनने से पेट फूल जाता है। उन्होंने बताया कि पशु को अफारा जाता है। पेट फूलने की सीमा से अधिक मात्रा में गैस बनने से श्वसन का संचालन करने वाले डायाफाम पर दबाव पड़ता है। पशु बैचेन हो जाता है, जिससे उसकी गति रुक जाती है तथा उपचार के अभाव पशु की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके शुरुवाती लक्ष्ण पशु के आफरा आना, पैर पटकना,बार बार बोलना, गोबर करना अन्त में मृत्यु। यह बरते सावधानी बतौर सावधानी यह है कि जुगाली करने वाले पशुओं को अत्यधिक मात्रा में अनाज, आटा, गुड़ और चीनी आदि नहीं खिलाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कम मात्रा में पशु आहार,अनाज, मीठा आदि देने पर पशु स्वस्थ और निरोगी रहता है। दुधारू होने पर अधिक दूध देता है।

18वीं वर्षगांठ पर किया ध्वजारोहण

जागरूक टाइम्स संवाददाता

फालना। सर्वोदय पार्श्वनाथ की 18वीं वर्षगांठ पर ध्वजारोहण समेत कई धार्मिक कार्यक्रम हुए। साध्वी पद्मयशा एवं प्रभावीका मुक्ति ने कहा कि 18 अभिषेक एक उत्कृष्ट कोटि का विधान है। जल पूजा विधन विनाशी पूजा कई जाती है। देवो और इंद्रो के द्वारा मेरू पर्वत पर परमात्मा का जन्म अभिषेक किया। सचिव संभव जैन, साकलचंद खाटेड, अमित मेहता, रमेश शा, विकास खाटेड, सुरेन्द्र सोलंकी, पुनीत खाटेड, बलवंत पुजारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में विधि कारक रमेश भाई की अहम भूमिका रही।

लेसर विशलिंग बतख: चूजे तैरने लगते हैं तो मां बच्चों को प्रशिक्षण देती हैं

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सुमेरपुर। लेसर विशलिंग डक के परिवार में चूजे तैरने योग्य होते ही माता-पिता अपने चूजों को जीवन जीने की कला सिखाते है। उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों, भोजन, रक्षा व विभिन्न ईलाकों की जानकारी देते हैं। चूजों की सुरक्षा के लिये माता-पिता हमेशा अपने चूजों के साथ ही तैरते हैं। चूजों के कुदरती बचाव में इनके जन्मजात रंग व बनावट से इनकी सुरक्षा रहती हैं। चूजे किसी खतरे की आहट पाकर पानी के आस-पास झाडी में उन्हें अपने रंगों की वजह से दुश्मन को नजर नहीं आने की कला सबसे पहले सिखाई जाती हैं।

फोटो - लक्ष्मण पारंगी

अटल जन सेवा शिविर कल

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पाली। पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। यह जानकारी उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत ने दी।

जिले में आज होगा नागरिक सुरक्षा अभ्यास

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पाली। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशानुसार नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के संबंध में नागरिक सुरक्षा नियम 1968 की धारा 19 के प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बुधवार को जिले में नागरिक सुरक्षा अभ्यास/पूर्व अभ्यास आयोजन किया जाएगा।

पुलिस चौकी में टेलीफोन शुरु

जागरूक टाइम्स संवाददाता

पोसालिया। पुलिस चौकी पोसालिया पर (लैंड लाइन) बैसीक टेलीफोन व मोबाइल फोन शुरु कर दिए है। जो 24 घण्टों पुलिस चौकी में उपलब्ध रहेंगे। थानाधिकारी फगलूराम विश्नोई ने बताया कि पुलिस चौकी पोसालिया के हल्के की किसी भी प्रकार की घटना व गतिविधियों के संबंध में जानकारी देने के लिए सुविधा में उपलब्ध रहेगी। बैसीक फोन के पुराने वाले ही नम्बर 02976-267540 और मोबाइल नम्बर 9530431708 है। अतः सभी जानकारी के लिए सूचित रहे।

बाली में दो दिन में 25.5 एमएम बारिश

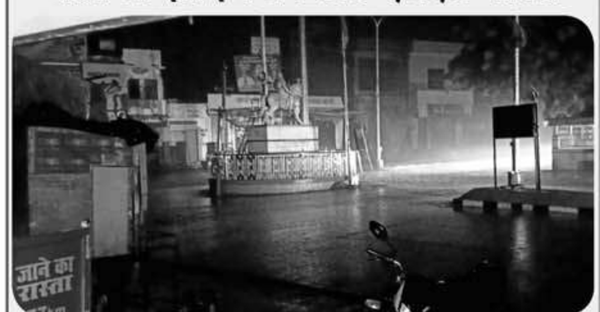

जागरूक टाइम्स संवाददाता

बाली। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता रोहित चौधरी ने बताया कि बाली क्षेत्र में पिछले दो दिनों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। सोमवार को 13 मिलीमीटर और मंगलवार को 12.5 मिलीमीटर वर्षा हुई। सोमवार की रात को लगभग डेढ़ घंटे तक बारिश का दौर जारी रहा। तेज हवाओं के साथ हुई इस बारिश के कारण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

सारंगवास को आना में यथावत रखने की मांग

जागरूक टाइम्स संवाददाता

देसूरी। पंचायत पुर्नगठन को लेकर मंगलवार को सारंगवास के ग्रामीणों ने देसूरी एसडीएम को ज्ञापन देकर सारंगवास गांव को आना पंचायत में यथावत रखने की मांग की है। ग्रामीणों ने सारंगवास को वीरमपुरा रेबारियान में शामिल करने का विरोध किया। ज्ञापन में बताया कि सारंगवास राजस्व गांव का कुछ भाग आना में मौजूद है। वही सारंगवास गांव के वार्ड का कुछ हिस्सा आना गांव में आता है। जबकि आना पंचायत मुख्यालय से सारंगवास गांव की दूरी मात्र डेढ़ किमी है। जबकि नई पंचायत वीरमपुरा रेबारियान सारंगवास गांव से 5 किमी दूरी पर मौजूद है। ऐसे ग्रामीणों को पंचायत कार्य के लिए 5 किमी दूर जाना पड़ेगा। जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी होगी। इसलिए सारंगवास गांव को पूर्व की तरह आना पंचायत में यथावत रखने की मांग की है। रमेश चौधरी, नारायणसिंह पुरोहित, रताराम चौधरी, श्रवण कुमार, राजू चौधरी, नेमाराम, डूंगाराम चौधरी, कलाराम, ओगड़राम, लखाराम, पुनाराम सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

बैठक में की डिस्कॉम कार्यों की समीक्षा

जागरूक टाइम्स संवाददाता

फालना। डिस्कॉम फालना में मुख्य अभियंता प्रेमसिंह चौधरी की अध्यक्षता में फालना और सुमेरपुर खंड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें दोनों खंड के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की छीजत और राजस्व वसूली की स्थिति के विषय में चर्चा कर हर माह अर्जित करने के निर्देश दिए। इस छीजत को भी यथावत रखने के लिए समय समय पर सतर्कता जांच, रीडिंग सत्यापन की बात कही। लंबित घरेलू, अघरेलू और औद्योगिक कनेक्शन की स्थिति पर संतोष जाहिर किया। लंबित कृषि कनेक्शन की स्थिति बताते हुए अधिशाषी अभियंता फालना ने बताया कि गत तीन वर्षों से खंड ने प्रति वर्ष 600 कनेक्शन की दर से कार्य किया है। अभी 453 कनेक्शन जारी होने शेष है। जिनमें 363 सामान्य श्रेणी के कनेक्शन है। मुख्य अभियंता ने सामग्री को लेकर समस्या आने पर सीधे बताने को कहा और निर्देश दिए कि आने वाले 3 माह में इन लंबित कार्यों को पूर्ण करें।

7 हजार मीटरों में खराबी

मुख्य अभियंता ने फालना खंड में बंद और खराब मीटर की समीक्षा करते हुए पाया कि 7049 मीटर में खराबी थी। जिसमें से 3532 मीटर माह अप्रैल में बदले है। शेष मीटर माह मई में बदलने हुए पूरे जोधपुर डिस्कॉम में प्रथम आने के निर्देश दिए। इसके अलावा गर्मी एवं बारिश के मौसम में सभी को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। लाइनों के समीप उगी झाड़ियां, टहनियां साफ करवाते हुए समयबद्ध तरीके से रखरखाव कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए और प्रत्येक कनिष्ठ अभियंता से इस कार्य की प्रगति जानी।

चिड़िया के लिए परिंडे लगाए

मुख्य अभियंता चौधरी ने विद्युत कार्यालय परिसर में चिड़िया के लिए परिंडे लगाए और प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने का उदाहरण दिया। बैठक में अधिशाषी अभियंता निमेन्द्रराजसिंह, अशोक मीणा, सहायक अभियंता अवधेश राजसिंह, राज कुमार मीणा, रवि टांक आदि अभियंता और अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित परिवादों का करें निस्तारण

उन्होंने उपभोक्ता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण रखने के लिए कहा और लंबित समस्त परिवादों को त्वरित ठीक निस्तारित करने को कहा। जोधपुर के वरिष्ठ लेखाधिकारी दीपक अरोड़ा और सहायक लेखाधिकारी ललित सोनी ने नामवार बकायादारों से वसूली और पीडीसी उपभोक्ताओं से वसूली को लेकर लेखाकारों को समझाया। बैठक समापन अधिशाषी अभियंता निमेंद्रराजसिंह ने मुख्य अभियंता को धन्यवाद ज्ञापित किया। सिंह ने आश्वाशन दिया कि सदैव की भांति फालना खंड निगम द्वारा दिए गए लक्ष्य अर्जित करेंगे और जनहित में कार्य करते रहेंगे। वर्तमान परिदृश्य में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुसार सीखते रहने को कहा, तकनीक का उपयोग करते हुए राजस्व, तकनीकी कार्यों के साथ कृषि फीडरों पर दी जा रही विद्युत आपूर्ति तय समय अनुसार देने के लिए निर्देश दिए और इसकी जांच करते रहने को कहा। मुख्य अभियंता ने उपखंड और उपचौकी का निरीक्षण भी किया।

गोड़वाड़ कुमावत शिक्षा समिति का 25वां प्रतिभावान सम्मान समोरह 11 को

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सांडेराव। गोड़वाड़ कुमावत शिक्षा समिति का पच्चीसवां प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह रविवार को साण्डेराव-फालना सड़क मार्ग नवनिर्मित धर्मशाला परिसर में आयोजित होगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज बंधुओं के साथ समिति सदस्य तैयारियों में जुटे। शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष भुराराम मालवीय एवं महामंत्री पुनाराम रामीणा बताया कि साण्डेराव-फालना सड़क मार्ग पर भामाशाहों के सहयोग से समिति के नाम से जमीन खरीद कर धर्मशाला का निर्माण कार्य करवाया गया है। इस बार इसी भूखंड पर 25वां प्रतिभावान सम्मान समोरह केबीनेट मंत्री जोराराम कुमावत के मुख्य आतिथ्य, नाथद्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेट पियुष मेड़तिया, सुमेरपुर उपखण्ड अधिकारी कालुराम कुम्हार की अध्यक्षता होगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री का किया स्वागत

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सुमेरपुर। बीजेपी प्रदेश महामंत्री अजित माण्डन के सोमवार को सुमेरपुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। सेवा संस्थान बारवा के अध्यक्ष हरिलाल विश्वकर्मा के घर पर समाज के गणमान्य समाज बंधुओं ने प्रदेश महामंत्री माण्डन से शिष्टाचार भेंट कर स्वागत किया गया। मांगीलाल सुथार, खीमाराम, हरिलाल विश्वकर्मा, बाबूलाल, मोहनलाल, रविकुमार हीरो, मंछाराम, अशोक कुमार, उम्मेदमल आदि मौजूद थे।

मंडी में समर्थन मूल्य पर चना व सरसों की खरीद शुरू

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सुमेरपुर। महाराजा उम्मेदसिंह कृषि उपज मंडी स्थित 180 नंबर दूकान पर क्रय विक्रय सहकारी समिति की और से समर्थन मूल्य पर चना व सरसों की खरीद केन्द्र का शुभारंभ मंगलवार को केवीएसएस अध्यक्ष करणसिंह, किसान संघर्ष समिति सुमेरपुर आहोर जयेन्द्रसिंह, शिवराजसिंह बिठीया, रघुवीरसिंह, हितेन्द्रसिंह, जसवंतसिंह, शैतानसिंह के सानिध्य में किया गया। प्रधान व्यवस्थापक रूपाराम खारवाल ने बताया कि चाणौद निवासी किसान मोड़सिंह से चना खरीद कर शुभारंभ किया गया। चना खरीद के लिए कुल 20 किसानों व सरसों के लिए 6 किसानों ने पंजीयन करवाया हैं। चना 5650 रूपये प्रति क्विंटल एवं सरसों 5950 रूपये प्रति क्विंटल रूपये की दर से खरीद की जा रहीं हैं। समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए 1 अप्रैल से पंजीयन शुरू किया गया था। इस मौके पर समिति के नरेन्द्र कुमार, सुरजपुरी सहित समिति स्टॉफ मौजूद रहें।

केकेआर और चेन्नई के मैच पर संकट ?

ब्लैकआउट हुआ तो कैसे होगा मुकाबला

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार बेहद सख्त हो गई है। पाकिस्तान पर कई मोर्चों पर कड़ी कार्रवाई करने के बाद सरकार ने सभी जिलों को मॉकड्रिल और ब्लैकआउट का अभ्यास करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को पूरे देश में मॉकड्रिल का आयोजन होगा और इस दौरान रात में कई जगह ब्लैकआउट का अभ्यास भी किया जाएगा। सवाल ये है कि इस अभ्यास का आईपीएल मैच पर क्या असर होगा? 7 मई को केकेआर और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच टक्कर होनी है और इस मुकाबले में अगर ब्लैकआउट कर दिया गया तो फिर कैसे ये मैच पूरा होगा? क्या इस मैच पर कोई खतरा है? आइए आपको बताते हैं।

रहाणे बनाम स्पिनर्स

वैसे तो केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इस सीज़न के आईपीएल में तीन अर्धशतकों के साथ अच्छा फ़ॉर्म दिखाया है, लेकिन स्पिनर्स के सामने वह संघर्ष करते नज़र आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ों के ख़िलाफ़ उनका औसत 104 I5 तो स्पिनर्स के ख़िलाफ़ सिर्फ़ 16 I9 है। यह आईपीएल 2025 में कम से कम 50 स्पिन गेंद खेलने वाले किसी भी बल्लेबाज़ का तीसरा सबसे कम औसत है। इसके अलावा वे स्पिनर्स पर सिर्फ़ 115 के स्ट्राइक रेट से रन बना पा रहे हैं। रहाणे की पुरानी टीम सीएसके में भी जडेजा और अश्विन जैसे स्पिनर हैं, जो उनको परेशान कर सकते हैं। जडेजा ने रहाणे को आईपीएल में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, लेकिन रहाणे, उन पर सिर्फ़ 96 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। इसके अलावा सीएसके के दूसरे स्पिनर आर अश्विन ने भी आईपीएल में रहाणे को 11 में से छह पारियों में आउट किया है, जबकि रहाणे उन पर सिर्फ़ 102 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाए हैं।

ब्लैकआउट का कोई असर नहीं

प Iबंगाल के कई जिलों में बुधवार को मॉकड्रिल और ब्लैकआउट का आयोजन होना है हालांकि इस लिस्ट में कोलकाता का नाम नहीं है। लेकिन अगर कोलकाता में ब्लैकआउट होता है तो भी इसका मैच पर कोई असर नहीं होना था, वो इसलिए क्योंकि कोलकाता के ईडन गार्डन्स में राज्य की बिजली का इस्तेमाल होता ही नहीं है। ईडन गार्डन्स दरअसल अपने जेनरेटर्स का इस्तेमाल करता है। डे-नाइट मैचों में इन्हीं के इस्तेमाल से ईडन गार्डन्स दूधिया रोशनी में नहाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल मैचों के दौरान क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल ईडन गार्डन्स में जेनरेटर्स किराए पर लेता है। ईडन गार्डन्स में चार लाइट टावर्स हैं जिनमें कुल 484 लाइट्स लगी हुई हैं। इससे कोई असर नहीं होगा।

आईपीएल में केकेआर के लिए करो या मरो

आईपीएल के इस मुकाबले की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। लेकिन केकेआर अब भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। केकेआर ने 11 में से 5 मैच जीते हैं। उसके तीन मुकाबले बचे हैं और तीनों में ही उसे जीत मिलती है तो इस टीम के 16 अंक हो जाएंगे और वो प्लेऑफ में जगह बना सकती है। इसलिए केकेआर के लिए सिर्फ चेन्नई ही नहीं उसके बाद होने वाले दो मैच भी करो या मरो वाले रहेंगे। एक हार मिलते ही केकेआर का आईपीएल 2025 से पत्ता साफ हो जाएगा।

कोलकाता नाइटराइडर्स। अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नॉर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

चेन्नई सुपरकिंग्स: एमएस धोनी (कप्तान), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम करेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, उर्विल पटेल।

एसआरएच प्लेऑफ से बाहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बारिश से धुल गया। इस मैच से पहले तक सनराइजर्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें एक धागे से लटकी हुई थीं। टीम को बाकी बचे चार मैचों में जीत हासिल करनी ही थी, लेकिन सोमवार को बारिश ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। अच्छी गेंदबाजी कर दिल्ली को कम स्कोर पर रोकने के बाद सनराइजर्स की टीम उम्मीद कर रही थी कि वह जल्द मैच खत्म करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। बारिश के कारण दूसरी पारी का खेल नहीं हो सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटने पड़े। इसी के साथ सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। वहीं, दिल्ली की टीम के पास अब भी शीर्ष दो में जगह बनाने का मौका है। सोमवार को टीम की खराब बल्लेबाजी को बारिश ने बचा लिया और एक महत्वपूर्ण अंक उन्हें मिला। इस नतीजे के साथ अब लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। उन्हें बाकी बचे तीनों मैच में जीत दर्ज करनी ही होगी।

▪ अब भी शीर्ष दो में जगह बना सकती है दिल्ली कैपिटल्स की टीम

आईपीएल में धोनी के लिए बदला नियम ?

नई दिल्ली। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसने युवा खिलाड़ियों को अपने टैलेंट का प्रदर्शन करने के लिए एक बड़ा मंच दिया है। इसकी लोकप्रियता साल दर साल बढ़ती जा रही है, जिससे खिलाड़ियों की कमाई में भी इजाफा हुआ है। सिर्फ अनुभवी या इंटरनेशनल प्लेयर्स ही नहीं युवा और घरेलू क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ी भी अब करोड़ों की कमाई करने लगे हैं। लेकिन इसे लेकर भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने चिंता जताई है। उनका मानना है कि अनकैप्ड खिलाड़ियों को बहुत ज्यादा पैसे नहीं दिए जाने चाहिए।

भड़के सुनील गावस्कर, कहा- भारतीय क्रिकेट को नुकसान

भारतीय क्रिकेट को नुकसान

सुनील गावस्कर का मानना है कि ज्यादा पैसे देने पर खिलाड़ियों के अंदर क्रिकेट के प्रति जुनून और भारत के लिए खेलने की भूख खत्म हो सकती है। उनके मुताबिक इससे किसी भी फ्रेंचाइजी को कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए ये अच्छा हो सकता है, लेकिन इससे भारतीय क्रिकेट बर्बाद हो सकता है। गावस्कर का ये भी मानना है कि धोनी को लीग में बने रहने देने के लिए अनकैप्ड प्लेयर के नियमों में बदलाव हुआ। इसकी सीमा बढ़ाकर 4 करोड़ कर दी गई।

कई खिलाड़ियों की भूख और जोश गायब

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, "बड़ी रकम में खरीदे जाने के बाद कई खिलाड़ियों की भूख और जोश गायब हो जाते हैं। फ्रेंचाइजी के लिए शायद यह कोई मायने नहीं रखता क्योंकि उन्हें लगता है कि यह अच्छा है। लेकिन भारतीय क्रिकेट का इससे काफी नुकसान होता है। कोई खिलाड़ी सफल हो या नहीं लेकिन उनके जाने से भारतीय क्रिकेट को फर्क पड़ता है। धोनी पिछले साल मेगा ऑक्शन से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे। उन्हें लीग में शामिल कर सीमा को बढ़ाकर 4 करोड़ कर दिया गया।"

'मुझसे उम्मीद ज्यादा थी'

“ टीम इंडिया की कप्तानी छोड़ने पर विराट कोहली का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। विराट कोहली ने 2021 में वर्ल्ड कप के बाद टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी भी छोड़ दी थी। इसके एक साल बाद, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। इस घटना के करीब 4 साल बाद अब विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' पॉडकास्ट में कहा, 'एक समय ऐसा आया जब यह मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गया था क्योंकि मेरे करियर में काफी कुछ घट रहा था। मैं 7-8 साल से भारत की कप्तानी कर रहा था। मैंने 9 साल तक आरसीबी की कप्तानी की। मैं जो भी मैच खेलता उसमें बल्लेबाजी में मुझसे काफी उम्मीद की जाती थी।'

एक महीने बल्ला नहीं छुआ

' कोहली ने 2022 में क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक लिया था और उस दौरान बल्ला नहीं छुआ था। उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया था, जब वह सार्वजनिक जीवन में खुश रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे। स्टार बल्लेबाज ने कहा, 'इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ दी क्योंकि मुझे लगा अगर मुझे इस खेल में बने रहना है तो उसके लिए मेरा खुश रहना जरूरी है।'

'मैं कुछ भी करने को तैयार '

कोहली ने कहा, 'मुझे कभी पूर्ण मैच विजेता के रूप में नहीं देखा गया जो कहीं से भी खेल का रुख बदल सकता है। लेकिन मेरे पास यह बात थी कि मैं हार नहीं मानने वाला हूं। इसी बात का धोनी और कर्स्टन ने समर्थन किया।'

आईसीसी रैंकिंग में भारत का जलवा

पाकिस्तान का तीनों फॉर्मेट में बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टीमों की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है, जिसमें पाकिस्तान को एक नहीं बल्कि तीनों फॉर्मेट में बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। पाक टीम को बहुत खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिससे टी20 रैंकिंग में उसे एक स्थान का नुकसान हुआ है। दूसरी ओर टीम इंडिया तीन में से 2 फॉर्मेट में विश्व की नंबर-1 टीम बनी हुई है।

पाकिस्तान का बुरा हाल

टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान टीम एक स्थान नीचे गिरकर आठवें स्थान पर आ गई है, वहीं श्रीलंका उसे पछाड़ कर 7वें नंबर पर पहुंच गई है। वनडे रैंकिंग में पाक पांचवें स्थान पर है, यहां भी श्रीलंका से उसे पटखनी देते हुए चौथे स्थान पर कब्जा जमाया है। टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान 7वें स्थान पर है।

मनोरंजन

पंजाबी रॉयल लुक में नजर आए दिलजीत दोसांझ

दिलजीत दोसांझ ने इस साल शाहरुख खान, कियारा आडवाणी के साथ मेट गाला में डेब्यू किया है। दिलजीत दोसांझ साल की सबसे बड़ी फैशन नाइट के लिए महाराजा बन गए। उनका आउटफिट प्रबल गुरुंग ने डिजाइन किया था। सफेद पगड़ी और सफेद आउटफिट में दिलजीत दोसांझ बिल्कुल शाही अंदाज में नजर आए। उन्होंने अपने लुक को ज्वैलरी से पूरा किया। दिलजीत दोसांझ ने अपनी पंजाबी जड़ों को बनाए रखने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उनके लंबे सफेद कैप पर पंजाबी अक्षर लिखे हुए थे। उन्होंने तलवार भी ली हुई थी जो उनके शाही लुक पर चार चांद लगा रही थी। बता दें कि इस साल के मेट गाला का टॉपिक है सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल यह मोनिका एल मिलर की किताब स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी से इंस्पायर्ड है, जो 2009 में छपी थी। इस साल के मेट गाला का ड्रेस कोड टेलर्ड फॉर यू है। यह दो दशकों से ज्यादा समय में पहला मेट गाला है जो खासतौर से मेन्सवियर पर फोकस्ड है। गाला कमिटी के सदस्य अशर ने कहा, इस साल की थीम न केवल समय के हिसाब से है बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति को भी दिखाती है, जिसका हमेशा जश्न मनाया जाना चाहिए। मेट का। कहना है कि यह शो 18वीं शताब्दी से लेकर आज तक के ब्लैक स्टाइल की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परीक्षा को डैंडीज्म के लेंस के जरिए पेश करता है।

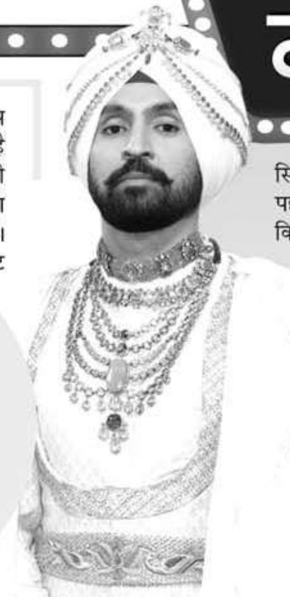

सितारे जमीन पर से आमिर ने लांच किए दस नए चेहरे

सितारे जमीन पर का पोस्टर आते ही लोगों को इस फिल्म की पहली झलक मिल गई है। पोस्टर देखकर ये समझ आ गया है कि आमिर खान इस बार भी कुछ अलग कहानी लेकर आ रहे हैं जो फैन्स के दिलोदिमाग पर अपना असर छोड़ सकती है। सबसे बड़ी बात यह है कि आमिर खान काफी समय बाद बड़े पर्दे पर इस फिल्म के जरिए लौट रहे हैं। जिस तरह पहली फिल्म लोगों के दिलों में खास जगह रखती है, वैसे ही ये आमिर खान के करियर की पहली सीक्वल फिल्म है और वो भी तीन दशकों में पहली बार। आमिर खान ने अब तक कभी किसी फिल्म का सीक्वल नहीं किया। इंडियन सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर देने के बावजूद वो किसी भी सीक्वल का हिस्सा नहीं बने, लेकिन सितारे जमीन पर उनकी फिल्मोग्राफी की पहली सीक्वल फिल्म होगी, जो इसे और भी खास बना देती है। सितारे 2007 में आई तारे जमीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल है। उस फिल्म में ईशान नाम के 8 साल के बच्चे की कहानी दिखाई गई थी, जो कला में बेहद प्रतिभाशाली था लेकिन डिस्लेक्सिया से जूझ रहा था। उसके नए आर्ट टीचर निकुंभ (आमिर खान) को उसकी ये परेशानी समझ आती है। ये फिल्म लोगों के दिलों को छू गई थी और आज भी हमारी यादों में खास जगह बनाए हुए है। इसके अलावा, सितारे जमीन पर के जरिए आमिर खान प्रोडक्शंस 10 नए चेहरों को लॉन्च कर रहा है। इनमें आरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर शामिल हैं। इस फिल्म का निर्देशन आर एस प्रसन्ना ने किया है, आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया डिसूज़ा अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक दिया है शंकर-एहसान लॉय ने। इसकी स्क्रिप्ट दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है।

नेटफ्लिक्स पर फिर खेला जाएगा मौत का खेल

नेटफ्लिक्स की बहुचर्चित फिल्म स्क्विड गेम के तीसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इस वेब सीरीज का दूसरा सीजन पिछले साल रिलीज हुआ था, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। ऐसे में स्क्विड गेम 3 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे। वेब सीरीज के मेकर्स ने एक टीजर रिलीज कर स्क्विड गेम की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। वेब सीरीज के टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि इस बार स्क्विड गेम 3 की कहानी और भी ज्यादा रोमांच देखने को मिलेगा। इतना ही नहीं स्क्विड गेम 3 के टीजर को देखकर कह जा सकता है कि वेब सीरीज में सियॉन्ग गि-हुन (ली जंग-जे) और फ्रंट मैन (ली ब्युंग-हुन) के बीच नई रणनीति देखने को मिलेगी। स्क्विड गेम 3 के टीजर में गि-हुन अब और भी ज्यादा मुश्किलें गेम्स और हालातों से निपटका हुआ दिखाई देगा। इसके अलावा वेब सीरीज के टीजर में कुछ नए चेहरे अपने नए किरदार में नजर आने वाले हैं। सोशल मीडिया पर स्क्विड गेम 3 का टीजर तेजी से वायरल हो रहा है। वेब सीरीज का इंतजार कर रहे दर्शक टीजर को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि स्क्विड गेम ली जंग-जे के सेओंग गी-हुन उर्फ खिलाड़ी 456 की कहानी को दिखाती है, जो कर्ज चुकाने के लिए अनजाने में सीजन 1 में गेम में प्रवेश करता है। पिछले साल रिलीज हुए सीजन 2 में, ली सिस्टम को खत्म करने के लिए अपनी इच्छा से गेम में एंट्री करता है, लेकिन फ्रंटमैन, जिसका किरदार ली ब्युंग-हुन ने निभाया है, उसके लिए मुश्किलें खड़ी कर देता है।

प्रियंका चोपड़ा के साथ मेट गाला में हो गया झोल

मेट गाला में शामिल होना हर एक सेलेब के लिए खास बात होती है। इसके प्रेस्टीजियस रेड कार्पेट के लिए सेलेब्स खूब तैयारी करते हैं। बड़े बड़े डिजाइनर्स स्टार्स का लुक फाइनल करते हैं लेकिन कई बार किसी स्टार के मामले में कुछ चीजें रिपीट भी हो जाती हैं। आप सोच रहे होंगे ये झोल किसके साथ हो गया। बता दें कि ये झोल प्रियंका चोपड़ा के साथ हो गया। सोशल मीडिया पर प्रियंका की एक पुरानी तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में प्रियंका चोपड़ा पोलका डॉट प्रिंट की ड्रेस पहने दिख रही हैं। उनके साथ शाहरुख खान हैं जो कि ब्लैक आउटफिट में दिख रहे हैं। ये तो नहीं पता कि ये तस्वीर किस समय की है हो सकता कि डॉन-2 की शूटिंग के दौरान की हो या फिर किसी इवेंट की हो। लेकिन लेटेस्ट तस्वीर मेट गाला 2025 की है। लेटेस्ट तस्वीर में भी प्रियंका ने सेम प्रिंट की ड्रेस पहनी है। दोनों ड्रेसेज का स्टाइल अलग है। लेटेस्ट फोटो में प्रियंका ने ड्रेस को कॉम्पलिमेंट करते हुए एक बड़ी हैट, ग्लव्ज पहने हुए हैं। दोनों ही ड्रेसेज में एक और फर्क ये है कि पहली फोटो जिसमें शाहरुख साथ हैं वो थोड़ा कैजुअल टाइप लुक लग रहा है वहीं लेटेस्ट में लुक बिल्कुल फॉर्मल टाइप है। बाकी प्रियंका के तो क्या ही कहने। खूबसूरत तो वो दोनों ही तस्वीरें में बराबर लग रही हैं। निक और प्रियंका दोनों ही व्हाइट आउटफिट्स में एक दूसरे के साथ मैचिंग करते नजर आए। बॉलीवुड की तरफ से बात करें तो फैन्स को अब देसी गर्ल की एसएसएमबी का इंतजार है।

विराट कोहली के एक लाइक से अवनीत कौर बनीं करोड़पति?

जब कोहली के वैरिफाइड इंस्टाग्राम अकाउंट से अवनीत कौर की एक बोल्ड फोटो पर लाइक आया तो इसके स्क्रीनशॉट कुछ ही घंटों में वायरल हो गई। इससे एक्साइटमें, मीम्स और फैन पेजों पर भारी ट्रैफिक बढ़ गया। ट्रेंडिंग टैग की बदौलत उनके इंस्टाग्राम फॉलोइंग की संख्या 30 मिलियन से बढ़कर 31.8 मिलियन हो गई] जो ऑनलाइन सेलिब्रिटी कोलैब की रीच को साबित करता है। डिजिटल फर्म बजक्राफ्ट ने खुलासा किया कि उनकी स्पॉन्सर्ड पोस्ट का रेट रातोंरात 2 लाख से बढ़कर 2.6 लाख हो गई। यह बढ़त सफल और इफेक्टिव मार्केटिंग केस स्टडी को दिखाती है। इसके तीन दिन के अंदर अवनीत के पास 12 ब्यूटी और फैशन ब्रैंड्स के कोलैब के ऑफर आए हैं। इनकी कीमत भी लाखों में है। फैन्स ने एक्स (पहले ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर मीम्स, एडिट्स और यहां तक कि अनुष्का शर्मा को टैग करना शुरू कर दिया और ऐसे कमेंट्स की बाढ़ ला दी। इससे ये मामला हर जुबान पर चढ़ गया। कोहली ने इंस्टाग्राम के ऑटो-लाइक एल्गोरिदम को दोषी ठहराया लेकिन चर्चा तेज हो गई। इस चर्चा की वजह से अवनीत को काफी फायदा हुआ।

जूते-चप्पल रखने की जगह में बदलाव

आज के दौर में भारतवर्ष में बहुत से लोगों ने वास्तु शास्त्र को बहुत अच्छे से अपना लिया है। हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का बहुत अधिक महत्व बताया गया है। घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए लोग बड़े-बड़े वास्तु शास्त्रियों की सलाह लेने लगे हैं। वास्तु शास्त्र मुख्यत: दिशाओं पर निर्भर विज्ञान है। वास्तु शास्त्र में घर के हर एक समान को सही दिशा में रखने और उसका उपयोग करने के बारे में बताया गया है। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करके हम अपने घरों से नकारात्मकता को दूर कर सकते हैं और आर्थिक लाभ पा सकते हैं।

सही स्थान पर रखें जूते-चप्पल

जिस तरह वास्तु शास्त्र में घर के अंदर रखी जाने वाली हर वस्तु की दिशा निर्धारित की गई है, उसी प्रकार जूते-चप्पलों के लिए भी वास्तु शास्त्र में दिशा बताई गई है। ऐसा बताया जाता है कि जब हम बाहर से घर वापस आते हैं तो हमें अपने जूते-चप्पलों को हमेशा उनकी निर्धारित जगह पर ही रखना चाहिए. यदि आप अपने जूते-चप्पल को उनके निर्धारित जगह पर नहीं रख पाते, तो उन्हें घर के दक्षिण या पश्चिम दिशा की तरफ ही रखें. वास्तु शास्त्र के अनुसार इस दिशा को जूते-चप्पल रखने के लिए शुभ माना जाता है।

इस दिशा में ना उतारें जूते-चप्पल

ऐसा देखने में आता है कि बहुत से लोग बेकद्री में अपने जूते-चप्पल घर में कहीं भी उतार देते हैं। वास्तु शास्त्र इसे बिल्कुल सही नहीं मानता वास्तु शास्त्र के अनुसार जूते-चप्पलों को किसी भी दिशा में कहीं भी उतारने से बचना चाहिए। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि पूर्वोत्तर दिशा में जूते उतारना बिल्कुल भी सही नहीं होता। इन दिशाओं में जूते-चप्पल उतारने से घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है।

बेडरूम में ना रखें जूते-चप्पल

वास्तु शास्त्र के अनुसार अपने शयनकक्ष में जूते-चप्पल रखना या जूते-चप्पलों की रैक को रखना बिल्कुल सही नहीं होता। ऐसा माना जाता है कि बेडरूम में जूते-चप्पलों को रखने से पति-प ी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। कई बार तो पति-प ी के रिश्ते खत्म होने तक की नौबत आ जाती है।

घर के मुख्य द्वार पर न रखें जूते-चप्पल

किसी भी घर का मुख्य द्वार उस घर के अंदर सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का रास्ता होता है, इसलिए घर के मुख्य द्वार को तरह-तरह से सजाया जाता है, लेकिन यदि आप घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर लगा देंगे तो यह आपके घर आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को बाधित करेगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल उतारना शुभ नहीं होता। ऐसा माना जाता है कि मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल रखने से माता लक्ष्मी का आगमन भी रुक जाता है।

घर में चप्पल क्यों नहीं पहननी चाहिए

क्या आप भी घर के अंदर जैसे हॉल, बेडरूम, किचन, बाथरूम, गैलरी, इन सभी जगहों पर चप्पल पहनकर रहते हैं? अगर हां, तो यह जानकारी आपके लिए बहुत जरूरी है। घर के अंदर हम अपने पैरों को धूल और एड़ी फटने से बचाने के लिए चप्पल तो पहन लेते हैं। लेकिन ये भूल जाते हैं कि हम कई आंखों से न दिखने वाले बैक्टीरिया को भी अपने घर में एंट्री दे रहे हैं। हमारे जूतों में मौजूद कीटाणुओं पर एक अनोखी स्टडी की। इस स्टडी में उन्होंने पाया कि जूतों के अंदर और उसके तल्ले में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया मौजूद थे। एक जूते के बाहरी हिस्से में औसतन 421,000 यूनिट बैक्टीरिया और अंदर 2,887 यूनिट बैक्टीरिया पाए गए। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक, आपके घर के अंदर जमा होने वाली गंदगी का लगभग एक तिहाई हिस्सा बाहर से आता है। इनमें से अधिकांश हमारे जूतों के के जरिए अंदर आता है। बाहर या घर के बगीचे तक में पहनी जाने वाली चप्पल सभी प्रकार की गंदगी और कीटाणुओं की कैरियर हो सकती हैं। यह तो हम पहले से ही जानते हैं, लेकिन यह शायद ही जानते होंगे कि ये सेहत के लिए कितना खतरनाक है?

बिना चप्पल पहने कैसे रखें पैरों का ख्याल ?

जवाब- घर के अंदर बिना चप्पल के भी हम अपने पैरों का ख्याल रख सकते हैं। डॉक्टर कहते हैं कि सबसे पहले तो आप अपने फर्श को साफ रखें, जिससे बैक्टीरिया का आधा खतरा कम हो सकता है।

सवाल- क्या प्लास्टिक वाली चप्पल पहनना सही है?

जवाब- ज्यादातर जिन चप्पलों का इस्तेमाल हम घर में करते हैं, वह प्लास्टिक से ही बनी होती हैं। यह हमारी स्किन के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। इससे इन्फेक्शन का खतरा हो सकता है।प्लास्टिक की चप्पल पहनने से फंगल इन्फेक्शन का डर बना रहता है। प्लास्टिक की चप्पल में लचीलापन नहीं होता है, जिसकी वजह से कुछ लोगों के पैरों में दिक्कत पैदा हो सकती है। इससे पैरों में सूजन का खतरा भी रहता है। प्लास्टिक की चप्पल हमारे पैरों में दर्द की समस्या खड़ी कर सकती है। इन चप्पलों को पैरों में ज्यादा देर पहनने से बदबू की भी परेशानी हो सकती है। प्लास्टिक की चप्पल पहनने से कुछ लोगों के पैरों का शेप भी बिगड़ जाता है, जैसे उंगलियों का टेढ़ा हो जाना।

पुराने जमाने में घर के अंदर जूते-चप्पल पहनना मना था

पहले के जमाने में घर में यह रिवाज था कि चप्पल-जूते बाहर उतारकर ही घर के अंदर प्रवेश करते थे। न कोई घर की अलग से चप्पल होती थीं और न ही बाथरूम की कोई स्लिपर्स। बिना चप्पल पहने ही घर में रहा जाता था। लेकिन आजकल घर के अंदर भी चप्पल पहनना एक तरह का फैशन बन गया है। बेडरूम के लिए सॉफ्ट फर वाले फ्लिप फ्लॉप्स, बाथरूम के लिए स्लाइडर्स, गार्डन-गैलरी के लिए ॅक्स, किचन-रूम में नॉर्मल स्लिपर्स। न जाने घर में एक ही इंसान की कितनी चप्पलें हो जाती हैं। 'घर के अंदर स्लिपर्स पहनने का चलन वेस्टर्न कल्चर से आया है। पहले के समय में हम घर के अंदर कभी चप्पल का इस्तेमाल नहीं करते थे। हमारी संस्कृति भी यही कहती है कि घर के अंदर चप्पल नहीं पहनना चाहिए। अगर चप्पल पहनना भी है तो सिर्फ टॉयलेट में इसका इस्तेमाल करें।

सवाल- घर के अंदर चप्पल क्यों नहीं पहननी चाहिए?

जवाब- बाहर के हों या घर के फुटवियर, दोनों ही घर के अंदर नहीं पहनने चाहिए। जो लोग घर में बाहर के फुटवियर पहनकर आराम से सोफे पर बैठ जाते हैं, वे ये भूल जाते हैं कि वे अपने साथ बाहर की कितनी सारी गंदगी साथ ला रहे हैं। जूते पहने रहने से बैक्टीरिया, कई नुकसानदायक केमिकल्स और गंदगी जैसे कई बिन बुलाए मेहमान आपके घर में आ जाते हैं। कोली नामक बैक्टीरिया, जो गंदगी और बीमारियां फैलाते हैं, वो ज्यादातर हमारे जूतों में पाए जाते हैं। जूते शौचालय के फर्श और बाहरी वातावरण से इस बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं और फिर बीमारियों का कारण बनते हैं। कीटाणुओं के अलावा यह ध्यान रखना जरूरी है कि घर के अंदर जूते न पहनना सिर्फ स्वच्छता से जुड़ी बात नहीं है। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में, अपने जूते दरवाजे के बाहर उतारना सम्मान की निशानी है।

माइक्रोप्लास्टिक से हृदय रोग और कैंसर का खतरा

हाल ही में न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन बताता है कि 5 मिमी से कम आकार के प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) से हृदय रोग और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ये माइक्रोप्लास्टिक भोजन, पानी और हवा सहित कई स्रोतों से शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। ये रक्त में मिलकर सूजन पैदा कर सकते हैं, जिसके चलते हृदय रोग और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। प्लास्टिक बोतल, नॉन स्टिक बर्तन और प्लास्टिक कंटेनर जैसी वस्तुओं का प्लास्टिक समय के साथ टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है, जो धीरे-धीरे हमारे शरीर में विभिन्न माध्यमों से पहुंचने लगता है।

प्लास्टिक की जगह स्टील, कांच को चुनें

प्लास्टिक कंटेनर, पानी की बोतल, छन्नी जैसे बर्तनों के लिए स्टील या कांच चुनें। ये सामग्री न केवल सुरक्षित है बल्कि उनमें भोजन की गुणवत्ता भी अधिक समय तक बनी रहती है। साथ ही ये गर्मी के संपर्क में आने पर नुकसानदायक केमिकल भी नहीं बनाते हैं। ऐसे ही प्लास्टिक के प्लेट और कटोरियों की जगह स्टील और सिरेमिक के बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं।

नॉन स्टिक की जगह स्टील/कास्ट आयरन के बर्तन

नॉन स्टिक कोटेड बर्तन में स्क्रैच आने या फिर उनके अत्यधिक गर्म होने पर वे माइक्रो प्लास्टिक रिलीज कर सकते हैं। ऐसे में उनकी जगह स्टील या कास्ट आयरन के बर्तनों का उपयोग करें। कास्ट आयरन सेहत के लिए जरूरी आयरन भी भोजन में उपलब्ध कराता है।

लकड़ी अथवा बांस से बना कटिंग बोर्ड

बड़ी संख्या में लोग सब्जियां और फल काटने के लिए प्लास्टिक के कटिंग बोर्ड का उपयोग करते हैं। उनमें सब्जियां फल आदि काटने पर भोजन में प्लास्टिक के कण शामिल हो सकते हैं। ऐसे में लकड़ी अथवा बांस के बने कटिंग बोर्ड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लकड़ी से बने कटिंग बोर्ड सुरक्षित होने के साथ ही प्राकृतिक रूप से एंटीमाइक्रोबियल भी होते हैं।

कुछ लोग हमेशा हर जगह लेट क्यों होते हैं

किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाएं तो कुछ लोग सिर पर बैग रखे सरपट दौड़ते नजर आ जाएंगे। चेकिंग काउंटर पर लाइन में आगे जाने के लिए लड़ते या फिर समय से ट्रेन तक पहुंचने के लिए कुली को एक्ट्रा पैसे देते भी मिल जाएंगे। इतनी कवायद के बाद भी उनकी ट्रेन छूट ही जाती है। लेकिन क्यों? क्या ट्रेन समय से पहले आकर चली गई या लोगों को ट्रेन की सही टाइमिंग मालूम नहीं थी। अपने देश में ट्रेन समय पर आ जाए, यही गनीमत है। समय से पहले पहुंचने और निकल जाने का तो सवाल ही नहीं उठता। दूसरी ओर, टिकट पर ट्रेन की टाइमिंग भी साफ-साफ अक्षरों में लिखी होती है। तमाम ऐसे ऐप हैं, जो ट्रेन का रियल टाइम लोकेशन बताते हैं। बावजूद इसके लोगों की ट्रेन छूट जाती है। दरअसल, ट्रेन किसी की नहीं छूटती। वे खुद लेट होकर पीछे छूट जाते हैं। ट्रेन आगे निकल जाती है।

टाइमर सेट करें- यह आपके लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। अगर आप चीजें भूलते हैं या उसे करने में लेट हो जाते हैं तो आप टाइमर सेट कर सकते हैं। आपको कब तैयार होना शुरू करना है, इसके लिए एक टाइमर सेट करने पर विचार कर सकते हैं।

रोज का टाइम-टेबल बना लें- एक नियमित दिनचर्या तय करने से आपकी कई समस्याएं हल हो जाएंगी। टाइम-टेबल सेट करने से आप यह ट्रैक कर पाएंगे कि आपको रोजाना के काम में कितना समय लगता है।

व्यवस्थित जीवनशैली- यदि आप हमेशा देर से आते हैं क्योंकि आपको अपना सामान समय से नहीं मिल पाता है तो व्यवस्थित होने से आपको बहुत मदद मिलेगी। एक ऐसा क्षेत्र निर्धारित करने पर विचार करें, जहां आप अपनी चाबियां, बटुआ, जूते और फोन रख सकें।

समय से पहले निकलें- यह पता लगाने का प्रयास करें कि कहीं पहुंचने में कितना समय लगेगा और यदि आप ट्रैफिक में फंस जाते हैं तो इसके लिए 5-10 मिनट एक्ट्रा लेकर चलें।

नोटबुक या डायरी का उपयोग करें- कब कौन सा काम करना है और इसमें कितना वक्त लगने वाला है, इसके सही मैनेजमेंट के लिए नोटबुक या डायरी मददगार साबित हो सकती है। नोटबुक या डायरी देर होने की वजह को स्पष्ट कर सकती है।

किस्मत नहीं, खराब मैनेजमेंट से होती है देरी

सबसे पहले यह समझ लेना जरूरी है कि लेट होना खराब किस्मत की बात नहीं। हमेशा लेट होने की आदत खराब मैनेजमेंट या जीवनशैली की ओर इशारा करती है। आमतौर पर यह भी देखा जाता है कि लेट होना लोगों के स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। यानी एक ही शख्स ट्रेन पकड़ने में, दफ्तर जाने में, उठने या सोने में हर जगह देर कर देता है। यह एक तरह की मनोवैज्ञानिक समस्या बन जाती है। एक समय बाद यही लेटलतीफी जिंदगी का हिस्सा बन जाती है। फिर लोग चाहकर भी कहीं टाइम से नहीं पहुंच पाते। इससे फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें 10 बजे बुलाया गया है या 12 बजे, उनको देर हो ही जाती है।

जिंदगी में टाइम मैनेजमेंट बहुत जरूरी

जिंदगी में टाइम मैनेजमेंट का बहुत बड़ा रोल है। इसे हम उस वक्त तो नहीं समझ पाते, जब हम लेट पर लेट हो रहे होते हैं और इसे आदत बना लेते हैं। लेकिन बाद में इसकी कीमत समझ आती है। देर होना असल में समय की कमी नहीं बल्कि गलत मैनेजमेंट का नतीजा है। अगर कोई हमेशा देर करता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसकी घड़ी तेज भाग रही है। असल समस्या उस शख्स के दिमाग में है, जिसमें देर करने, काम को टालने की आदत घर कर गई है।

गोधरा के साबरमती ट्रेन जलाने के दोषियों की याचिका खारिज

दो जजों की पीठ उनकी अपील पर सुनवाई नहीं कर सकती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन जलाने के दोषियों की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दो जजों की पीठ ने उनकी अपील पर सुनवाई करने पर आपत्ति जताई थी। याचिका में कहा गया कि दो जजों की पीठ उनकी अपील पर सुनवाई नहीं कर सकती क्योंकि यह मामला मौत की सजा से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं के वकील संजय हेगड़े ने जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ के समक्ष लाल किला आतंकी हमले में मोहम्मद आरिफ उर्फ अशरफ को मौत की सजा देने के मामले का उल्लेख किया।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा

सुनवाई में कहा गया था कि तीन जजों की पीठ ही मौत की सजा से जुड़े मामलों की सुनवाई कर सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर कहा कि तीन जजों की पीठ उन्हीं मामलों पर सुनवाई कर सकती है, जिनमें हाई कोर्ट ने मौत की पुष्टि कर दी हो। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि गुजरात हाई कोर्ट ने इस मामले में 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। इस मामले में सिर्फ ट्रायल कोर्ट ने ही मौत की सजा सुनाई है। ऐसे में इस मामले में दो जजों की पीठ सुनवाई कर सकती है।

गुजरात एचसी ने 11 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में बदली थी

27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 59 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद राज्य में दंगे भड़क गए थे। सत्र न्यायालय ने दोषियों को मौत की सजा सुनाई थी। गुजरात उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2017 के फैसले में 31 दोषियों की सजा को बरकरार रखा था और 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने का विरोध किया और सुप्रीम कोर्ट में अपील की। साथ ही कई दोषियों ने उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दोषी बरकरार रखने के खिलाफ भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करने की दी ये दलील

हेगड़े ने कहा कि मान लीजिए कि दो जजों की पीठ कुछ आरोपियों को मौत की सजा दे देती है तो फिर इस मामले पर तीन जजों की पीठ को फिर सुनवाई करनी पड़ेगी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस सबमिशन को खारिज कर दिया और कहा कि तीन जजों की पीठ उन्हीं मामलों पर सुनवाई कर सकती है, जिनमें उच्च न्यायालय ने मौत की पुष्टि कर दी हो। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि गुजरात उच्च न्यायालय ने इस मामले में 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। इस मामले में सिर्फ ट्रायल कोर्ट ने ही मौत की सजा सुनाई है। ऐसे में इस मामले में दो जजों की पीठ सुनवाई कर सकती है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने सितंबर 2014 को दिए अपने एक फैसले में कहा कि मौत की सजा से जुड़े सभी मामले, जिन पर उच्च न्यायालय फैसला दे चुका हैं, उनकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ही करेगी।

हरियाणा में नेवी लेफ्टिनेंट के घर पहुंचे राहुल गांधी

परिवार से बोले पहलगाम में सुरक्षा चूक चिंताजनक, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता

करनाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार से 1 घंटा 35 मिनट तक मुलाकात की। वह दोपहर 2.15 बजे लेफ्टिनेंट के घर से रवाना हुए।

इस दौरान सुरक्षा टाइट रही। मुलाकात के बारे में परिवार के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी फैमिली से दुख साझा किया। उन्होंने विनय के बचपन और पढ़ाई के बारे में पूछा। इसके साथ विनय की स्कूल की मार्कशीट और बचपन की फोटो भी देखीं। उन्होंने सुरक्षा में चूक की भी बात कही, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई। परिवार के सदस्य ने कहा कि शहीद का दर्जा को लेकर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है। मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने सिर्फ पानी ही पीया। हिमांशी घर पर नहीं हैं, वह अपने मायके गई हैं। दीपेंद्र बोले राहुल गांधी ने परिवार से एकांत में बातचीत की। रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी।

सब कुछ लूटकर फुर्र हुई लुटेरी दुल्हन, आज तक पछता रहा है दूल्हा

सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर में मानटाउन थाना क्षेत्र में एक लुटेरी दुल्हन की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। दो लाख रुपये देने के बाद अविवाहित युवक को दुल्हन मिली थी लेकिन सुहागरात के 14 दिन बाद ही वह सबकुछ लूट कर फुर्र हो गई। मामला आईएचएस कॉलोनी का है। यहां युवक विष्णु शर्मा ने 20 अप्रैल 2025 को शीतला माता मंदिर में मध्यप्रदेश की अनुराधा यादव से हिन्दू रीति-रिवाजों के साथ विवाह किया था। विवाह दलाल पप्पू मीना के माध्यम से हुआ, जिसे वर पक्ष ने दो लाख रुपए दिए थे। विवाह से पहले विवाह सहमति पत्र भी वकील के माध्यम से तैयार किया गया, जिसमें दुल्हन ने प्रेम विवाह की सहमति जताई थी।

धोखाधड़ी की पूर्व योजना

विष्णु ने बताया कि उसे विवाह के लिए कोई लड़की नहीं मिल रही थी, तब वह पप्पू मीना के संपर्क में आया, जिसने उसे शादी करवाने का भरोसा दिया। 19 अप्रैल को लड़की को दिखाने के बाद अगले ही दिन शादी करवा दी गई। अनुराधा ने खुद को आनंद नगर, खंडवा (म.प्र.) की निवासी बताया और अपने पिता के निधन की जानकारी दी। पूरी योजना एक गिरोह की ओर से पूर्वनियोजित थी। अब फरार दुल्हन और उसके साथियों की तलाश में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार हैं और पुलिस उनके ठिकानों की जानकारी जुटा रही है।

सुहागरात और 14 दिन, फिर सोची-समझी साजिश

शादी के बाद सुहागरात भी रिति-रिवाज से मनाई गई। अनुराधा का पति के साथ और ससुराल में अन्य सदस्यों के साथ सामान्य व्यवहार रहा। लेकिन सुहागरात के महज 14 दिन बाद, 3 मई की रात को उसने बड़ी चालाकी से परिवार के खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। रात दो बजे के करीब, जब सभी बेहोश हो गए, तब वह 30 हजार रुपए नकद, सोने की अंगूठी, मंगलसूत्र, टिकला, 250 ग्राम चांदी की पायजेब और एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गई। कुल मिलाकर वह करीब डेढ़ लाख की संपत्ति लेकर चली गई।

दूल्हे ने दर्ज कराई रिपोर्ट, पुलिस कर रही जांच

दूल्हे विष्णु शर्मा ने मानटाउन थाने में अनुराधा यादव, दलाल पप्पू मीना, सुनिता यादव, और श्याम राजपूत के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले की जांच एएसआई मीठालाल को सौंपी है। रिपोर्ट में विष्णु ने बताया कि वह ठेले से जीविकोपार्जन करता है और कर्ज लेकर विवाह किया था। मोबाइल भी दोस्त से खरीदा था, जिसे दुल्हन अपने साथ ले गई।

भारत को गीदड़भभकी देने वाले पाक रक्षा मंत्री ने अब पूरी दुनिया को दी धमकी

नई दिल्ली। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। इसी दौरान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को लेकर पूरी दुनिया को धमकी दे दी है। उन्होंने कहा है कि अगर भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत की, तो दुनिया में कोई भी नहीं बचेगा। आसिफ ने इस स्थिति की तुलना गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई से भी की है।

या तो हम बचेंगे, या कोई नहीं बचेगा

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इसने पाकिस्तान पर हमला किया और पाकिस्तान के अस्तित्व को खतरा हुआ, तो दुनिया में कोई भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सहयोगी जिस मानसिकता के साथ गाजा में कार्रवाई कर रहे हैं, वैसी ही मानसिकता यहां भी लागू हो रही है। आसिफ ने आगे कहा, अगर हमारे साथ ऐसा होता है...अगर हमारे अस्तित्व को खतरा होता है, तो या तो हम बचेंगे, या कोई नहीं बचेगा। आसिफ ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहलगाम आतंकी हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है।

मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा

इससे पहले, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया था कि भारत विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट के आधार पर अगले 24-36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का इरादा रखता है। आसिफ की धमकियों की सूची अब लंबी हो चुकी है। उन्होंने पहले सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के लिए निर्धारित पानी को मोड़ने के लिए भारत की ओर से बनाए गए किसी भी ढांचे को 'नष्ट' करने की कसम खाई थी। उन्होंने कश्मीर के मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण युद्ध' की धमकी दी थी।

बीजेपी विधायकों का प्रशिक्षण शिविर

सीएम भजनलाल अंतिम पंक्ति में बैठे

शिविर के दूसरे दिन आयोजित हुए तीन सत्र, अन्य दलों की विघटनकारी नीतियों से सावधान रहने की नसीहत

जागरूक संवाददाता

जयपुर। बीजेपी के विधायकों और सांसदों के लिए गुजरात के केवड़िया में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को तीन सत्र आयोजित हुए। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने विधायकों और सांसदों को सुशासन का पाठ पढ़ाया।

तीनों सत्रों में सीएम भजनलाल शर्मा सभी विधायकों के साथ पीछे की पंक्तियों में बैठे। उन्हें मंच पर और आगे की पंक्तियों में बैठने का आग्रह किया गया। लेकिन उन्होने इसके लिए मना कर दिया। वे तीनों सत्रों में आम विधायक की तरह मौजूद रहे। जबकि उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और विधायक अनिता भदेल मुख्य वक्ता के साथ मंच पर मौजूद रहे।

राजस्थान को लेकर केन्द्र की योजनाओ पर चर्चा

शिविर के दूसरे दिन पहले सत्र में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने 'राजस्थान के संदर्भ में मोदी सरकार की परिवर्तनकारी नीतियां' विषय पर चर्चा की। जिसमें उन्होने विकसित भारत-विकसित राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने वाली केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को किस तरह से सफल किया जाए, इस विषय पर जोर दिया। दूसरे सत्र में राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश ने बीजेपी और अन्य दलों के बीच वैचारिक मतभेदों और अन्य दलों की विघटनकारी नीतियों से किस तरह से सावधानी बरती जाए, इसकी चर्चा की। उन्होने बीजेपी विधायक और सांसदों को भाजपा के मूलभूत सिद्धांतों, राष्ट्रीयता और समग्र विकास के दृष्टिकोण के बारे में बताया। वहीं तीसरे सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की अध्यक्षता में 'सोशल मीडिया एवं विमर्श निर्माण-हमारी भूमिका' विषय पर चर्चा की। उन्होने सोशल मीडिया के माध्यम से किस तरह राष्ट्रीय भावना का निर्माण किया जाए, इसकी जानकारी दी।

बारात में दूल्हे के पिता से लूटे ढाई लाख

बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने की वारदात, सोने के जेवरात से भरा बैग छीना

धौलपुर। धौलपुर में सोमवार रात एक बारात में चोरी की वारदात हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी स्थित सैंपऊ रोड पर नकाबपोश बाइक सवार दो बदमाशों ने दूल्हे के पिता से जेवरात का बैग छीन लिया। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के जौरा खुर्द से आई बारात धौलपुर के एक मैरिज होम में ठहरी थी।

बारात की चढ़ाई के दौरान दूल्हे के पिता गिर्राज पुत्र बाल मुकुंद जेवरात का बैग लेकर मैरिज होम के बाहर आए। इसी दौरान अपाची बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश आए और बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में 2.40 लाख रुपए की नकदी और करीब दो तोला सोने के जेवरात थे। वारदात की सूचना मिलते ही कोतवाली और निहालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जानकारी ली और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना से शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

अबोध बच्ची को 'संथारा' की अनुमति कैसे...

तीन साल की लड़की की मौत, बाल आयोग ने जिलाधिकारी को भेजा नोटिस

इंदौर। इंदौर में ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसकी मौत हो गई थी। इस मामले का संज्ञान लेते हुए मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने जिला प्रशासन को निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है। संथारा, जैन धर्म की प्राचीन प्रथा है, जिसका पालन करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से अन्न-जल, दवाएं और अन्य सांसारिक वस्तुएं छोड़कर प्राण त्यागने का फैसला करता है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह ने इसको लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इंदौर में तीन साल की बच्ची को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराया गया था। जिसके बाद उसकी मौत की घटना का बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 के संबद्ध प्रावधानों के तहत संज्ञान लिया है। सिंह ने बताया कि यह संज्ञान मीडिया की खबरों के आधार पर लिया गया है।

आयोग ने डीएम को लिखा पत्र

आयोग ने इंदौर के जिलाधिकारी को नोटिस जारी करके कहा है कि मामले से जुड़े सभी पक्षों की निष्पक्ष जांच जल्द करायी जाए और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाकर आयोग को इसकी रिपोर्ट भेजी जाए। सिंह ने कहा कि आयोग खासतौर पर यह जानना चाहता है कि तीन साल की अबोध बच्ची संथारा के लिए कैसे अपनी सहमति दे सकती है?

पुलिस ने कहा- कोई शिकायत नहीं मिली

इस बच्ची की मौत के बाद कानूनी और सामाजिक हलकों में संथारा को लेकर फिर बहस शुरू हो गई है। इस बीच, इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि शहर में तीन वर्षीय बच्ची को संथारा व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसकी मौत के मामले में पुलिस को फिलहाल कोई भी शिकायत नहीं मिली है।

12 साल की गुनगुन मीनाक्षी शेषाद्रि के साथ डांस कर छा गई, पीएम मोदी ने भी की तारीफ

जयपुर। टैलेंट की कोई उम्र नहीं होती। यह बात 12 साल की गुनगुन मिश्रा ने साबित कर दी है। हाल ही में हरियाणा के कुरूक्षेत्र में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में गुनगुन ने दिग्गज अभिनेत्री और नृत्यांगना मीनाक्षी शेषाद्रि के साथ मंच साझा करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुंदर और उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुनगुन को व्यक्तिगत रूप से प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया है। गुनगुन का सपना है कि वह एक दिन भारत की सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर बनें और पूरी दुनिया को भारतीय कला और परंपरा से परिचित कराएं।

कौन है गुनगुन मिश्रा

11 जनवरी 2013 को गुनगुन मिश्रा का जन्म प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में हुआ। वह पिछले 10 वर्षों से जयपुर में अपने माता-पिता के साथ रह रही हैं। गुनगुन के पिता विवेक मिश्रा एक नीट कोचिंग शिक्षक हैं और उनकी मां निधि मिश्रा एक गृहिणी हैं। गुनगुन की सफलता में उनकी मां का खास योगदान रहा है, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया। गुनगुन न केवल एक प्रतिभाशाली कलाकार हैं, बल्कि पढ़ाई में भी अव्वल हैं। गुनगुन जयपुर में कक्षा 7 की छात्रा हैं और कक्षा 6 में उन्होंने एप्लस ग्रेड प्राप्त किया था। गुनगुन को भरतनाट्यम, कथक और भारतीय सांस्कृतिक कला में गहरी रुचि है। गुनगुन का स्कूल में नाम विनिध्या मिश्रा है।

विदेश तक परफॉर्मेंस, सोशल मीडिया की भी स्टार

गीता महोत्सव में गुनगुन ने क्लासिकल डांस कर जहां तारीफ बटोरी है। वहीं सोशल मीडिया पर भी गुनगुन की खास पहचान है। उन्होंने कोविड के समय एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था, जिसके कई वीडियो को करोड़ों व्यूज मिल चुके हैं। इंस्टाग्राम पर भी उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। 2019 में, उन्होंने थाईलैंड के बैंकॉक में एक अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता में भी भाग लिया था।

जयपुर में चाबी बनाने के बहाने अलमारी से गहने चुराए

मालिक की नजरों के सामने खोला लॉकर, बिना मजदूरी लिए बहाना बनाकर भागे

जयपुर। जयपुर में ताला-चाबी ठीक करने वाले दो युवकों ने घर के अंदर घुसकर चोरी कर ली। अलमारी की चाबी बनाते समय नजर बचाकर लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और कैश चोरी कर लिए। बिना मजदूरी लिए दोनों फरार हो गए। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेजों को खंगाल गैंग के तीन बदमाशों को अरेस्ट किया है। डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया- चोरी की वारदात मुरलीपुरा के जयनगर निवासी लोकेश कुमार शर्मा (43) के घर हुई। 3 मई को दोपहर कॉलोनी में दो सिकलीगर घूम रहे थे। ताला चाबी ठीक करवा लो की आवाज सुनकर उन्हें रोक लिया। अलमारी का लॉक सही करवाने के लिए दोनों सिकलीगर को घर के अंदर बुला लिया। अलमारी का लॉक ठीक करते समय मालिक के सामने नजर बचाकर लॉकर खोलकर उसमें रखे सोने-चांदी के गहने और 10 हजार रुपए निकाल लिए।

मंगलसूत्र, सोने की चेन, अंगूठी समेत गहने गायब मिले

गहने निकालने के बाद अलमारी वापस लॉक कर दी। अपनी मजदूरी लिए बिना ही दोनों बहाना बनाकर आनन-फानन में चले गए। शक होने पर अलमारी का लॉकर खोलकर देखने पर चोरी का पता चला। लॉकर में रखी आर्टीफिशियल चेन व मंगलसूत्र, सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायजेब, चुटकी, अंगूठी व 10 हजार रुपए गायब मिले। काफी ढूंढने के प्रयास के बाद भी चोर सिकलीगर का कोई सुराग नहीं लगा। मुरलीपुरा थाने में पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

होटल में आकर ठहरते, वारदात कर लौट जाते

एसएचओ (मुरलीपुरा) वीरेंद्र कुरील ने नेतृत्व में टीम ने चोर गैंग की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर रूट चार्ट तैयार किया। पुलिस ने दबिश देकर गैंग के तीनों बदमाश सरदार सतनाम सिंह (29) निवासी दाहोद गुजरात, सन्नी सिंह उर्फ सरदार सन्नी देवल (30) निवासी दाहोद गुजरात और सरदार राजेन्द्र सिंह (35) निवासी कोतवाली डूंगरपुर को अरेस्ट किया है। वारदात के दौरान गैंग के एक बदमाश बाहर रहकर निगरानी करता। दो बदमाश अंदर लॉक खोलने के लिए जाते। ध्यान भटकाकर लॉकर खोलकर गहने-कैश चोरी कर ले जाते। वारदात करने के लिए गुजरात से आकर होटल में ठहरते थे।

रणथंभौर इलाके में टाइगर-भालू के बाद अब पैंथर का तांडव

किया महिला पर हमला

सवाई माधोपुर। प्रदेश के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व की परिधि में लगातार बाघों का मूवमेंट जारी है, जिसके चलते लोगों दहशत के साये में हैं। ताजा मामला, रणथंभौर से सटे फलौदी गांव का है । यहां बीती रात एक महिला खाना खाकर मकान के बाहर टहल रही थी। इस दौरान पैंथर ने हमला कर दिया । गनीमत यह रही कि महिला के नजदीक दीवार पर बंधे एक तार पर सुख रहे कपड़ो में पैंथर उलझकर रह गया और महिला की जान बच गई । पैंथर के हमले में महिला तो बच गई लेकिन पैंथर एक कुत्ते को उठाकर ले गया । वही अल सुबह पैंथर फिर गांव में आ गया और एक घर मे घुस गया । पैंथर के घर मे घुसने के दौरान घर मे पूरा परिवार मौजूद था । पैंथर को सामने देख परिवारजनों की घिग्घी बढ़ गई ।

डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पैंथर रेस्क्यू : गनीमत यह रही कि पैंथर घर के एक ऐसे कमरे में घुस गया, जिसमें कोई नहीं था । जिसका फायदा उठाकर परिवारजनों ने जैसे तैसे घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई । परिवार जनों के चिल्लाने की आवाज पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और घर का दरवाजा बंद कर दिया। वन विभाग की घटना की जानकारी दी । ग्रामीणों की सूचना पर वनपाल सुमन गुर्जर वन विभाग की टीम के साथ? मौके पर पहुंची। पैंथर को रेस्क्यू करने का प्रयास किया। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम को सफलता मिली और पैंथर को बामुश्किल ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया ।

पैंथर को जंगल में छोड़ा: पैंथर के घर के एक कमरे में छिपे होने के चलते वन विभाग की टीम को पैंथर को ट्रेंकुलाइज करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। पैंथर को रेस्क्यू करने के बाद वन विभाग की टीम अपने साथ ले गई। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के जंगल में छोड़ दिया गया।

स्वत्वाधिकारी - नारायण पब्लिकेशन प्रा. लि., प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक, हेमल पुरोहित के लिए अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं कोरल स्टूडियो-1, प्लॉट नं. बी-64/65 , फ्लैट नं. 106, सहकार मार्ग, इमली फाटक, जयपुर से प्रकाशित। रजि. नं. RAJHIN/2009/31386 सम्पादक- हेमल पुरोहित। सम्पर्क करें: 0141-6766677, 0141-2743001, e-mail : Jtjaipur@gmail.com